THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com


## शिया कमांडर ने सुन्नी लड़की से रेप किया, ईरान सुलगा

तेहरान, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान में 22 साल की माहसा अमिनी की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद विरोध प्रदर्शन अभी थमे भी नहीं थे कि एक और मामला सामने आ गया। शुक्रवार को जेहदान शहर में 15 साल की बलोच लड़की से रेप के विरोध में प्रदर्शन हुए। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने फायरिंग की जिसमें 36 लोगों के मारे जाने की खबर है। गुस्साए लोग सरकारी ऑफिसों और पुलिस स्टेशनों में आग लगा रहे हैं। शुक्रवार को नमाज के बाद बलोच समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए और इन्होंने नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने फायरिंग की। पिछले सप्ताह एक पुलिस कमांडर पर एक 15 साल की एक बलोच लड़की के बलात्कार के आरोप लगे थे।


वर्ष-27 अंक : 199 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन शु.7, 2079 रविवार, 2 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये


# वेलकम 5जी, बाय-बाय 4जी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में आज यानी एक अक्टूबर से 5जी मोबाइल सर्विसेस की शुरुआत हो गई है। इंडियन मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5जी सर्विसेस लॉन्च कीं। 5जी के आने से इंटरनेट स्पीड 4जी की तुलना में करीब 10 गुना बढ़ जाएगी। दिल्ली के प्रगति मैदान में आज से टेलीकॉम इंडस्ट्री के बड़े इवेंट इंडियन मोबाइल कांग्रेस के छठे एडिशन की शुरूआत हुई है। ये इवेंट 4 दिन तक चलेगा।

**एयरटेल ने की 8 शहरों से 5जी की शुरुआत**

भारती-एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, अहमदाबाद और बेंगलुरु समेत देश के आठ शहरों में आज से ही 5जी सर्विस देने का ऐलान किया। वहीं एयरटेल का 2024 तक पूरे देश में 5जी सर्विस पहुंचाने का प्लान है। रिलायंस ने बीते दिनों अपनी एजीएम में बताया था वो दिवाली तक 4 शहरों- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई में 5जी सर्विस शुरू करेगी। वहीं मुकेश अंबानी ने आज इंडियन मोबाइल कांग्रेस में कहा कि जियो के जरिए दिसंबर 2023 तक देश के हर कोने में 5जी सर्विस पहुंचेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि 5जी का रोलआउट भारत के दूरसंचार इतिहास में कोई सामान्य घटना नहीं है। देश ने भले ही थोड़ी देर से शुरुआत की हो, लेकिन हम दुनिया की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाली और अधिक किफायती 5जी सेवाओं को शुरू करेंगे।

**मोदी ने 5जी के यूज केस देखे**

जियो ने अपने डेमो में 4 स्कूलों को एक साथ जोड़ा। मुंबई के एक स्कूल के शिक्षक ने तीन अलग-अलग स्थानों के छात्रों को पढ़ाया। अहमदाबाद के रोपड़ा प्राइमरी स्कूल की एक स्टूडेंट से पीएम ने बात की।

## केरल में 5 आरएसएस नेताओं को वाय कैटेगरी की सिक्योरिटी

तिरुअनंतपुरम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने केरल में आरएसएस के 5 नेताओं को वाय कैटेगरी की सिक्योरिटी मुहैया कराई है। यह फैसला नेताओं पर हमले की आशंका को देखते हुए लिया गया है। एनआईए ने 22 सितंबर को 15 राज्यों में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 93 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान केरल पीएफआई के मेंबर मोहम्मद बशीर के घर से एक लिस्ट मिली, जिसमें पीएफआई के रडार पर संघ के पांच नेताओं के नाम थे।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय जांच और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को इनपुट दिए थे। इसके आधार पर संघ नेताओं को यह सिक्योरिटी कवर दिया गया। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की वीआईपी सिक्योरिटी विंग को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

**सुरक्षा में दो से तीन कमांडो की तैनाती**

वाय कैटेगरी के तहत हर नेता की सुरक्षा में दो से तीन कमांडो तैनात रहेंगे। ऐसी ही सिक्योरिटी बिहार बीजेपी अध्यक्ष और पश्चिम चंपारण से सांसद संजय जायसवाल को भी दी गई है। जून में 'अग्निपथ' भर्ती योजना की शुरुआत के बाद उनके और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद उन्हें सिक्योरिटी दी गई थी।

## खड़गे ने राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष के पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन करने के एक दिन बाद राज्यसभा में नेता विपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा सौंपा। दरअसल, कांग्रेस में "एक व्यक्ति एक पद' का सिद्धांत है। इसी के तहत खड़गे ने यह इस्तीफा दिया है। अब माना जा रहा है कि पी चिदंबरम या दिग्विजय सिंह राज्यसभा में उनकी जगह ले सकते हैं। खड़गे को पिछले साल 2021 में कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद का कार्यकाल पूरा होने के बाद फरवरी में राज्यसभा का नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था।


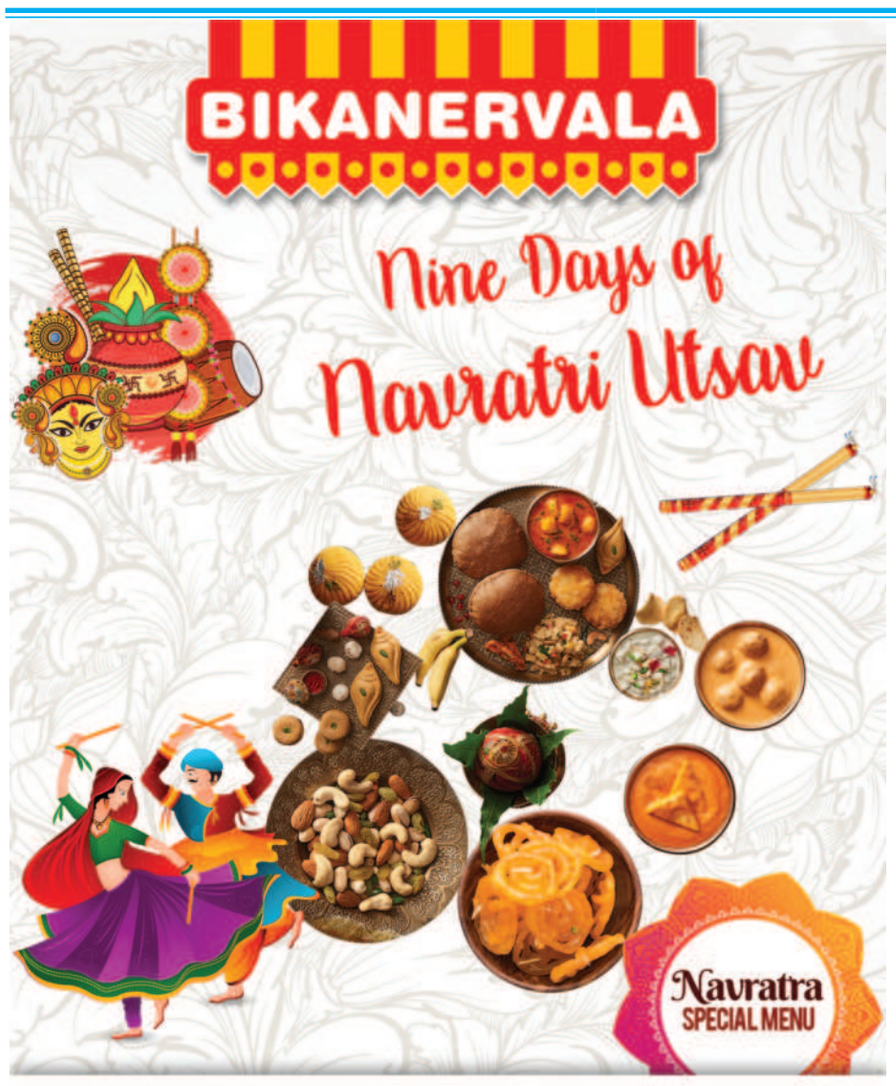


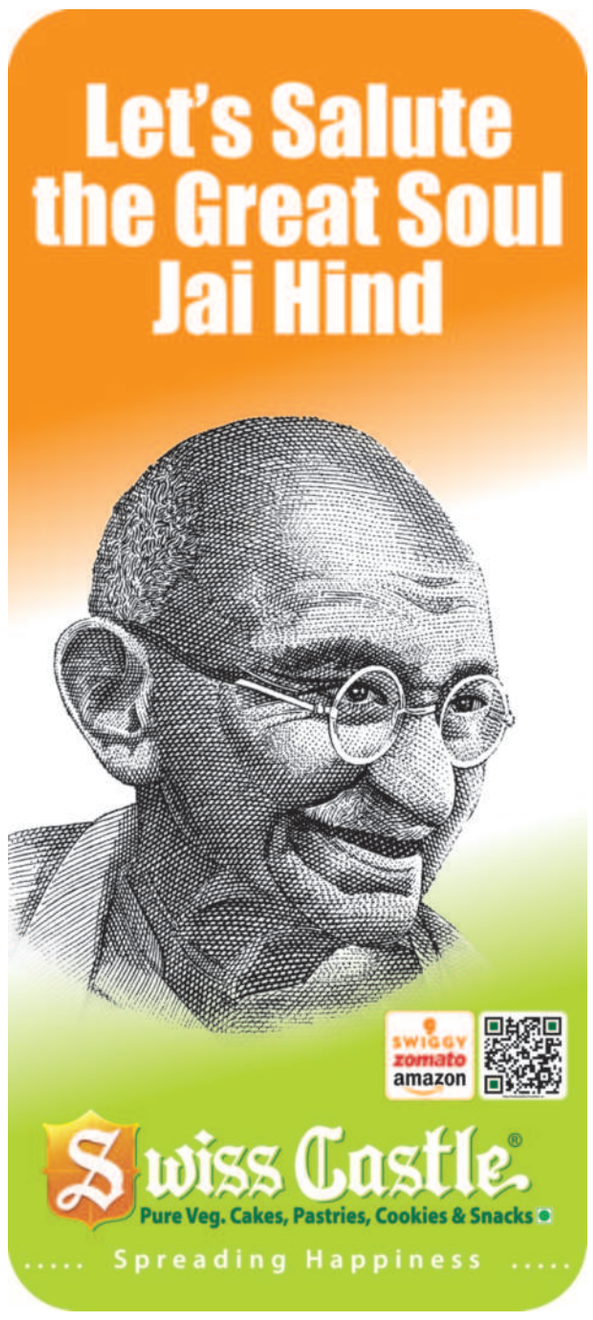

## मीनाक्षी लेखी बोलीं

### हिमाचल में महिलाओं के लिए टिकट के मामले में जल्द स्पष्ट होगी स्थिति

शिमला, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने शिमला में कहा कि केवल महिला है, इसलिए टिकट मिले यह सही नहीं। महिलाएं खूब सशक्त हुईं हैं। मैं पुरुषों को पछाड़कर महिलाओं को खुद आगे बढ़ने की पक्षधर हूं। मीनाक्षी लेखी ने प्रेसवार्ता में कहा कि मैंने खुद दो बार पुरुषों को हराया, डिपॉजिट भी जब्त किया। प्रदेश में महिलाओं के लिए टिकट देने के मामले में जल्द स्थिति स्पष्ट होगी। भाजपा ने महिलाओं को सम्मान दिया, पहले तो गोद में बैठाने की बातें तक होती थीं । इस दौरान मीनाक्षी लेखी ने जयराम सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। साथ ही दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर भी निशाना साधा।

## गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर जम्मू कश्मीर में अलर्ट

### लखनपुर से लेकर उड़ी तक चेकिंग

जम्मू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर आ रहे गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा को देखते हुए जम्मू कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। इसको लेकर लखनपुर से बारामुला तक नाके लगाकर चेकिंग की जा रही है। उधमपुर धमाके और राजोरी में महिला से आईईडी बरामद होने के बाद अभियान और तेज किया जा रहा है। गृहमंत्री जम्मू कश्मीर में अधिकारियों के साथ बैठक करने के अलावा दो जगहों पर जनसभा भी करेंगे। इसके लिए राजोरी और बारामुला को चयनित किया गया है। अग्निवीर भर्ती रैली आतंकियों के निशाने पर होने के खुलासे के बाद खासकर कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक कई जिलों में चेकिंग चल रही है। उन्होंने बताया कि यह रुटीन तरीके से ही चल रही है।

**कन्वेंशन सेंटर के बाहर रहेगी थ्री टायर सुरक्षा**

अमित शाह अपने जम्मू दौरे के दौरान कन्वेंशन सेंटर आएंगे। इसे लेकर कन्वेंशन सेंटर के बाहर अभी से सुरक्षाबलों को तैनात कर दिया गया है। इसके साथ-साथ सर्किट हाउस की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। कनाल रोड पर सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है।

**सीमावर्ती क्षेत्र में बरती जा रही अतिरिक्त सतर्कता**

दोमाना में भी पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों ने चौकसी बढ़ा दी हैं। वीरवार कोजगह-जगह नाके लगाकर वाहनों की जांच की गई। हर आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। कानाचक सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। तीन से पांच अक्टूबर तक गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर के दौरे की व्यवस्थाओं को जांचने केंद्रीय मंत्री डॉ। जितेंद्र सिंह शुक्रवार को जम्मू पहुंच गए हैं। उन्होंने प्रशासनिक, पुलिस के अधिकारियों और भाजपा नेताओं से बैठकें कर गृह मंत्री अमित शाह के दौरे की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में कोई चूक न होने देने के निर्देश दिए। अमित शाह तीन अक्तूबर की शाम को जम्मू पहुंचेंगे और राजभवन में उपराज्यपाल के अलावा उच्च अधिकारियों से बैठक कर प्रदेश के सुरक्षा हालात की समीक्षा करेंगे। चार अक्तूबर को शाह सुबह 11 बजे राजोरी जिले में जन रैली को संबोधित करेंगे। जन रैली को संबोधित करने के बाद शाह जम्मू पहुंचेंगे और जम्मू कन्वेंशन सेंटर में पार्टी के पदाधिकारियों व प्रमुख कार्यकर्ताओं से बैठकें करेंगे। पांच अक्तूबर को शाह कश्मीर जाएंगे और बारामुला जिले में रैली को संबोधित करेंगे।

## सत्येंद्र जैन की याचिका खारिज

### लॉन्ड्रिंग मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने को दी थी चुनौती

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने अपने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने को चुनौती दी थी। बता दें कि ईडी के अनुरोध पर एक न्यायाधीश से दूसरे न्यायाधीश को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी जमानत मामले की कार्यवाही स्थानांतरित करने के राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश को जैन ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन ने हाई कोर्ट में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) 'देश पर शासन करने वाली एक असामान्य प्रजाति' है। उसे किसी न्यायाधीश को धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही उसे बिना किसी आधार पर 'पक्षपाती' होने के दावे के साथ मनी लांड्रिंग मामले के स्थानांतरण की मांग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। जैन ने अपने मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने पर आपत्ति जताते यह तर्क रखा था।

## 'धनकुबेरों' पर शिकंजा, एमपी ईओडब्ल्यू की बड़ी रेड

### मंडला में 2 ठिकानों पर छापेमारी, निवाड़ी में भी हुई कार्रवाई

भोपाल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर ईओडब्ल्यू की छापेमार कार्रवाई की गई है। प्रदेश के तीन अलग-अलग मामलों में 5 जगहों पर छापा मारा है। आर्थिक अपराध प्रकाष्ठ को प्राप्त शिकायत की जांच प्रकोष्ठ इकाई सागर से कराई गई। जांच में आए साक्ष्यों के आधार पर पाया गया कि आरोपियों से लगभग 110 प्रतिशत अधिक व्यय एवं संपत्ति अर्जित की गई है।

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई लगातार जारी है। दरअसल निवाड़ी में जल संशाधन विभाग का एक बाबू करोड़ों का आसामी निकला है। जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू ने जल संसाधान विभाग में पदस्थ कैलाश चंद्र मिश्रा के यहां छापा मारा है। और अब तक छापे की कार्रवाई में आय से 110 गुना ज्यादा संपत्ति मिली है। इस जांच में कई एकड़ खेत, जेसीबी मशीन, 1 एक्सयूवी कार, 1 फॉर्च्यूनर कार और 3 अन्य मोटर साइकिल भी बरामद हुई है। साथ ही मंडला में 4 मकान, दो गोदाम, दुकान मिली है। यह कार्रवाई सागर और जबलपुर ईओडब्ल्यू ने मिलकर की है। बताया जा रहा है कि कैलाश चंद्र मिश्रा जल संसाधन विभाग में टाइम कीपर है। जांच में और भी खुलासे हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार आज सुबह निवाड़ी में जल संसाधन विभाग के रिटायर्ड टाइम कीपर और मंडला जिले में 2 सोसाइटी मैनेजर्स के ठिकानों पर छापे पड़े। बताया जा रहा है कि दोनों मैनेजर्स भाई हैं। अब तक के हुए खुलासे में पता चला है कि एक भाई के पास आय से 1100% अधिक खर्च और संपत्ति मिली है। और 10 लाख रुपए कैश मिला है। हालांकि मंथली सैलरी लगभग 9 हजार रुपए है। अब तक की जांच में तीनों के पास आय से अधिक संपत्ति पाई गई है। और लगातार सर्च जारी है। रिटायर्ड टाइम कीपर, उसके बेटे के खिलाफ केस किया गया है। मंडला में दोनों मैनेजर भाइयों के साथ उनकी पत्नियों पर भी केस किया गया है।

बता दें कि ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने मंडला जिले के नैनपुर में दो भाइयों गणेश जायसवाल और राजू जायसवाल के मकान, गोदाम और दुकानों में सर्च कर रही है। दोनों सोसाइटी मैनेजर हैं। इसे लेकर ईओडब्ल्यू अधिकारी देवेंद्र राजपूत ने बताया कि नैनपुर के रहने वाले गणेश जायसवाल और राजू जायसवाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति जमा करने की शिकायत आई थी। राजू जायसवाल के पास अब तक आय से लगभग 1100% ज्यादा प्रॉपर्टी मिली है। राजू और उसकी पत्नी संगीता के खिलाफ केस किया गया है। राजू जायसवाल के पास अब तक इत 10 लाख रुपए कैश मिले है। साथ ही इटका, नैनपुर, मंडला में दुकान और 5000 स्क्वायर फीट का गोदाम मिला। चाकोरपुर पुरानी बस्ती में 1000 स्क्वायर फीट में उसका मकान बना हुआ है। मंडला-नैनपुर हाईवे पर दुकान और 3982 स्क्वायर फीट का गोदाम भी मिला।

अलग-अलग जगह पर कई सारे प्लॉट और साथ ही 3 पिकअप वाहन, स्कूटर और बाइक बरामद हुई है। मंडला जिले के ही नैनपुर में समिति प्रबंधक गणेश जायसवाल का रेलवे स्टेशन कॉलोनी के पीछे मकान और इटका स्थित दुकान में सर्च की जा रही है। अब तक आय से 600% अधिक संपत्ति मिली है। गणेश और उनकी पत्नी अनीता पर केस दर्ज किया गया है। गणेश जायसवाल समिति प्रबंधक राजू जायसवाल के भाई हैं।

## छगन भुजबल और 2 अन्य के खिलाफ एफआईआर

### बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी देने का मामला

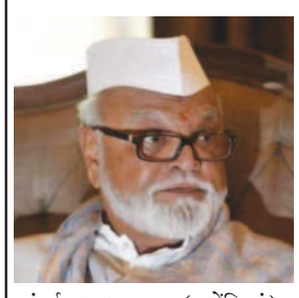

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री छगन भुजबल और दो अन्य लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शख्स ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता भुजबल को कुछ वीडियो भेजे थे, जिनमें वह कथित तौर पर हिंदू धर्म के खिलाफ बोलते नजर आ रहे थे। अधिकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात इस मामले में चेंबूर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया, 'व्यक्ति की शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-506(2) (आपराधिक धमकी) और धारा-34 (समान मंशा) के तहत भुजबल और दो अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया।'

**भुजबल ने हिंदू धर्म के खिलाफ दिया बयान?**

अधिकारी के अनुसार, 'प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि भुजबल ने शिकायतकर्ता की ओर से उन्हें दो वीडियो भेजने के बाद उसे जान से मारने की धमकी दी। इन वीडियो में भुजबल कथित तौर पर हिंदू धर्म के खिलाफ बोलते सुनाई दे रहे हैं।' उन्होंने बताया कि मामले की जांच मुंबई अपराध शाखा की यूनिट-6 कर रही है। मालूम हो कि भुजबल एनसीपी के सदस्य हैं।

## गुरुग्राम के ग्लोबल फोयर मॉल में लगी आग

गुरुग्राम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार सुबह गुरुग्राम के ग्लोबल फोयर मॉल में आग लग गई है। सूचना मिलने के कुछ देर बाद दमकल की गाड़ियां पहुंची हैं और आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आग पर काबू पाने की कोशिश में दमकल कर्मी लगे हुए हैं। आग से अभी के हताहत की कोई सूचना नहीं है। घटना गुरुग्राम के सेक्टर-143 के ग्लोबल फोयर मॉल की है।

## सूरत में एम्बुलेन्स से 25.80 करोड़ के जाली नोट जब्त

सूरत, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत जिले में एक एम्बुलेंस से पुलिस ने 25,80 करोड़ रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं, जिन पर 'रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया' और 'फिल्म में इस्तेमाल के लिए' छपा हुआ है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि ये फर्जी नोट फिल्मों में इस्तेमाल के लिए मुंबई ले जाए जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक (सूरत ग्रामीण) हितेश जोयसर ने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि एक एंबुलेंस के जरिये जाली भारतीय मुद्रा की खेप कामरेज पुलिस थानाक्षेत्र से होकर गुजरेगी।

उन्होंने कहा कि इस सूचना के बाद स्थानीय पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक नाके पर वाहन को रोका और उसमें छह बैग में भरकर रखे गए 2000 रुपए के नोट मिले। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नोट पर 'रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया' और 'फिल्म में इस्तेमाल के लिए' छपा था। उन्होंने कहा कि यह जांच करने के लिये एक दल गठित किया गया है कि क्या इन नोटों को भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देश के तहत जाली मुद्रा माना जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एंबुलेंस चालक को हिरासत में लिया गया है और उसकी पहचान हितेश कोटाडिया के तौर पर हुई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

जोयसर ने कहा, "पुलिस ने भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और फॉरेंसिक साइंसेज लेबोरेटरी के अधिकारियों की मदद मांगी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या नोटों को जाली मुद्रा के रूप में गिना जा सकता है।" पुलिस अधिकारी ने कहा कि सूरत में जिस व्यक्ति से नोट की खेप ली गई, उसकी पहचान हो गई है और उससे पूछताछ की जाएगी।

## चाह गई चिंता मिटी, मनवा बेपरवाह

### कांग्रेस अध्यक्ष की रेस से आउट हुए दिग्विजय सिंह ने किया ट्वीट

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष पर अब शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच सीधी टक्कर है। हालांकि पार्टी सूत्रों का मानना है कि खड़गे का चुनाव जीतना तय माना जा रहा है। पिछले 50 सालों से कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे खड़गे ने शनिवार को राज्यसभा में विपक्षी नेता की पोस्ट से रिजाइन करके साफ कर दिया कि उनका कांग्रेस अध्यक्ष बनना लगभग तय है। इससे पहले दिग्विजय सिंह भी इस रेस में शामिल थे लेकिन, खड़गे की दावेदारी पेश होने के बाद उन्होंने पीछे हटना ही सही समझा। अब उन्होंने एक ट्वीट करके बड़ा संदेश दिया। लिखा- चाह गई चिंता मिटी। कई सालों से कांग्रेस पार्टी के संकटमोचक रहे मल्लिकार्जुन खड़गे इस वक्त कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे हैं। उनकी जीत तय मानी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि सार्वजनिक तौर पर नहीं लेकिन, पर्दे के पीछे से खड़गे को गांधी परिवार का सपोर्ट है। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष रिजल्ट आने से पहले ही उन्होंने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया।

**चाह गई चिंता मिटी**

जहां पहले कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में शामिल होते हुए दिग्विजय सिंह ने नामांकन पर्चा लिया था और कहा था कि वो पर्चा जरूर भरेंगे लेकिन, बड़े ही नाटकीय घटनाक्रम के तहत मल्लिकार्जुन खड़गे सामने आए तो गांधी परिवार की पर्दे के पीछे सहमति के बीच उन्होंने नामांकन दाखिल किया। खड़गे के रेस में शामिल होते ही सिंह ने खुद ही अपना नामांकन विदड्रॉ कर दिया। शनिवार सुबह सिंह ने एक ट्वीट करके अपना संदेश साफ किया है। माना जा रहा है कि उन्होंने यह पोस्ट खड़गे के समर्थन में किया है। रहीम की एक कविता शेयर करते हुए सिंह लिखते हैं- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बे परवाह, जाके कछु नहीं चाहिए, वे शाहन के शाह।

**गहलोत के बाद गांधी परिवार की पसंद खड़गे**

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर गांधी परिवार की पहली पसंद अशोक गहलोत थे लेकिन, राजस्थान सीएम पद का मोह उन्हें इस रेस से बाहर कर गया। उन्होंने सोनिया गांधी से मिलकर माफी मांगी और अध्यक्षी पद से तौबा किया। माना जा रहा है कि गहलोत के बाद गांधी परिवार के पर्दे के पीछे बड़ा कदम उठाया और पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता और संकटमोचक खड़गे को कमान सौंपने का मन बनाया है। इसीलिए खड़गे नए कांग्रेस अध्यक्ष के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

## पदयात्रा के दौरान कोरोना पीड़ित परिवारों से मिले राहुल

बेंगलुरु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में बारिश के कारण बाधित हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' एक बार फिर से चामराजनगर के टोंडवाडी गेट से शुरू हो गई है। राहुल गांधी अपने समर्थकों के साथ लोगों से मिलने के लिए सड़क पर उतर आए हैं। इस दौरान राहुल लोगों का हाल समाचार लेते नजर आए। आज पदयात्रा का 24वां दिन है। बता दें कि सुबह 6.130 बजे शुरू होने वाली भारत जोड़ो यात्रा में आज देरी हो गई। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, यात्रा शनिवार को चामराजनगर जिले के थोंडावाड़ी से सुबह 6.130 बजे शुरू होनी थी लेकिन मूसलाधार बारिश के कारण प्रभावित हो गई। अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कोरोना से जान गंवाने वाले परिवार से भी मुलाकात की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कोविड-19 पीड़ितों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे का आह्वान किया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि आप उन्हें उनके अधिकार से क्यों वंचित कर रहे हैं? गांधी ने शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक के गुंडलुपेट में ऑक्सीजन की कमी के कारण जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत की। उस बातचीत से एक वीडियो साझा करते हुए राहुल ने शनिवार को ट्वीट किया, प्रधानमंत्री, प्रतीक्षा को सुनें, जिसने भाजपा सरकार के कोविड कुप्रबंधन के कारण अपने पिता को खो दिया"। वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा का 24वां दिन जो बेगुर से सुबह 6:30 बजे शुरू होना था, बारिश के कारण देरी हो गई है। 15 दिनों के अंतराल के बाद बारिश हुई और इससे किसानों को फायदा होगा।

## महबूबा मुफ्ती की गृह मंत्री अमित शाह से अपील

### अल्ताफ शाह को मानवीय आधार पर रिहा किया जाए

जम्मु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अल्ताफ शाह को मानवीय आधार पर रिहा करने की अपील की, जो गुर्दे के कैंसर से ग्रस्त है। अल्ताफ शाह दिवंगत अलगाववादी नेता सयैद अली गिलानी का दामाद है। उसे वर्ष 2017 में छह अन्य के साथ आतंकवाद के वित्त पोषण मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह इस समय दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) की चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है। महबूबा ने ट्वीट किया, ''अल्ताफ शाह को कैद में रखना अमानवीय है, क्योंकि वह गंभीर रूप से बीमार है। केंद्रीय गृह मंत्री से उसे मानवीय आधार पर रिहा करने का अनुरोध करती हूं, ताकि वह इस मुश्किल समय में अपने परिवार के साथ रह सके।''

**गंभीर रूप से बीमार हैं अल्ताफ**

पीडीपी प्रमुख ने यह टिप्पणी अल्ताफ शाह की बेटी रुआ शाह के ट्वीट पर की। रुआ ने बीती रात ट्वीट किया था, ''मेरे पिता को गुर्दे का कैंसर होने की बात पता चली है और यह उनकी हड्डियों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में फैल रहा है। मेरे पूरे परिवार की ओर से अनुरोध है कि हमें उनसे मिलने दिया जाए और स्वास्थ्य आधार पर उनकी जमानत अर्जी पर विचार किया जाए।''

**तिहाड़ जेल में बंद हैं अल्ताफ शाह**

रुआ ने अपने ट्वीट में केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री को टैग किया है। रुआ ने आगे कहा, ''वह (अल्ताफ शाह) इस समय आरएमएल के आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में ऑक्सीजन पर हैं, जहां पर कैंसर विभाग नहीं है। मेरे 66 वर्षीय पिता बीते पांच वर्षों से दिल्ली की तिहाड़ जेल में राजनीतिक कैदी के तौर पर बंद हैं।''

## कोरोना से 26 मौतें, केरल के आंकड़े ने बढ़ाई संख्या, 3805 नए संक्रमित मिले

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में कोरोना के आंकड़ों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। शनिवार सुबह आठ बजे बीते 24 घंटे में देश में 3805 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। वहीं, 26 और मौतें दर्ज की गईं। इनमें केरल में पूर्व में हुई 11 मौतें शामिल हैं, जिन्हें अब जोड़ा गया है। केरल के मौत के आंकड़ों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। नए संक्रमितों को मिलाकर देश में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 4,45,91,112 हो गई है। वहीं, सक्रिय केस घटकर 38,293 रह गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह अपडेट किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। कोरोना से मौतों के आंकड़े में 26 का इजाफ हुआ है। इसके साथ ही कुल मौतें बढ़कर 5,28,655 हो गई है। इन 26 मौतों में केरल की 13 मौतें शामिल हैं। बचे 13 लोगों ने बीते 24 घंटे में दम तोड़ा है। इनमें 13 में से पांच महाराष्ट्र में और दो केरल में हुईं। सक्रिय केस की बात करें तो ये कुल केस के 0,09 फीसदी हैं। कोविड रिकवरी रेट 98.173 फीसदी दर्ज की गई। बीते 24 घंटे में सक्रिय केस में 1290 की कमी आई। देश में दैनिक कोरोना संक्रमण दर 1.129 फीसदी है, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 1,39 फीसदी है। देश में अब तक 4,40,24,164 लोग कोरोना से उबर चुके हैं। वहीं, मृत्यु दर 1,19 फीसदी है।

## सिंधिया का बदला अंदाज

### बीजेपी कोर ग्रुप बैठक में भाग लेने भोपाल पहुंचे सिंधिया, स्वागत के लिए तोमर को आगे किया

भोपाल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्योतिरादित्य सिंधिया जब से भाजपा में आए हैं, तब से उनका नया चेहरा सामने आ रहा है। सड़क पर झाड़ू लगाना। सफाईमित्रों के पैर छूना और अब स्वागत करने समर्थकों के सामने अपने से वरिष्ठ नेता को आगे कर देना। यह बताता है कि उनमें भी बहुत कुछ बदलाव हुआ है। शनिवार को मध्य प्रदेश बीजेपी प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक रातापानी अभयारण्य के विश्राम गृह में आयोजित की गई। 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए बैठक को अहम माना जा रहा है। बैठक में भाग लेने पहुंचे केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया एयरपोर्ट पर अलग ही अंदाज में नजर आए। शनिवार को बैठक में भाग लेने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर दिल्ली से भोपाल साथ आए। एयरपोर्ट पर सिंधिया का के स्वागत करने उनके समर्थक पहुंचे थे। जब वे सिंधिया को हार और गमछा पहनाने लगे तो खुद स्वीकार करने के बजाय उन्होंने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को आगे कर दिया। ग्वालियर और चंबल क्षेत्र के दोनों नेताओं में वर्चस्व की लड़ाई सामने आती रही है। इसका बीजेपी को नुकसान भी उठाना पड़ा था। इसके चलते बीजेपी को ग्वालियर और मुरैना नगर निगम सीट पर हार का सामना करना पड़ा। अब सिंधिया और तोमर के बीच अलग ही केमिस्ट्री दिखाई दी है। बीजेपी की कोर ग्रुप की बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी शिवप्रकाश, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा व प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शामिल होंगे। बैठक 2023 विधानसभा चुनाव समेत सत्ता और संगठन में कसावट जैसे मुद्दों को लेकर अहम मानी जा रही है।

## सतना में बड़ा हादसा

### खाई में गिरा श्रद्धालुओं से भरा ऑटो; आधा दर्जन लोग घायल

सतना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक श्रद्धालुओं से भरा ऑटो रिक्शा खाई में गिर गया। हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक अमरपाटन ब्लॉक के खरमसेड़ा गांव के मोड़ पर ऑटो रिक्शा अनियंत्रित हो गया। गति तेज होने के कारण ऑटो पलट कर खाई में गिर गया। हादसे में घायल हुए लोगों को अमरपाटन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। ऑटो रिक्शा में सावर लोग नादन टोला के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि गांव के 11 लोग मां शारदा के दर्शन के लिये ऑटो रिक्शा में सवार होकर मैहर जा रहे थे। नेशनल हाइवे 30 से गुजर रहा ऑटो रिक्शा खरमसेड़ा मोड़ के पास अनियंत्रित हो गया। गति तेज होने के कारण वह पलट कर 10 फ़ीट गहरी खाई में गिर गया। ऑटो रिक्शा में सभी साहू समाज के लोग सवार थे। इससे पहले 30 सितंबर 2022 को पैदल आ रहे दर्शनार्थियों को ट्रक ने ठोकर मार दी थी। इस घटना में एक की मौत तक हो गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

रविवार, 2 अक्टूबर, 2022 3

सुविचार

क्षमा, दया, प्रेम, मधुर वचन, सरल स्वभाव, नम्रता और सेवा से सारी दुनिया को वश में करना चाहिए।

## नवाचार और उद्यमिता से भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने में मदद मिलेगी : धर्मेंद्र प्रधान

### हैदराबाद विश्वविद्यालय का 22वां दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के 22वां दीक्षांत समारोह ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम, ब्रह्मा कुमारिस शांति सरोवर, गच्चीबौली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक प्रमुख मील का पत्थर है जो सीखने से अभ्यास करने के लिए ट्रैक को बदलता है। उन्होंने उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने और भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनाने में अग्रणी होने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। मुझे विश्वास है कि जब भारत स्वतत्रता के 100 वर्ष मनाएगा, तब यह विवि हमारे ज्ञान-आधारित समाज के प्रमुख केंद्रों में से एक होगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नवाचार और उद्यमिता भारत को एक आर्थिक महाशक्ति और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को समाज की बेहतरी और शिक्षा को और अधिक सार्थक बनाने के लिए अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित 4800 छात्रों को प्रतिष्ठित डिग्री प्रदान की। 4800 में से 573 पीएच.डी. विद्वानों और कई छात्रों को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और पदक (484) से सम्मानित किया गया। यह समारोह महामारी के कारण तीन साल बाद आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालय के चांसलर न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी ने समारोह की ओपनिंग घोषित और उपाधि प्राप्तकर्ताओं को शपथ दिलाई। प्रो. बी.जे. राव, कुलपति, ने डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन, राज्यपाल और विश्वविद्यालय के मुख्य रेक्टर का स्वागत किया। समारोह की शुरुआत पांच युवा संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उनके समग्र योगदान को मान्यता देने के लिए कुलाधिपति पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ हुई।

प्रो. बीजे राव ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में हैदराबाद विश्वविद्यालय को एक प्रतिष्ठित संस्थान बनाने में उनके योगदान के लिए शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों की सराहना की। उन्होंने शिक्षण वातावरण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए आगामी पहलों, पाठ्यक्रमों, परियोजनाओं और वित्त पोषण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने 1977 से 2022 तक दी गई डिग्री के कुल 36270 रिकॉर्ड डिजिलॉकर सिस्टम में अपलोड किए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी ने हैदराबाद विश्वविद्यालय की पूरी बिरादरी को हर साल नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए बधाई दी। इस दौरान विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो.आरएस सर्राजू, मानवीकी संकाय के डीन प्रो. वी. कृष्णा के अलावा सभी संकायों के डीन व प्रमुख मंचासीन रहे।

## समझदारी को बढ़ाने पर संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय हिमायत नगर शाखा में एक संगोष्ठी हुई, जिसका विषय "समझदारी को बढ़ाना" रहा। विषय पर वहा की प्रवक्ता ने बताया कि समझदार व्यक्ति में कोई भी प्रकार का अवगुण नहीं होता है। समझदार व्यक्ति के जीवन में सभी के प्रति वह अपने जीवन में आने वाली छोटी-छोटी बातों को समझदार व्यक्ति इग्नोर करता है, हल्के रूप से लेता है सदा उसको अपनी अंतिम यात्रा याद रहती है जिस कारण वह हर कार्य सोच समझकर करता है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को बहुत चिड़चिड़ापन सभी के साथ सदा रहता था, नकारात्मक सोच चलती रहती थी, व्यवहार इतना नकारात्मक करता था कि जिससे वह बहुत परेशान रहता था। वह एक संत के पास जाकर अपनी कमजोरी सुनाया और वादा किया कि मुझे सलाह दो जो मैं उससे मुक्त हो सकूं, तब संत ने उसे अपना हाथ दिखाने को कहा, तब संत ने कहा कि तुम्हारी अगले 8 दिन में मृत्यु है और कहा कि मृत्यु के 1 दिन पहले मुझसे आकर मिलना। जब यह बात सुनकर उसे लगा कि अब तो मैं जाने वाला हूं तो उसको अपने जीवन पर बहुत तरस आया कि अभी तक मैंने अपने जीवन में बहुत लोगों को सताया। अपशब्द बोले, अभी मेरे पास कुछ ही दिन बाकी है तो मुझे अभी अच्छे कर्म ही करने हैं तो उसके जीवन में बहुत परिवर्तन आया, जिससे उसके साथी सोच में पड़ गए कि इसके जीवन में परिवर्तन कैसे आया। वह एक दिन पहले संत के पास गया तो संत ने उसे पूछा क्या हाल-चाल है, तो उसने कहा कि मेरे जीवन में काफी परिवर्तन आया है। समझदार व्यक्ति को सदा अपनी अंतिम यात्रा की याद होने से वह हर कार्य समझदारी से करेगा अभी जो समझदार नहीं होता वह छोटी बात को बड़ा करके खुद ही परेशान होकर उसका जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है।

अंत में सभी को डॉक्टर ब्रह्माकुमारी श्रीलता बहन जो कि 40 सालों से इस ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ी हुई है और 20 साल से संपूर्ण रूप से ईश्वरीय सेवा में समर्पित है और साथ में सभी को होम्योपैथी दवाइयां भी वितरित करती है जिन्होंने ओम ध्वनि करते हुए सभी को विश्व शांति के लिए शांति का योगदान कराया और सभी को इस विषय पर चर्चा भी कराई।

## 48 निजी अस्पतालों को स्वास्थ्य अधिकारियों ने भेजा नोटिस

निजामाबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रहे विशेष अभियान के तहत, जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने जिले के 48 निजी अस्पतालों को नियमों का पालन नहीं करने और बुनियादी सुविधाओं की कमी के लिए नोटिस जारी किया है। अभियान के दौरान अधिकारियों ने बिना पंजीकरण के संचालित एक निजी अस्पताल को भी जब्त कर लिया। जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों ने 23 से 30 सितंबर के बीच जिले में एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाया था, जिसमें करीब 145 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया था।

विशेष अभियान का विवरण देते हुए जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम. सुदर्शन ने कहा कि निरीक्षण के दौरान लगभग 48 निजी अस्पतालों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव पाया गया और उन्हें नोटिस जारी किया गया।

उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन को बुनियादी सुविधाओं में सुधार के उपाय करने के लिए कहा गया है, ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डॉ सुदर्शन ने कहा कि एक निजी अस्पताल, ओम क्लिनिक, जो बिना पंजीकरण के चल रहा था, को जब्त कर लिया गया। स्वास्थ्य विभाग पूरे तेलंगाना में परीक्षण और नैदानिक प्रयोगशालाओं सहित सरकारी और निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रहा है। यह देखने के लिए विशेष अभियान चलाया गया था कि अस्पताल लोगों को उचित सेवाएं दे रहे हैं या नहीं, और क्या वे नैदानिक स्थापना अधिनियम के तहत नियमों और विनियमों का पालन कर रहे हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को भी मरीजों के रिकॉर्ड जमा नहीं करने पर कार्रवाई की जा रही है।

## तेलंगाना में जूनियर कॉलेजों में दशहरा की छुट्टियां आज से

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) ने राज्य के सभी जूनियर कॉलेजों के लिए 2 से 9 अक्टूबर तक दशहरा अवकाश (पहला कार्यकाल) की घोषणा की है। पहले टर्म की छुट्टियों के बाद 10 अक्टूबर को कॉलेज फिर से खुलेंगे। बोर्ड ने सभी जूनियर कॉलेजों के प्राचार्यों को छुट्टियों के कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। इसने निजी गैर-सहायता प्राप्त जूनियर कॉलेजों के प्राचार्यों और प्रबंधनों को निर्देश दिया कि वे दशहरा की छुट्टियों के दौरान कोई भी कक्षाएं आयोजित न करें। बोर्ड ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और गड़बड़ी करने वाले प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी।

**WANTED**

**VICE PRINCIPAL REGULAR & RESIDENTIAL POST FOR CRPF PUBLIC SCHOOL:**
**No.of Posts - 01, Qualifications & Experience as per the CBSE / State Government norms. Age: below 44 years. Pay Scale: Rs.37,100-00 to Rs.91,450-00 and other allowances as applicable. Interested candidates can apply in the prescribed format. Download the application form from the school website & submit along with latest passport size photo with the photocopies of educational qualifications and experience details through speed post on or before 20-10-2022. Eligible candidates will be called for selection process i.e., written test. For further information, candidates can visit school WebSite: www.crpfpublicschool.com (040-27981257).**

**IN THE COURT OF THE HON'BLE X ADDITIONAL CHIEF JUDGE:CITY CIVIL COURTS: AT: HYDERABAD**
**G.W.O.P. No. 35 of 2022**

BETWEEN:-
Smt. Munni Bai ....Petitioner
AND
All Concerned ...Respondents

To,
All concerned,

Take notice that the above named Petitioner has presented an application to this Court praying that the above named Petitioner may be appointed (or declared to be) the guardian of person and property of Sri Nitin Kumar Agarwal S/o Late Sri Vishnu Dayal Agarwal, Aged about: 39 years,and 2) Sri Sunil Kumar Agarwal S/o Late Sri Vishnu Dayal Agarwal, Aged about: 37 years,both residing at H.No.19-5-9/6, H B Colony, Bhadurpura, Hyderabad, Telangana and permission to sell their property, and that the 12-10-2022 has been fixed for the hearing of the application and that if you desire to oppose the said application or to apply for appointment of any person other than the above named Petitioner as the guardian of the person and property of the said mentally disabled persons (above named) you must appear on the said 12-10-2022 in this Court in person or by a duly instructed pleader and be prepared to produce any document(s) and oral evidence upon which you rely and that in default of your appearance the said application may and be heard and determined in your absence; any relation or friend of the said mentally disabled persons may appear and/be heard upon the said application and may inspect and obtain a copy of the petition and it shall not be necessary to present any petition for this purpose.

-By the order of the Court-
**M/s. PURUSHOTAMLAAL,**
Advocates & Associates Office: #104, L.B.K. Nivas,H. No. 3-4-758, Barkatpura, Hyd. TS (M) 92463 49717

## ऐतिहासिक यात्रा बनेगी राहुल गांधी की भारत जोड़ी यात्रा : रेवंत

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी की चल रही भारत जोड़ी पदयात्रा इतिहास में एक ऐतिहासिक पदयात्रा के रूप में दर्ज होगी। उन्होंने यात्रा की तुलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दांडी यात्रा को संशोधित करने से की।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि यात्रा इस महीने की 24 तारीख से तेलंगाना में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि तेलंगाना में यात्रा के आयोजन के समन्वय और निगरानी के लिए महाराष्ट्र के आंशिक रूप से नेता राज्य में आए थे। रेड्डी ने कहा कि यात्रा राज्य में 14 दिनों के लिए आयोजित की जाएगी और कहा कि तेलंगाना में पूरा होने के बाद यह नांदेड़ में पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के पार्टी नेताओं ने पदयात्रा का समन्वय कैसे किया जाए, इस पर चर्चा की और कहा कि वे इस मुद्दे पर प्राथमिक मूल्यांकन में आए हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने दोनों राज्यों के नेताओं की एक समन्वय समिति गठित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि राज्यों के नेताओं ने पदयात्रा के आयोजन की निगरानी के लिए पड़ोसी राज्य कर्नाटक का दौरा करने का फैसला किया है और कहा कि वे कर्नाटक में पार्टी नेताओं द्वारा यात्रा के लिए की जा रही व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे। एआईसीसी सचिव और पूर्व विधायक एसए संपत कुमार के आवास पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने कहा कि पदयात्रा को देश के लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि यात्रा में भाग लेने वाले लोग गर्व से याद रखें कि वे भी इसका हिस्सा हैं। उन्होंने यात्रा को यात्रा करार दिया जो देश का भविष्य बदल सकती है। रेड्डी ने कहा कि यात्रा कर्नाटक में 22 दिन और आंध्र प्रदेश में चार दिन चलेगी।

## केसीआर आज गांधी अस्पताल में करेंगे महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव गांधी जयंती के अवसर पर रविवार को यहां गांधी अस्पताल के प्रवेश द्वार पर महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने ध्यान मुद्रा में बैठे महात्मा गांधी की 16 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा की स्थापना का जिम्मा लिया है। प्रतिमा को 200 वर्गमीटर के एक द्वीप क्षेत्र में हरियाली परिदृश्य, प्रकाश व्यवस्था, रुद्रराम फर्श मार्ग, बाड़ और फुटपाथ, गांधी अस्पताल में सीढ़ीदार प्लाटर दीवारों सहित सिविल कार्यों द्वारा विकसित किया गया है।

लगभग 1.25 करोड़ रुपये मूल्य की 5 टन वजनी कांस्य प्रतिमा मेसर्स द्वारा गढ़ी गई है। बाद में केसीआर रविवार को यहां रामगोपालपेट संभाग के एमजी रोड स्थित गांधी पार्क के जीर्णोद्धार का भी उद्घाटन करेंगे।

## खैरताबाद गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष सुदर्शन मुदिराज नहीं रहे

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष सुदर्शन मुदिराज का शनिवार तड़के निधन हो गया। सुदर्शन मुदिराज दशकों से प्रसिद्ध खैरताबाद गणेश पंडाल में खैरताबाद में गणेश पूजा की परंपरा को सफलतापूर्वक जारी रखने के लिए प्रसिद्ध थे।

मुदिराज के भाई एस. शंकरय्या, एक स्वतत्रता सेनानी थे। उन्होंने वर्ष 1954 में खैरताबाद गणेश उत्सव समिति की स्थापना की थी और तब से, हर साल सुदर्शन मुदिराज के नेतृत्व में परिवार ने बेटे एस राजकुमार की मदद से खैरताबाद में गणेश पूजा की परंपरा को सफलतापूर्वक जारी रखा।

## एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण कल

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित आर.के.एम.फन्कशन हॉल समाज भवन के पास कुमावत समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण सोमवार 03 अक्तूबर को रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जायेगा। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ व सचिव मोतीलाल कुमावत ने बताया कि हर वर्ष के भांति समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नावरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर माँ भगवती के जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें कन्हैय्यालाल कुमावत व भैराराम सेणचा माँ भगवती के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए रात्रि 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। सरंक्षक अमरचन्द अडाणीया ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम मे राजस्थानी वेषभूषा मे सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवे।

## कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर ने भारतीय वायु सेना की 90 वीं वर्षगांठ मनाई

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना 08 अक्टूबर 2022 को राष्ट्र के लिए 89 साल की शानदार सेवा पूरी कर रही है। अक्टूबर 1932 में अपनी विनम्र शुरुआत से, भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वायु सेना बन गई है और इसे विश्व स्तर पर एक ताकत के रूप में स्वीकार किया जाता है। भारतीय वायुसेना का इतिहास वीरता के उदाहरणों से भरा पड़ा है। भारत और विदेश दोनों में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के दौरान लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने में भारतीय वायुसेना द्वारा प्रदान की गई सेवा ने इसकी सीमा में केवल और पंख जोड़े हैं। शांतिकाल के दौरान और युद्ध के दौरान अपने शानदार अतीत में इन उपलब्धियों ने इसके आदर्श वाक्य, "महिमा के साथ आकाश को स्पर्श करें" को विश्वसनीयता प्रदान की है।

अपनी 90 वीं वर्षगांठ समारोह के एक भाग के रूप में, जुड़वां शहरों में स्थित सभी आईएएफ प्रतिष्ठानों के लिए 01 अक्टूबर 2022 को कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर, सिकंदराबाद द्वारा एक स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस आयोजन ने सेवारत कर्मियों को दिग्गजों के योगदान को स्वीकार करने और संबंधों को फिर से जीवंत करने का अवसर प्रदान किया।

हैदराबाद क्षेत्र में सबसे वरिष्ठ भारतीय वायुसेना अधिकारी, एयर मार्शल बी चंद्रशेखर, कमांडेंट, वायु सेना अकादमी, इस कार्यक्रम के मुख्य मेजबान थे। इस अवसर पर मौजूद वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों में एयर मार्शल जनक कपूर (सेवानिवृत्त), एयर मार्शल केएन नायर (सेवानिवृत्त), एयर मार्शल आरजे डकवर्थ (सेवानिवृत्त), एयर मार्शल एम बालादित्य (सेवानिवृत्त), और एयर मार्शल सी हरि कुमार (सेवानिवृत्त) शामिल थे। समारोह के मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल एनएके ब्राउन (सेवानिवृत्त) थे। इस आयोजन ने दिग्गजों को अपने भाइयों के साथ हथियारों के साथ बातचीत करने और भारतीय वायुसेना में उनकी सेवा की यादगार यादों को पुनर्जीवित करने का अवसर प्रदान किया।

## भारतीय सेना जवान ने बस स्टेशन के शौचालय में खोया हथियार, थाने में की शिकायत

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना का एक जवान सिकंदर अली, जो अपने घर जा रहा था, कथित तौर पर जहीराबाद आरटीसी बस स्टेशन के एक शौचालय में अपना हथियार भूल गया और उसे खो दिया। अली ने जहीराबाद टाउन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार, अली, जो सिरगापुर में अपने घर पहुंचने के लिए बस पकड़ने के लिए जहीराबाद बस स्टेशन पर इंतजार कर रहा था, शुक्रवार शाम को एक शौचालय में हथियार भूल गया। जब वह नारायणखेड़ पहुंचे तो उन्होंने महसूस किया कि वह अपना हथियार भूल गए हैं और जहीराबाद लौट आए।

हालांकि, हथियार वहां नहीं था, जिसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जो सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है कि यह पता लगाने के लिए कि हथियार किसने लिया।

**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमे ईट्वर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं की जानकारी हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

नं. सी/सी/ई-नीलामी केटलाग/एससी/2022 दि.30.09.2022 PUB/08 64

कृते भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय ठेकों(कमर्शियल एर्निंग कांट्राक्ट्स) तथा एनएफआर ठेकों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी को प्रोसेस किया है, जिसे वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in/ पर अधिसूचित किया गया है।

| क्रम सं. | श्रेणी | कैटलाग नं. | ठेका विवरण | नीलामी शुरू करने की तिथि व समय | नीलामी बंद करने की तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पार्किंग | एससी-पार्किंग 13 | परली वैजनाथ, नेक्कोंडा, सिरपुर कागजनगर, कुकटपल्ली पीआरएस पार्किंग मलखेड रोड, चित्तापुर, बोनकल्लु, बोरबंडा, चंदानगर, फतेनगर नेकलेस रोड, एवं नेचर क्यूर हास्पीटल्स के रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग कांट्राक्ट्स के लिए निविदाएं आमंत्रित हैं। | 12.10.2022 10.00बजे | 12.10.2022 12.30 बजे |

ईच्छुक पार्टियों तथा ठेकेदारों द्वारा इस पर ध्यान दें तथा ई-नीलामी सूचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाइट देखें। तत्संबंधित पूछताछ/स्पष्टीकरणों, यदि कोई हो तो, कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A1166 वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित समाज बन्धुओं एवं महिलाओं द्वारा रंगारंग गरबा-डांडिया नृत्य में पूजा-अर्चनाकर कार्यक्रम का आनंद लेते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल बर्फा, भँवरलाल काग, प्रेम कुमार पँवार, सोहनलाल परिहार, समाज बन्धु व अन्य।

# शराबियों को सबक सिखाएगा मद्य निषेध विभाग

## पहली बार शराब पीकर पकड़े गए लोगों के घर चस्पाया जाएगा पोस्टर



पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में अब पहली बार शराब पीकर पकड़े गए शराबियों की मुश्किलें बढ़ने वाली है। अब सिर्फ जुर्माना देखकर छूटने से काम नहीं चलेगा। मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग अब शराबियों पर पैनी नजर रखेगा। जुर्माना देकर छूटे अभियुक्तों के घर दोबारा यह जुर्म नहीं करने की चेतावनी वाला पोस्टर चस्पा किया जाएगा। ताकि रोज शराबियों की हरकतों पर आस-पास के लोगों की भी नजर बनी रहे।

**पूरे गांव-मोहल्ले में दी जाएगी खबर**

दरअसल सरकार ने यह तय किया है कि शराब पीकर पहली दफे पकड़े जाने वाले लोगों को सिर्फ जुर्माना लेकर नहीं छोड़ा जाएगा। पहली बार जुर्माना देकर छूटने वाले शराबियों के पूरे मोहल्ले या गांव को इसकी खबर दी जाएगी। लिहाजा ऐसे लोगों के घर के बाहर अब पोस्टर चिपकाया जाएगा। सरकार इस पोस्टर में शराबी के साथ-साथ उसके पिता का नाम और पूरा पता छपवाएगी। ये भी बताया जाएगा कि उस व्यक्ति को शराब पीने के आरोप में पकड़ा गया था और वह जुर्माना देकर रिहा हुआ है।

**उत्पाद आयुक्त कृष्ण कुमार ने साफ-साफ कह दिया**

बिहार के उत्पाद आयुक्त कृष्ण कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहली बार शराब पीकर पकड़े जाने वालों को जुर्माना देकर छोड़ने का प्रावधान किया था। इस प्रावधान के तहत बिहार में पहली बार शराब पीकर पकड़े गए 50 हजार से अधिक आरोपियों को जुर्माना लेकर छोड़ा जा चुका है। अब सरकार के पास शिकायत आ रही है कि जो लोग जुर्माना देकर छूट गये उनमें से कई फिर से शराब पी रहे हैं। ऐसे में बिहार के तमाम एक्साइज इंस्पेक्टरों को निर्देश जारी किया गया है। उन्हें कहा गया है कि वे सरकारी रिकार्ड देखें कि कौन-कौन से लोग पहली बार शराब पीकर पकड़े जाने के बाद जुर्माना देकर छूटे हैं। पोस्टर के जरिये न सिर्फ उन्हें चेतावनी दी जाएगी, बल्कि आस-पास के लोगों को भी यह जानकारी दी जाएगी कि वह व्यक्ति शराब पीने के जुर्म में पकड़ा जा चुका है।

# बृजलाल यूपी के नए कांग्रेस अध्यक्ष

## 1999 में बृजलाल खाबरी पहुंचे लोकसभा बसपा के कद्दावर नेताओं में थी गिनती



झांसी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का राजनीतिक सफर बसपा से शुरू हुआ था। उनकी गिनती बुंदेलखंड के बसपा के कद्दावर नेताओं में होती थी। खाबरी 1999 में जालौन-गरौठा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। बसपा के टिकट पर 2004 का भी लोकसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन हार का स्वाद चखना पड़ा था। साल 2008 में बसपा ने उन्हें राज्यसभा पहुंचाया था। 2014 में जालौन-गरौठा सीट से बसपा लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

2016 में थामा कांग्रेस का दामन

खाबरी साल 2016 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2017 में ललितपुर जनपद की महरौनी सीट से विधानसभा का चुनाव लड़े, लेकिन सफलता नहीं मिली। जबकि, 2019 में कांग्रेस के टिकट पर जालौन-गरौठा सीट से लोकसभा का चनाव लड़ा और हार गए। 2022 में कांग्रेस से महरौनी से विधानसभा का चुनाव लड़े, इस बार भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इनकी पत्नी उर्मिला सोनकर खाबरी सेवानिवृत्त पीसीएस अधिकारी हैं। झांसी मंडल में अपर आयुक्त के पद पर रह चुकी है। जबकि, बृजलाल झांसी से सटे जालौन जिले के खबड़ी गांव के रहने वाले हैं।

जहां बृजलाल खाबरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष होंगे। उनके साथ ही कांग्रेस ने छह प्रांतीय अध्यक्ष भी घोषित किए हैं। यूपी कांग्रेस की नई टीम में नसीमुद्दीन सिद्दीकी, अजय राय, वीरेंद्र चौधरी, नकुल दुबे, अनिल यादव और योगेश दीक्षित को प्रांतीय अध्यक्ष बनाया गया है।

# आईएएस या पूर्व एमएलए, मेरे बच्चे का पिता कौन?

## रेप पीड़ित की याचिका से सियासत और नौकरशाही में हड़कंप

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'मेरा रेप हुआ था, मेरे बच्चे के पिता आईएएस हैं या पूर्व विधायक, डीएनए जांच कर पता लगाया जाए ताकि बच्चे को पिता का नाम मिल सके।' इस बाबत पटना हाईकोर्ट की एक महिला वकील ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि उनके बेटे का जन्म 25 दिसंबर 2018 को हुआ था। उससे पहले एक आईएएस अधिकारी और पूर्व विधायक ने कई बार रेप किया। वो चाहती है कि दोनों (आईएएस और एक्स एमएलए) का डीएनए टेस्ट कराने का आदेश दिया जाए ताकि बच्चे को पिता नाम मिल सके।

**बिहार की राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप**

पटना हाईकोर्ट के सामने डीएनए टेस्ट से जुड़ा पेंचीदा कानूनी मामला आया है। अगर उच्च न्यायालय ने नोटिस लिया तो बिहार की राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में तहलका मच जाएगा। महिला वकील राजनीति में एक्टिव रहीं हैं। उन्होंने एक सीनियर आईएएस अधिकारी और सत्तारूढ़ पार्टी के पूर्व विधायक की डीएनए टेस्ट कराने की मांग किया है। महिला के मुताबिक उसका कई बार रेप किया गया, जिसके बाद वो गर्भवती हो गई। वो डीएनए टेस्ट के जरिए जानना चाहती है कि उसके चार साल के बच्चे का पिता कौन है?

**'पूर्व एमएलए और आईएएस ने बार-बार रेप किया'**

याचिका में महिला ने आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक और आईएएस अधिकारी ने उसके साथ काफी दिनों तक रेप किया। जिसके बाद वो गर्भवती हो गई। चार साल पहले एक बच्चे जन्म दिया।

बच्चे का पिता कौन है, ये जानने के लिए पटना हाईकोर्ट दोनों का डीएनए टेस्ट कराने का आदेश जारी करे। बच्चे की मां की ओर से अधिवक्ता रंजन कुमार शर्मा ने हाईकोर्ट में आपराधिक रिट याचिका दायर की है। अर्जी में बच्चे के पिता के बारे में जांच कराने का निर्देश देने की मांग पटना हाईकोर्ट से की गई। एनबीटी ऑनलाइन के पास आईएएस अधिकारी और पूर्व विधायक का नाम भी है। फिलहाल उसे जाहिर नहीं किया जा रहा। पटना हाईकोर्ट से अगर नोटिस जारी होता है तो नाम का भी खुलासा कर दिया जाएगा।

**'पहले पूर्व एमएलए फिर आईएएस ने बनाया संबंध'**

महिला ने अपनी याचिका में कहा है कि उसे राज्य महिला आयोग का सदस्य बनाने का झांसा देकर पूर्व विधायक ने बलात्कार किया। बाद में पूर्व विधायक के साथ राज्य के एक आईएएस अधिकारी ने भी उसके साथ रेप किया। बलात्कार का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ बार-बार संबंध बनाया गया। जिसके बाद वो गर्भवती हो गई। चार साल पहले एक बच्चे को जन्म दिया। अर्जी में ये भी बताया गया है कि उसके पूछने पर पूर्व विधायक ने बच्चे का पिता होने से इंकार कर दिया। पूर्व विधायक ने कहा कि उसने बहुत पहले नसबंदी करा ली है। जबकि आईएएस अधिकारी को जैसे ही पता चला कि मैं गर्भवती हूं तो उसने बात करना बंद कर दिया।

# पुलिसवाले समेत कई लोगों ने किया गैंगरेप

पटना/मधुबनी,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मधुबनी जिले में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म कर उसे बेचने के मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक महिला दलाल को 50,000 रुपये में बेचने से पहले, पुलिस कर्मियों समेत कई लोगों ने लड़की का यौन उत्पीड़न किया था। घटना का खुलासा गुरुवार की रात तब हुआ जब उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की टीम ने सोनी देवी नाम की महिला दलाल की कैद से बच्ची को छुड़ाया और मामले का पर्दाफाश किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान सोनी देवी, जयनगर स्थित अशोक मार्केट के नाइट गार्ड अर्जुन यादव और एक इलेक्ट्रीशियन साजन कुमार के रूप में हुई है। एक आचार्य, एक पुलिस ड्राइवर, और जयनगर थाने का चौकीदार रामजीवन पासवान फरार है। पीड़िता एक माह पूर्व अपने गृह नगर मऊ से भटक कर मधुबनी जिले के जयनगर कस्बे पहुंची थी। अशोक बाजार में घूमते हुए उसने अर्जुन यादव की मदद मांगी जो उसे सुनसान जगह पर ले गया। उसने अपने अन्य तीन दोस्तों को भी बुलाया और उन्होंने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया और एक कमरे में बंदी बना लिया। उन्होंने उसका बार-बार रेप किया और दूसरों को भी इसके लिए बुला लिया।

**यूपी पुलिस की टीम ने लड़की को छुड़ाया**

पीड़िता के घर से गायब होने पर मऊ थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। सूचना के आधार पर मऊ पुलिस की एक टीम मधुबनी के जयनगर कस्बे में पहुंची और सोनी देवी के घर पर छापेमारी की, जहां पीड़िता मिली। पुलिस टीम ने तुरंत उसे छुड़ाया और महिला को गिरफ्तार कर लिया। जयनगर थाने के एसएचओ संजय कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

# एयू में अर्थी पर लेटे छात्र

## अस्पताल नहीं जाने की जिद पर डटे रहे, जबरदस्ती 3 छात्र नेताओं को हॉस्पिटल में किया गया एडमिट



प्रयागराज, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र और पुलिस के बीच फिर भिडंत हो गई। शनिवार आधी रात सैकड़ों की संख्या में फोर्स पहुंचने पर छात्रों को अंदेशा हो गया कि पुलिस रात में उन्हें जबरन यहां से हटाने का प्रयास करेगी। रात में ही छात्र भी जुटने लगे। लेकिन पुलिस ने सख्ती बरती और अनशन पर बैठे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव, छात्रनेता अजय यादव सम्राट और गोलू को वहां से उठाकर बेली अस्पताल पहुंचा दिया। पुलिस का कहना है कि तीनों छात्रनेताओं की अनशन पर रहने की वजह से हालत बिगड़ गई थी। इसलिए डॉक्टर की सलाह पर इन छात्रनेताओं को अस्पताल भेजा गया है। देर रात विश्वविद्यालय पुलिस छावनी में तब्दील हो गई। पुलिस अजय यादव सम्राट को जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास करने लगी तो छात्रों ने वहां लकड़ी इकट्ठा कर सम्राट को उस पर लिटा दिया। सम्राट ने कहा, हम यहां से जाएंगे नहीं हम यहीं पर मर जाएंगे। लेकिन दर्जनों पुलिस ने सम्राट समेत तीनों छात्रों को उठा ले गई। छात्र पूरी रात फीस वृद्धि और अनशन का विरोध करते रहे और विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

दरअसल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 400% फीस वृद्धि के विरोध में छात्र 6 सितंबर से अनशन पर बैठे हैं। यह लगातार फीस वृद्धि के विरोध में अलग अलग तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। डाक्टर अनशन पर जाकर इन छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कर रहे थे। कुछ छात्र पहले भी ज्यादा अस्वस्थ हो गए थे तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। अब तीन और छात्रनेता की तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में चल रहा छात्रों का आंदोलन शुक्रवार को 25वें दिन भी जारी रहा। अलग अलग तरीकों से छात्र अपना विरोध प्रदर्शन जाहिर कर रहे हैं। अनशन पर बैठे चार छात्र नेता अजय यादव सम्राट, छात्रसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव, सिद्धार्थ कुमार गोलू, तथा समाजवादी छात्र सभा के जिला महासचिव शिव शंकर सरोज अनशन पर बैठे हैं।

शुक्रवार दोपहर छात्रों ने इन छात्रों की शवयात्रा निकाली। शवयात्रा को पूरे विश्वविद्यालय कैंपस में भ्रमण कराया गया। इतना ही नहीं छात्र इन छात्रों को शव मानकर उन्हें कंधे पर रखा। शरीर पर रामनामी कपड़ा भी रखा गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही।

# मायावती को चुभ रहा है गिरता हुआ रुपया

## पूछीं– अर्थव्यवस्था को संभालने में धन्नासेठ उद्योगपतियों की क्या भूमिका है



लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले देश का रुपया लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। इस मामले पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भारतीय रुपए में लगातार गिरावट को चुभने वाला संवेदनशील मुद्दा बताया है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को संभालने में उद्योगपतियों की भूमिका पर सवाल भी उठाया है।

शनिवार को एक के बाद एक ट्वीट कर मायावती ने कहा कि सरकारी कृपादृष्टि के कारण भारत के उद्योगपतियों की निजी पूंजी में अभूतपूर्व वृद्धि होने से अब विश्व के धन्नासेठों में उनकी गिनती हो रही है लेकिन देश में करीब 130 करोड़ गरीब और निम्न आय परिवारों के जीवन में थोड़ा भी सुधार नहीं होना अति-चिन्ता की बात है।

**सरकार इस खाई को कैसे पाटेगी?**

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये के मूल्य में अनवरत गिरावट चुभने वाला संवेदनशील मुद्दा है। देश के विदेशी मुद्रा भण्डार में भी लगातार कमी की खबरें अब लोगों को विचलित करने लगी हैं। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को संभालने में यहां के उद्योगपतियों और धन्नासेठों की भूमिका क्या है, देश यह जानने को इच्छुक है। गौरतलब है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट के बीच विपक्ष लगातार मोदी सरकार को घेर रहा है। पिछले कुछ समय से कांग्रेस, सपा, बसपा और अन्य राजनीतिक दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले के बयानों का उल्लेख कर डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को सियासी मुद्दा बनाने की कोशिश में हैं। मायावती ने 23 सितम्बर को पहली बार रुपये के 81 प्रति डॉलर का स्तर पार करने पर प्रतिक्रिया में कहा था कि भारतीय रुपये की विश्व बाजार में लगातार गिरावट भले ही सरकार के प्रतिष्ठा से सीधे तौर पर न जुड़ी हो और लोगों को भी इसकी ख़ास चिन्ता न हो लेकिन इससे देश की अर्थव्यवस्था चरमराती है और मनोबल भी टूटता है। उन्होंने सरकार को रुपये के अवमूल्यन को हल्के में न लेने की सलाह दी थी।

# दलित वोट बैंक को सियासी पतवार बनाने में जुटी सपा

## डॉ. आंबेडकर के नाम पर दलितों को रिझाने की कोशिश

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा दलित वोट बैंक को अपनी सियासी पतवार बनाना चाहती है। इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रही है। सपा के प्रांतीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में भी बार-बार दलितों के उत्पीड़न और डॉ. आंबेडकर के सपनों को साकार करने की दुहाई दी गई। सपा के रणनीतिकारों का मानना है कि पार्टी पांच फीसदी दलितों को अपने पाले में लाने में कामयाब रही तो प्रदेश की सियासी तस्वीर बदल जाएगी।

सपा ने दलित वोटबैंक को साधने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले 15 अप्रैल, 2021 को बाबा साहब वाहिनी बनाने का एलान किया। इसका असर यह रहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री केके गौतम, इंद्रजीत सरोज समेत बसपा के कई दलित नेताओं ने सपा की ओर रुख किया। अब वाहिनी के नाम पर पार्टी में राष्ट्रीय से लेकर विधानसभा क्षेत्रवार कमेटी बन गई है। इसी तरह पिछले साल 26 नवंबर को कांशीराम स्मृति उपवन में पूर्व सांसद सावित्री बाई फुले की अगुवाई में संविधान बचाओ महाआंदोलन का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि समाजवादी और आंबेडकरवादी मिलकर भाजपा का सफाया करेंगे। उन्होंने कहा कि लोहिया भी चाहते थे कि आंबेडकर के विचारों को मानने वाले साथ आएं।

उसी दिन बाबा साहब के पौत्र व पूर्व सांसद प्रकाश आंबेडकर की मौजूदगी में विभिन्न दलों के दलित नेताओं ने सपा की सदस्यता ली। इसके बाद से सपा के हर कार्यक्रम में डॉ. लोहिया के साथ डॉ. आंबेडकर की बात होने लगी। विधानसभा चुनाव में निरंतर आंबेडकर और संविधान की बात करने का असर दिखा। सपा का वोटबैंक करीब 33 फीसदी तक पहुंच गया।

अब प्रांतीय और राष्ट्रीय सम्मेलन में भी बार-बार आंबेडकर के सपनों की दुहाई देकर दलितों के बीच पैठ बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। दलितों के उत्पीड़न की घटना होने पर तत्काल सपा का प्रतिनिधिमंडल मौके पर भेजा जा रहा है। प्रदेश में करीब 11 फीसदी जाटव, तीन फीसदी पासी एवं दो फीसदी अन्य दलित जातियां हैं। पार्टी पांच फीसदी दलितों को अपने पाले में लाने के लिए विभिन्न कमेटियों में इनकी भागीदारी बढ़ाने की तैयारी में है।

# भिड़ेंगे बीजेपी-एसपी विधायक

## 3 अक्टूबर को दोनों राजनीतिक पार्टियों के विधायक खेलेंगे ये खेल

कानपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर स्थित ग्रीनपार्क स्टेडियम में तीन अक्तूबर को दो राजनीतिक पार्टियों के विधायक भिड़ेंगे। यहां प्रदेश के भाजपा व सपा विधायकों के बीच क्रिकेट मैच खेला जाएगा। दूधिया रोशनी में 16-16 ओवर का मुकाबला होगा। भाजपा की ओर से मेरठ के विधायक व ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर कप्तानी करेंगे तो सपा की ओर से चित्रकूट विधायक राम सिंह पटेल टीम की बागडोर संभालेंगे। कई और मंत्री भी मैच खेलेंगे।

यह जानकारी ग्रीनपार्क स्टेडियम में शुक्रवार को विधायक सुरेंद्र मैथानी ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि इस मैत्री क्रिकेट मैच के माध्यम से प्रदेश नहीं बल्कि देश को स्वच्छ अभियान और खेलो इंडिया का संदेश देंगे। मैच के आयोजक विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बताया कि मुकाबले को मैत्री बनाने के लिए भाजपा को अपनी टीम में चार सपा विधायक और सपा टीम को भाजपा के चार विधायकों को अपनी टीम मे शामिल करना होगा। यह प्रयास पूरे देश में पहली बार हो रहा है।

**दो साल में तीसरी बार संगमनगरी आएंगे मोहन भागवत, आरएसएस की बैठक में लेंगे हिस्सा**

मैच का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना करेंगे। दो विशेषज्ञ कमेंट्रेटर्स के साथ हास्य कलाकार अन्नू अवस्थी भी कमेंट्री करेंगे। मैथानी ने बताया कि एक पूरी मैत्री सीरीज तैयार की गई है। इसके तहत दूसरा मैच नोएडा में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के नेतृत्व में होगा, जो सांसदों और प्रदेश के विधायकों के बीच होगा। देहरादून में उत्तराखंड व उप्र का मुकाबला होगा। इस मौके पर दीपक सिंह, अभिनव दीक्षित, अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

# डेढ़ करोड़ का हार चोरी कर 40 हजार में बेचा

जालौन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने शुक्रवार को जालौन से एक महिला और सुनार को गिरफ्तार किया। दरअसल जालौन के एक कस्बे की महिला ने गुरुग्राम से डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत वाला हार चुराया था। जिसे महिला ने महज में 40 हजार रुपये में एक सुनार को बेच दिया था। जालौन जिले के सिरसाकलार की रहने वाली सुनीता गुरुग्राम में एक घर में घरेलू काम करती थी। कई साल एक ही घर में काम करने की वजह से मकान मालकिन उस पर भरोसा करने लगी। इसका फायदा उठाते हुए पिछले हफ्ते सुनीता ने मालकिन का हिरों से जड़ा हुए डेढ़ करोड़ रुपये का हार गाय कर दिया। मालकिन ने सुनीता के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की छानबीन करने लगी तो पता चला कि सुनीता का मायका जालौन के सिरसाकलार में है। शुक्रवार को हरियाणा पुलिस जालौन पहुंच कर सुनीता को पकड़ लिया।


**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

पीयूबी/0860

**प्रपत्र 10-1**

**सार्वजनिक अधिसूचना**

दक्षिण मध्य रेलवे के निम्नांकित सेक्शन के अंतर्गत पूर्ण हुए खण्ड पर स्थित रेलवे लाइनों एवं परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि खण्ड के प्रति विनिर्दिष्ट तिथि को या उसके बाद 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. सिरोपरी कर्षण तारों को ऊर्जित किया जाएगा। और उस तिथि से सिरोपरी कर्षण लाइन पूरे समय के लिए 'सक्रिय' मानी जाएगी और बताए गए सिरोपरी लाइनों के पास कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति न पास जाए या कोई कार्य नहीं करे।

सेक्शन : दिनांक : 15-10-2022

ओएचई

| | | |
|---|---|---|
| बायपास लाइन के लिए आरयूआर (रेल अंडर रेल) पुल हेतु अस्थायी डायवर्शन | डाउन मेन लाइन | ओएचई मास्ट लोकेशन 362/42ए (सीएच 362956.77 मी) से लोकेशन 361/24 (सीएच 361800.70 मी.) |
| | अप मेन लाइन | ओएचई मास्ट लोकेशन 362/41ए (सीएच 362956.77 मी) से लोकेशन 361/23 (सीएच 361800.70 मी.) |

हसनपर्ती रोड-काजीपेट- वरंगल स्टेशनों के मध्य नई बीजी बायपास लाइन का निर्माण। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीजन में बायपास लाइन के लिए आरयूआर (रेल अंडर रेल) पुल के निर्माण हेतु काजीपेट एवं हसनपर्ती स्टेशनों के मध्य सीएच : 361838.370 मी. से 362865.955 मी. (1027 मी.) तक विद्यमान अप एवं डाउन लाइनों के अस्थायी डायवर्शन को खोलना, उपरोक्त सेक्शन में 25 केवी 50 एचजेड एसी ओवरहेड ट्रैक्सन वायरों को 15.10.2022 को या उसके पश्चात अर्जित किया जाएगा।

**प्रपत्र 10-2**

(एसीटीएम पैरा 21020, वोल II, भाग I : सुधार पर्ची सं.32, दिनांक 09-10-2022)

एसी 25 केवी कर्षण का प्रारंभ

'सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी'

नीचे उल्लेखित खंड पर 25केवी एसी विद्युत कर्षण के प्रारंभ के संबंध में जनसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है।

ओएचई

| | | |
|---|---|---|
| बायपास लाइन के लिए आरयूआर (रेल अंडर रेल) पुल हेतु अस्थायी डायवर्शन | डाउन मेन लाइन | ओएचई मास्ट लोकेशन 362/42ए (सीएच 362956.77 मी) से लोकेशन 361/24 (सीएच 361800.70 मी.) |
| | अप मेन लाइन | ओएचई मास्ट लोकेशन 362/41ए (सीएच 362956.77 मी) से लोकेशन 361/23 (सीएच 361800.70 मी.) |

हसनपर्ती रोड-काजीपेट- वरंगल स्टेशनों के बीच नई बीजी बाइपास लाइन का निर्माण - दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीजन में बाइपास लाइन के लिए आरयूआर (रेल अंडर रेल) पुल के निर्माण के लिए काजीपेट एवं हसनपर्ती स्टेशनों के बीच सीएच : 361838.370 मी. से 362865.955 मी (1027 मी) तक विद्यमान अप एवं डाउन लाइंस के अस्थायी डायवर्जन को खोलना। सभी लेवेल क्रॉसिंगों पर हाइट गेजों को रोड लेवल से ऊपर अधिकतम 4.78 मीटर की स्पष्ट ऊँचाई पर स्थापित किया गया है ताकि अतिरिक्त ऊँचाई वाले लोड के 'सक्रिय' कर्षण वायरों के संपर्क या खतरनाक निकटता में आने से बचा जा सके।

जनसामान्य को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वाहनों की लोडिंग के उद्देश्य के लिए ऊपर निर्दिष्ट ऊँचाई का ध्यान रखें और देखें कि सड़क पर चलने वाले वाहनों पर लादा गया भार किसी भी परिस्थितियों में हाइट गेजों का उल्लंघन नहीं कर रहा हो।

**अतिरिक्त ऊँचाई के लोड के खतरे इस प्रकार हैं :**

1) हाईट गेज को खतरा जिसके परिणामस्वरूप सड़क के साथ ही रेलवे लाइन में बाधा।
2) वाहनों सहित उस पर लगी सामग्रियों या उपकरण के लिए खतरा।
3) कण्डक्टरों के खतरनाक निकटता से संपर्क के कारण आग लगने और जान-माल के नुकसान का खतरा।

उप-मुख्य विद्युतीय अभियंता/निर्माण/ओएचई/ सिकन्दराबाद

A1160


# बिहार की छात्रा ने सैनिटरी पैड पर उठाया था सवाल



छात्रा को मुफ्त मिलेगा शिक्षा और पैड

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईएएस हरजोत कौर से पटना में सशक्त बेटियां समृद्ध बिहार कार्यक्रम के दौरान एक स्कूली छात्रा ने फ्री सैनेटरी पैड को लेकर सवाल पूछा था। जिसके जवाब में आईएएस द्वारा दिया गया विवादित बयान अब एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इस मुद्दे पर राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी ट्वीट कर कहा कि सैनेटरी नैपकिन के लिए राज्य सरकार प्रति वर्ष 300 रुपये देती है। लेकिन शायद बच्ची या आईएएस अधिकारी को इस बात की जानकारी नहीं रही होगी।

**एक साल के लिए मुफ्त पैड**

सैनेटरी पैड के इस मामले के सुर्खियों में आने के बाद अब एक सैनेटरी पैड बनाने वाली कंपनी ने छात्रा को बड़ा ऑफर दिया है। पैन हेल्थकेयर कंपनी के सीईओ चिराग पान ने न्यूज एजेंसी एएनआई से छात्रा की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि हम छात्रा को पूरे साल भर एवर्टीन के नीम और कुसुम सैनेटरी पैड मुफ्त में मुहैया कराएंगे। साथ ही कंपनी ने छात्रा के ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई का खर्च भी उठाने का जिम्मा लिया है।

**देश में मासिक धर्म को माना जाता है टैबू**

कंपनी के सीईओ ने कहा कि हमारे देश में मासिक धर्म स्वच्छता को एक वर्जित विषय यानि की टैबू माना जाता रहा है। इस विषय पर पीढ़ियों से सिर्फ गुपचुप तरीके से ही चर्चा की जाती है। हमें जल्द ही इस चलन को बदलना होगा। इसलिए आज हमें ऐसे लोगों की जरूरत है जो आगे आकर इस मुद्दे को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर ला सकें। सार्वजनिक मंच पर इस विषय पर विश्वास के साथ बोलने के लिए सीईओ ने छात्रा के साहस को सलाम किया है।

दरअसल एक कार्यक्रम में आईएएस हरजोत कौर बम्हरा से कमला नेहरू नगर से आयी एक छात्रा ने सवाल किया था कि सरकार सब कुछ दे रही है फिर सैनेटरी पैड क्यों नहीं दे सकती। इसपर हरजोत कौर बम्हरा ने कहा कि आज सेनेटरी पैड मांग रही हो कल को जींस पैंट मांगोगी। परसों सुंदर जूते और अंत में परिवार नियोजन के लिए साधन भी मुफ्त में मांग करोगी। आईएएस अधिकारी द्वारा दिए गए इसी बयान के बाद से इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है।

छात्रा का कहना है कि वो मैंने जो सैनेटरी पैड को लेकर जो सवाल किया था उस पर आईएएस अधिकारी मैडम को जवाब देने से पहले सोचना चाहिए था कि वो कार्यक्रम में क्या बोल रही हैं। हम वहां झगड़ा नहीं बल्कि अपनी बात रखने गए थे। सरकार कहती है बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ। मैडम तो खुद भी एक लड़की हैं उन्हें ऐसा जवाब नहीं देना चाहिए था। एक आईएएस अधिकारी को ऐसी बात नहीं बोलनी चाहिए थी।

# नींव से ईंट निकालते समय गिरी बगल वाली पक्की दीवार, चार मजदूरों की मौत

चंदौली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के चंदौली जिले में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। बलुआ थाना क्षेत्र के प्रभुपुर गांव में नींव से ईंट निकालते समय पक्की दीवार और उसका लेंटर मजदूरों पर ही गिर गया। दर्दनाक हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस और लोगों की मदद से चार में से दो लोगों का शव निकाला जा चुका है। दो लोगों का शव अभी निकाला जा रहा है। घटनास्थल पर भारी भीड़ जुटी है।

# केदारनाथ घाटी में फिर खिसका बर्फ का पहाड़ कहीं ये तूफान की आहट तो नहीं

देहरादून, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अक्सर भूस्खलन और हिमस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन राज्य की केदारनाथ घाटी में पिछले 10 दिनों में दो बार पहाड़ खिसकने की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं ने सभी को चिंता में डाल दिया है। ऐसी घतनों के बाद स्थानीय लोगों क वर्ष 2013 में आई आपदा का डर सता रहा है। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में एक बार फिर से चोराबाड़ी से तीन किमी ऊपर बर्फ का पहाड़ खिसकने की घटना सामने आई है। आज सुबह 6 बजे हिमालय क्षेत्र में केदारनाथ मंदिर के पास हिमस्खलन होने की यह घटना हुई। ग्लेशियर से बर्फ का पहाड़ भरभरा कर गिर गया। राहत की बात ये है कि इस एवलांच यानी हिमस्खलन में केदारनाथ मंदिर को कोई नुकसान नहीं हुआ।

**बर्फ का पहाड़ देखते ही देखते पूरी तरह ढह गया**

एक वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मंदिर के पास बर्फ का पहाड़ खिसक रहा है। वीडियो में देखा जा रहा है कि बर्फ का पहाड़ देखते ही देखते पूरी तरह ढह गया। बताया जा रहा है कि हिमखंड काफी बढ़ा था, जिससे बर्फ के धुएं का गुबार काफी दूर तक रहा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि अभी स्थिति साफ नहीं हो पाई है। केदारनाथ में सबकुछ सामान्य है। मंदिर सहित आसपास के क्षेत्र में सब ठीक है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर भी सामान्य है।

**भूस्खलन के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर**

भूस्खलन के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। पुलिस-प्रशासन की ओर से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही तीर्थ यात्रियों को एहतियात बरतने की भी सलाह दी जा रही है। आपको बता दें कि वर्ष 2013 में केदारघाटी में चोराबाड़ी झील के टूटने से मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई थी। आपदा में हजारों श्रद्धालुओं की जान भी गई थी।

**21 सितंबर को भी हुआ था भूस्खलन**

वैसे, यह पहला मौका नहीं है, जब केदार घाटी में इस तरह का मंजर सामने आया हो। 21 सितंबर, 2022 को वहां हाईवे पर भूस्खलन हुआ था। अच्छी बात यह रही थी कि मलबे की चपेट में आसपास से गुजरने वाले वाहन नहीं आए थे। पर चारधामा यात्रा पर बारिश ने प्रभाव डाला था।

## दैनिक पंचांग

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | कन्या में | कन्या.. | 05-09 बजे |
| चंद्र- | धनु में | तुला- | 07-13 बजे |
| मंगल | वृष में | वृश्चिक | 09-24 बजे |
| बुध- | कन्या में | धनु--- | 11-37 बजे |
| गुरु- | मीन में | मकर- | 13-43 बजे |
| शुक्र- | कन्या में | कुंभ- | 15-33 बजे |
| शनि- | मकर में | मीन... | 17-12 बजे |
| राहु- | मेष में | मेष-- | 18-48 बजे |
| केतु- | तुला में | वृष-- | 20-32 बजे |
| | | मिथुन.. | 22-33 बजे |
| | | कर्क... | 00-45 बजे |
| | | सिंह... | 02-57 बजे |

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **18-47** तक उपरान्त, अष्टमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष ,रविवार, **02 Oct**
नक्षत्र - मूल - **01 -52** - रात तक,उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - सौभाग्य **-17 - 13** - तक उप- शोभन
करण- गर - **07 -48** - तक,उप- वणिज
विशेष:- सरस्वती आह्वान
व्रत -त्योहार - गांधी व शास्त्री ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

**राहुकाल 16:34 से 18:03 तक**

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| उत्पात | 06:10 - 07:37 अशुभ | शुभ. | 18:03 - 19:34 शुभ |
| चंचल | 07:37 - 09:06 शुभ | अमृत. | 19:34 - 21:04 शुभ |
| लाभ | 09:06 - 10:36 शुभ | चंचल. | 21:04 - 22:35 शुभ |
| अमृत | 10:36 - 12:05 शुभ | रोग. | 22:35 - 00:05 अशुभ |
| काल | 12:05 - 13:35 अशुभ | काल. | 00:05 - 01:36 अशुभ |
| शुभ. | 13:35 - 15:04 शुभ | लाभ. | 01:36 - 03:07 शुभ |
| रोग | 15:04 - 16:34 अशुभ | उत्पात | 03:07 - 04:37 अशुभ |
| उत्पात | 16:34 - 18:00 अशुभ | शुभ | 04:37 - 06:10 शुभ |

### आपका राशिफल

**मेष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं।लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों।आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है।

**वृष** इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे। इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है। जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें। इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

**मिथुन** का की कू घ ङ छ के को ङा

आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं।हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा। जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी।इस समय आप अपनी शक्ति बढाना चाहते हैं।

**कर्क** डी डू डे डो डा डी डू डे डो

एक नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज आपके लिए अच्छा दिन है।आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी।आप काफी लोकप्रिय हैं।आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है। चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं।हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा।आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं।जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है।आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी। अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी। साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे। अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है।

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें।पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें। इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें।

**धनु** ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं।अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

**मकर** भे जा जी खी खू खे खो गा गी

जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा।अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें।अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें। महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें।

**कुंभ** गू गे गो सा शी सू से सो दा

आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे।अपने दोस्तों साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे।जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें।अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है।

**मीन** दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आप आज ऊर्जा से भरे हैं आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे। अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें। दिन शांत और तनावरहित रहेगा। आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

# भगवंत मान के खिलाफ शिकायत

## संगरूर सांसद सिमरनजीत मान के बेटे ने जमीन विवाद में खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। संगरूर से सांसद और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान के बेटे ईमान सिंह मान ने जमीन विवाद में चंडीगढ़ जिला अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे 125 एकड़ जमीन पर कब्जे के आरोप के मामले में शुक्रवार को जिला अदालत में मुख्यमंत्री भगवंत मान और कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अदालत ने सुनवाई के लिए पांच नवंबर की तारीख तय की है। वकील भगौती सिंह ने कहा कि ईमान सिंह मान पर पंचायती जमीन पर कब्जे का आरोप झूठा है। मान सिंह ने पटवारी से लिखित में सत्यापन कराया है कि उनके पास पांच बीघा, 14 बिस्वा जमीन है। इस जमीन को मान के दादा ने उन्हें उपहार के तौर पर दिया था। वकील ने कहा कि पंचायत मंत्री की ओर से शिरोमणि अकाली दल अमृतसर व पार्टी प्रधान सांसद सिमरनजीत सिंह मान को जानबूझकर बदनाम करने की साजिश की गई है। भगौती सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को न्यू चंडीगढ़ में एक प्रेसवार्ता के दौरान पंचायत मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा था कि सिमरनजीत सिंह मान के बेटे ईमान सिंह मान ने पंचायत की 125 एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा था जिसे मुक्त कराने का मंत्री ने दावा किया था। इस पर आपत्ति जताते हुए दूसरी प्रेसवार्ता में ईमान सिंह मान ने कहा था कि अगर पंचायत मंत्री के पास 125 एकड़ भूमि मेरे नाम पर होने और उसे छुड़वाने से संबंधित कोई दस्तावेज हैं तो उजागर करें। ऐसा न करने पर शिरोमणि अकाली दल अमृतसर पंजाब सरकार के खिलाफ अदालत में अवमानना याचिका दर्ज करेगी।

# निजता का अधिकार किसी व्यक्ति की मौत के साथ खत्म नहीं हो जाता

## एचसी ने क्यों सुनाया यह फैसला

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राइट टू प्राइवेसी यानी निजता के अधिकार को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक मृतक के प्राइवेट स्पेस बचाव करते हुए हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया कि निजता का अधिकार किसी व्यक्ति की मृत्यु के साथ समाप्त नहीं हो जाता और प्राइवेट चैट्स और मृत व्यक्ति की तस्वीरों का खुलासा आरटीआई अधिनियम के तहत नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने बंगाल पुलिस को निर्देश दिया कि वह रशिका जैन द्वारा उसकी मौत से पहले उसके दोस्त के साथ साझा किए गए व्हाट्सऐप संदेशों और तस्वीरों को आरटीआई एक्ट के तहत 'प्राइवेट इन्फॉर्मेशन' के रूप में मानें। बता दें कि पिछले साल ही राशिका की संदिग्ध तरीके से मौत हो गई थी। दरअसल, राशिका जैन की 2020 में शादी हुई थी, मगर एक साल बाद रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। उनके माता-पिता और ससुराल वालों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। जांच रिपोर्ट में पुलिस ने शादी से पहले राशिका और उसके दोस्त के बीच व्हाट्सऐप चैट का जिक्र किया। इसके बाद उसके ससुराल वालों ने बातचीत का ब्योरा मांगते हुए एक आरटीआई आवेदन दायर किया। हालांकि, आरटीआई एक्ट के तहत पुलिस ने 2022 में उनके साथ इस जानकारी को साझा कर दिया, जिसके बाद राशिका के माता-पिता ने हाईकोर्ट का रुख किया। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, 'अधिनियम इस बात की पुष्टि करता है कि किसी के भी प्राइवेट स्पेस का संरक्षण काफी महत्वपूर्ण है और उस प्राइवेट स्पेस से निकलने वाली जानकारी का कोई भी खुलासा स्वैच्छिक और बिना बाध्यता के होना चाहिए। मृतकों के सम्मान करने के दायित्व का बोध कराते हुए कोर्ट ने कहा कि दायित्व एक उच्च नैतिक आधार मानता है क्योंकि मृतक अपने प्राइवेट स्पेस में इस तरह के किसी भी घुसपैठ के खिलाफ अपना बचाव नहीं कर सकता है। वहीं, एक अन्य मामले में गूगल ने केरल हाईकोर्ट में कहा कि निजी जानकारी को इंटरनेट सर्च से हटाने के अधिकार को 'हिस्ट्री को मिटाने' के उपकरण के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। दरअसल, केरल हाईकोर्ट निजी जानकारी को इंटरनेट सर्च से हटाने के अधिकार को लागू करने और विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों और हाईकोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित निर्णयों या आदेशों से पहचान योग्य जानकारी को हटाने की मांग वाली याचिकाओं के एक बैच की सुनवाई कर रहा था।

# हत्या के आरोपी ने सीआईए वन में लगाया फंदा

**लूट के दौरान हत्या मामले में हुआ था गिरफ्तार**

लुधियाना (पंजाब), 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक आरोपी ने सीआईए वन में ही फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली लेकिन किसी को कुछ पता भी नहीं चला। घटना की जानकारी शनिवार सुबह हुई। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और सीआईए इंचार्ज मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी जतिंदर सिंह को जसपाल बांगर स्थित एक फैक्टरी में चार दिन पहले लूट के दौरान गोली चलने से मजदूर की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह पुलिस रिमांड पर था। पुलिस उससे पूछताछ कर बाकी के आरोपियों का पता लगाने में जुटी थी। शुक्रवार देर रात को आरोपी जतिंदर सिंह ने थाने में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली इस मामले में अभी तक अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं ।

# घर पर छोड़ा सुसाइड नोटः कारोबारी की पत्नी ने दो बेटियों के साथ उठाया खौफनाक कदम

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन के पास एक दर्दनाक घटना सामने आया है। बृहस्पतिवार सुबह रोहिणी निवासी प्लाई कारोबारी की पत्नी ने अपनी दो बेटियों के साथ ट्रेन के सामने छलांग लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रात में मृतकों की पहचान हुई। जांच में पता चला कि महिला घर पर एक सुसाइड नोट छोड़कर अपनी बच्चियों के साथ घर से निकल गई थी। सुसाइड नोट में उसने मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। वहीं महिला के पिता ने अपने दामाद और उसके परिजनों पर बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक की शिनाख्त रोहिणी सेक्टर 1 निवासी दीपा जैन और उसकी दो बेटियों के रूप में हुई है। दीपा अपने पति अंतरिक्ष जैन, छह और चार साल की दो बेटियों के साथ रहती थी। अंतरिक्ष का कापसहेड़ा इलाके में प्लाईवुड का कारोबार है। बृहस्पतिवार सुबह 7।30 बजे दीपा अपनी दोनों बेटियों को लेकर घर छोड़कर निकल गई। अंतरिक्ष को घर से दीपा का सुसाइड नोट मिला। जिसमें दीपा ने अपनी दोनों बेटियों के साथ खुदकुशी करने की बात लिखी थी। अंतरिक्ष ने बृहस्पतिवार दोपहर अपनी पत्नी और बेटियों के फोटो के साथ दिल्ली पुलिस को ट्वीट किया और उनकी तलाश करने की मांग की। पुलिस के निर्देश पर अंतरिक्ष ने घटना की जानकारी विजय विहार थाने में दी। उधर सुबह 11 बजे सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन थाना पुलिस को मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन के पास हिसार नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन के सामने एक महिला और दो बच्चियों के साथ छलांग लगाने की जानकारी मिली। पुलिस ने शवों को कब्जे में कर लिया। उनके पास से कोई कागजात नहीं मिले, जिससे उनकी पहचान हो सके।

रात नौ बजे महिला की पहचान दीपा और उनकी बेटियों के रूप में हुई। पुलिस ने घर से सुसाइड नोट बरामद कर दिया। दीपा मूलतः जयपुर राजस्थान की रहने वाली थी। पुलिस ने दीपा के पिता शिव कुमार अग्रवाल को घटना की जानकारी दी। शुक्रवार को शिव कुमार अग्रवाल सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद अपनी बेटी और नातिनों के शवों की पहचान की।

# हरियाणा में बारिश से तबाही

## 5 दिन 3,28 लाख एकड़ फसल खराब; फतेहाबाद रेवाड़ी और अंबाला सबसे ज्यादा बर्बादी

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में बारिश फसलों के लिए तबाही बनकर आई है। 5 दिन की बारिश में राज्य में 3।28 लाख एकड़ फसल तबाह हो गई। इसकी जानकारी खुद किसानों ने सरकार को दी। अभी तक 87 हजार किसान ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान की जानकारी दे चुके हैं।

सबसे ज्यादा नुकसान फतेहाबाद में हुआ है। यहां के 10,319 किसानों ने 44,506 एकड़ फसल बर्बाद होने का ब्योरा दिया है। दूसरे नंबर पर रेवाड़ी और तीसरे पर अंबाला है।

**नुकसान में दूसरे नंबर पर रेवाड़ी**

29 सितंबर तक सबसे ज्यादा नुकसान में फतेहाबाद के बाद रेवाड़ी दूसरे नंबर पर है, जहां 11,346 किसानों ने 40,442 एकड़ से अधिक नुकसान की सूचना दी। तीसरा सबसे अधिक प्रभावित जिला अंबाला है, जहां 6,424 किसानों ने 21,227 एकड़ से अधिक फसलों के नुकसान की शिकायत की।

**अब पटवारी करेंगे फील्ड सर्वे**

26 सितंबर को जारी निर्देशों के अनुसार, उपायुक्तों (डीसी) को पटवारियों और कानूनगो को निर्देश देने के लिए कहा गया था कि वे सत्यापन के बाद फसल क्षति प्रतिशत और फील्ड फोटो अपलोड करके पोर्टल पर आए किसानों के दावों को सत्यापित करेंगे। पटवारियों और कानूनगो को 7 दिन के भीतर सत्यापन कार्य करना होगा। उसके बाद, तहसीलदार और एसडीएम पटवारियों और कानूनगो से रिपोर्ट प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर दावों का सत्यापन करेंगे।

**26 सितंबर को जारी हुआ था पोर्टल**

राज्य में धान, ग्वार, बाजरा और कपास सहित खरीफ फसलें लगातार हुई बारिश में बर्बाद हुई हैं। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने नुकसान का जायजा लेने के लिए 26 सितंबर को पोर्टल जारी किया, जो 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' से जुड़ा है। किसानों को खसरा नंबर दर्ज करके फसल खराब होने के 72 घंटे के भीतर दावा करने को कहा गया।

# दिल्ली में 10 साल के बच्चे के साथ कुकर्म इलाज के दौरान अस्पताल में मौत!

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू सीलमपुर इलाके में 10 साल के लड़के से उसके तीन दोस्तों ने कथित तौर पर मारपीट और कुकर्म किया। बच्चे की हालत इतनी खराब हो गई कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। शनिवार को इलाज के दौरान पीड़ित लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने भी ट्वीट कर लड़के की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पीड़ित लड़के ने काफी कुछ सहा। मालीवाल ने आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग की। इससे पहले, डीसीडब्ल्यू ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें किशोर न्याय बोर्ड (जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड) के सामने पेश किया गया। पुलिस ने बताया था कि पीड़ित और आरोपी पड़ोसी हैं तथा वे एक ही आयु वर्ग और एक ही समुदाय के हैं। यह घटना 18 सितंबर हुई थी। जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्र का परिवार सीलमपुर इलाके में रहता है। छात्र सरकारी स्कूल में 5वीं क्लास में पढ़ता था। आरोप है कि 18 सितंबर को सूनसान जगह पर ले जाकर उसके तीन दोस्तों ने इस घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने रॉड और ईंट से उस पर हमला किया। छात्र किसी तरह घर पहुंचा और किसी को कुछ नहीं बताया। अचानक 22 सितंबर को उसकी तबीयत बिगड़ गई। जब उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया तब घटना की जानकारी हुई। पुलिस के मुताबिक खबर मिलने पर पीड़ित का बयान लेने जब अस्पताल पहुंचे तो परिवार ने कुछ भी बताने से मना कर दिया। इसके बाद एक एनजीओ की मदद से मासूम की मां की काउंसलिंग करवाई गई, जिसके बाद परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।

# पंजाब गवर्नर कराएं 'लोट्स ऑपरेशन' की जांच शिअद-बसपा की मांग

**न्यायिक जांच कराने का निर्देश दें; आरोप- 25-25 करोड़ ऑफर हुए**

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिअद-बसपा ने पंजाब गवर्नर, बनवारी लाल पुरोहित से 'लोटस ऑपरेशन' की जांच कराने की मांग की है। दोनों दल के विधायकों ने गवर्नर से मुलाकात करके आप द्वारा ऑपरेशन लोटस के तहत भाजपा पर 25-25 करोड़ रुपए रिश्वत की ऑफर मामले की सीबीआई-ईडी से जांच का आदेश देने या सरकार को न्यायिक जांच शुरू करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। अकाली दल के नेता मनप्रीत सिंह अयाली के नेतृत्व में डॉ सुखविंदर कुमार सुक्खी और गनीव कौर मजीठिया के

अलावा बसपा विधायक नछत्तर पाल ने गवर्नर से विधानसभा सेशन बुलाकर पंजाब के असल मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय राज्य का सार्वजनिक धन बर्बाद करने पर आप की जवाबदेही तय करने की भी मांग की है। अयाली ने कहा कि आप सरकार अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए संसदीय मानदंडों का उल्लंघन करके जनादेश का दुरुपयोग कर रही है। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने राज्य के डीजीपी को सौंपी शिकायत में दावा किया है कि उनके विधायकों को दल बदलने के लिए 25-25 करोड़ रुपए की पेशकश की गई, लेकिन दर्ज एफआईआर में किसी एक को भी नामजद नहीं किया गया है और न ही किसी की गिरफ्तारी हुई है।

# आईएएस नियाज खान ब्राह्मणों की महानता पर कर रहे रिसर्च, हिंदू धर्म के वेदों को बताया महान

भोपाल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया में मुस्लिम ही आतंकवाद फैलाने का दावा करने वाले मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी नियाज खान अब ब्राह्मणों की महानता पर अध्ययन कर रहे है। उन्होंने शनिवार को ट्वीट कर हिंदू धर्म के वेदों को महान बताया है। नियाज खान ने ट्वीट कर बताया कि मेरी नई किताब के लिए वेदों का मेरा अध्ययन आंखे खोलने वाला है। उन्होंने आगे लिखा कि केवल हिंदू धर्म में प्रकृति और पशुओं के प्रति गहरा प्रेम है। अन्य महान धर्मों ने प्रकृति पर जोर क्यों नहीं दिया यह बहुत अजीब है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए वेदों को महान हथियार बनाया जा सकता है। नियाज खान ने अमर उजाला से चर्चा में बताया कि वह ब्राह्मणों की महानता पर किताब लिख रहे है। इसमें ब्राह्मणों का समाज में हजारों साल तक वर्चस्व क्यों रहा। क्या कारण है कि ब्राह्मण ही नेतृत्व करते आ रहे है। चाणक्य, दधीचि, परशुराम जैसे ब्राह्मणों की महानता के आगे कोई नहीं दिखता है। उनके जीन में क्या है। इस पर बारीकी से अध्ययन कर रहे है। खान ने बताया कि उनकी किताब जनवरी-फरवरी 2023 में पूरी होने की संभावना है। नियाज खान ने बताया कि वेदों में प्रकृति को पूजनीय बताया गया है। आज क्लाइमेंट चेंज से लेकर दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे में पाश्चात्य भौतिक वाद को कम करके किस प्रकार पर्यावरण को संरक्षित कर सकते है। इस काम में ब्राह्मण कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। इन सभी बिन्दुओं के अध्ययन को अपनी किताब में शामिल कर रहा हूं।

**कौन है नियाज खान**

नियाज खान मध्य प्रदेश कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। वह अभी लोक निर्माण विभाग में उप सचिव के पद पर पदस्थ है। वह कई किताब लिख चुके है। वह इस्लाम की विश्व में हिंसक छवि को लेकर भी कुरान का अध्ययन कर रहे हे। नियाज का कहना है कि उनकी सभी धर्मों में आस्था है और वह शाकाहारी है।

# चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है : नरेंद्र चंचल

अतुल कुमार

नवरात्रि में भजन गायक नरेंद्र चंचल के गाये भजन सब ओर सुनायी देते हैं . उनके गाये भजनों में भक्ति पूर्ण शब्द ,भाव और स्वर को सुन लगता है जैसे भक्ति रस में गहराई तक डूबा कोई संत गा रहा हो . भजन और माता की भेंटे गा जो कीर्ती पायी उसे श्रोता भाव पूर्ण हो सुनते हैं . भक्ति पूर्ण भावों को सुर में खींच जो अभिव्यक्ति देते वह दुर्लभ होती . श्रोता इस दिलकश आवाज़ पर इतने मुग्ध होते कि पूजा अर्चना के मौकों पर उन्हीं के गाये भजन बजते . यह परंपरा बनी जो अभी भी बदस्तूर चल रही है ,और चलेगी . क्योंकि भक्ति पूर्ण गायकी को जो उंचाइयां उन्होंने दी उसे लोग सदियों तक याद रखेंगे .कोरोना काल में जब लोग घरों में दहशत में थे उस दौर में भी कोरोना पर आधारित भजन गा लोगों को संभलने का आवाहन कर मानसिक शक्ति दी . कई फिल्मों में हिट गाने गाये लेकिन फिल्म " अवतार " के भजन " चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है " गीत से घर घर में लोकप्रिय और देवी गीत की पहचान बने . वह भेंटें गा मां भगवती को याद करते और कहते कि सब उसी शक्ति की देन है ! मैं तो सिर्फ आराधना करता हूं .

फिल्मों में वह समय था जब भजनों या भजन को रखना एक शगल था. श्रोता भी उससे आनंदित होते . ऐसे अनेक भजन हैं जो फिल्मों के माध्यम से लोगों की ज़बान पर चढे भजनों को ले तब प्राइवेट अलबम का दौर न के बराबर था . वह भजन आल इंडिया रेडियो के सुबह के कार्यक्रमों में बजते उस समय श्रोता रेडियो पर भजनों को सुन प्रसन्न होते . रिवाइंड की बात तो दूर एक बार सुन भर लेना ही बडी बात होती . यद्यपि मंदिरों में भजन मंडलियां भजन गातीं और श्रोताओं को मोहित करतीं . ऐसे ही भजन मंडलियों में बैठ बचपन में उन्होंने गायन कला सीखी . भजन से आस्था और विश्वास तो बढता ही वह आध्यात्मिक आनंद भी प्रदान करते . बचपन में जब भी गाते तो भक्त गण कहते यह बाल भजन गायक का अनूठा स्वर है इसे बहुत ऊंचा और आगे तक ले जाएगा । ऐसे ही कार्यक्रमों में गा इतनी ऊंची उडान भरी की यादगार भजनों का खज़ाना बने .

धार्मिक पंजाबी परिवार से थे और धार्मिक वातावरण में पालन पोषण हुआ .बचपन से ही भजन और आरती में दिलचस्पी थी .अतः छोटी उम्र में जागरणों में गाना शुरु कर दिया .बताया जाता है कि अपने स्कूल के दिनों में शरारती थे और उनके स्वभाव में चंचलता थी जिसकी वजह से उनके टीचर उन्हें चंचल कह पुकारते बाद में चंचल को अपने नाम का हिस्सा बना लिया और उन्हें " नरेंद्र चंचल " के नाम से जाना जाने लगा .उनकी मां कैलाश वती भी भजन गाया करतीं मां के भजन सुनते सुनते उनकी रुचि भी भक्ति संगीत में बडी उनके भजन सुन तब लोग उनके हार्मोनियम पर रुपये – दो रुपये रखते जो उस समय बडी बात होती .गायन में ऐसे उभरे कि बतौर गायक हिंदी फिल्मों में खास जगह बनायी .सन 1970 में एक इंटरव्यू में बताया कि गायक समूहों में मिल अलग – अलग शहरों में कार्यक्रम किया करते मुंबई में एक कार्यक्रम में जाने से पहले अमृतसर स्थित अपने घर पर दूकान से पकौडे ले जा रहे थे जिस पेपर में पकौडे रखे थे उसमें मशहूर सूफी गायक बुल्ले शाह की कुछ पंक्तियां लिखीं थीं यह पंक्तियां उन्होंने मुंबई के प्रोग्राम में गायीं उस शो में राज कपूर भी उपस्थित थे जिन्हें फिल्म " बाबी " के एक गीत के लिये सूफीयाना आवाज़ की तलाश थी .राज कपूर को वह पंक्तियां बहुत पसंद आयीं और उन्होंने चंचल को वह मशहूर गीत गाने को दिया " वे मैं नई बोलना जा " .

फिल्म " बाबी " के गाये गीत के बाद उन्हें बेस्ट प्लेय बैक सिंगर का फिल्म फेयर अवार्ड मिला .उस दौर में जमे हुए गायकों के बीच डेबू कर रहे ग़ायक के लिये बहुत बडी अचीवमेंट थी . इसके हिट होने के बाद उन पर स्टार डम का ऐसा नशा चढा कि अहंकार के शिकार हुए प्रसंगानुसार उन्हें मां काली के मंदिर में गाने का निमंत्रण मिला तो उसे बाहर जाने का बहाना बता टाल दिया लेकिन अगला कार्यक्रम देने आगरा पहुंचे तब महसूस हुआ कि बोल नहीं पा रहे हैं दो महीने तक बीमारी से परेशान रहे .तब अपनी गलती का एहसास हुआ .इसके बाद कभी भजन गायन के लिये झूठ नहीं बोलने की ठान ली . भजन गायन की दुनिया में अपनी ओज पूर्ण आवाज़ से विशिष्ठ पहचान बनायी . उनके गाये हुए भजनों को अपार लोकप्रियता प्राप्त है . नवरात्रि पर्व में उनके गाये भजनों को सुनने की रीत बन गयी है .विशेषकर उनकी गायी माता की भेंटों को सुन भक्त आनंदित होते हैं .

फिल्मों में उन्होंने " रोटी कपडा और मकान " " बेनाम ' और " " आशा " आदि फिल्मों के लिये गीत गाये . भजन गायन के क्षेत्र में उनके आने के पूर्व भजन गायक हरि ओम शरण का नाम शीर्ष पर था इसके बाद कई भजन गायक जैसे अनूप जलोटा , शुभा मुद्गल ,पं जसराज , सुरेश वाडकर और वाणी जय राम आदि की ख्याति रही लेकिन नरेंद्र चंचल ने अपने अनूठे भजन गायन से जिस गाथा को लिखा उसने प्रसिद्धी के नये मकाम हासिल किये .देवी की स्तुति में गाये उनके भजनों ने जो इतिहास लिखा वह अभी भी बरकरार है.जागरणों और पूजा पाठ में उन्हीं की आवाज़ गूंजती है . भजन गायन पहले अपनी मां से सीखा बाद में प्रेम त्रिखा से संगीत सीखा .भजनों ने उन्हें रातों रात मशहूर बनाया . अपनी आत्म कथा " मिड नाइट सिंगर " में गायन यात्रा के बारे में विस्तार से लिखा . प्रति वर्ष 29 दिसंबर को वैष्णो देवी ज़रूर जाया करते .वहां जा कार्यक्रम किया करते . वास्तव में उनके भजनों को सुनते हुए अधिकतर यात्री वैष्णो देवी की यात्रा में चढाई चढते .इस सफर में उनके गाये भजन मनोबल बढा ध्यान को भक्ति में लीन करते हैं .

भजन गायन में अपना अलग साम्राज्य स्थापित किया भजनों के इतिहास में ढेरों ऐसे भजनों को गाया जो कभी भुलाये नहीं जा सकते .यही कारण है कि भजन गायकी में जो आदर ,सम्मान और नाम उन्हें मिला वह किसी अन्य को नहीं भजन गायन पर पूरा कैरीयर फोकस किया . कई नये प्रयोग कर भजनों की भावाभिव्यक्ति दी उससे भजन कर्ण प्रिय ही नहीं , बल्कि वह आइकानिक भजनों की सूची में शामिल हैं . उनके कई ऐसे भजन हैं जिन्हें श्रोता अनेक बार सुनते हैं . माना जाता है कि भारतीय फिल्म संगीत में महेंद्र कपूर ऐसे ग़ायक थे जिनकी आवाज़ सुरों के दायरे में घूमती हुई सबसे ऊंचे सप्तक को छूती थी उदाहरण के लिये " ना मुंह छुपा के जियो और न सर झुका केजियो " का असली जादू यही है कि इसमें जितनी सहजता से कपूर की आवाज़ शिखर पर पहुंचती है उतनी ही सहजता से नीचे उतरती है . नरेंद्र चंचल जब गाते तो उनकी आवाज़ पहाडों से टकराती लगती है यद्यपि वह महेंद्र कपूर नहीं थे .हमेशा ऊंची पिच में गाते थे यह उनकी बाध्यता भी थी क्यों कि रात्रि जागरणों में भक्तों को जगाए रखने तथा भक्ति सागर में हिलोरों के मौके देते रहें . नरेंद्र चंचल ने ता उम्र यह काम बखूबी किया .माता की भेंटों केवह सरताज गायक थे और अधिकतर भेंटें जागरण में गायी जाती हैं .अपनी आवाज़ की हद से वाकिफ थे .इससे परे जाने की कोशिश नहीं की .फिल्मों से काफी पहले दूर हो गये थे .जागरणों में उनके स्वर की धूम होती

पांच दशकों सेअधिक गायन जीवन में गायन की मौलिक स्टाइल को डेवलप किया . जिससे भक्ति गीत संगीत दिलों में बसे उनके सदाबहार भजन जैसे "तूने मुझे बुलाया शेरावालिये ( फिल्म : आशा) " अंबे तू है जगदंबे काली " " हनुमान चालीसा " " संकट मोचन नाम तिहारो " और " राम से बडा राम का नाम " आदि हैं 16 अक्तूबर 1940 को नमक की मंडी अमृतसर में उनका जन्म हुआ . पिता नहीं चाहते थे कि वह गायक बनें उनके घर से बाहर जाने पर गायन का रियाज़ करते एक बार उन्हें पिता ने भजन गाते हुए सुना तो इतने मुग्ध हुए कि दरी से तुरंत उठ सवा रुपये उनको दे शाबाशी दी . चंचल की आवाज़ ने गायन का जो इतिहास लिखा उसमें भक्ति का सांगोपांग सुनने को मिलता है . 21 जनवरी 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली . गायन दुनिया की यह अपूर्णीय क्षति है. लेकिन प्रकृति के इस नियम के सामने किस की कब चली है.

बेमिसाल भजनों का कोषागार विरासत में दे गये जब भी उनका नामोल्लेख होता है या भजन सुनायी देता है तब स्वतः उनके गाये गीत की पंक्ति उभरती है " चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है " .नवरात्रि में उनके भजनों की धूम होती है क्योंकि वह आराधना के साधक थे .

# काव्य कुंज

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

## शाश्वत प्रेम

घरती ने आसमां से कहा
तू मुझे क्यों हर समय
घूरता रहता है सताता रहता है
क्या कभी सुंदरता देखी नहीं
आसमान जोर से गरजा
धरती नहा गई चारों ओर पानी ही पानी था
आकाश ने कहा मैंने तेरे पलने में
खरबो खिलौने डाले हैं तू फिर भी कहती है
कि मैं कौन हूं घूरता रहता हूं
यह हमारे प्यार के मीठे फल हैं
तू जन्म दात्री है मैं पालनहारा हूं
हवा देता हूं पानी देता हूं
बढ़ने को रोशनी देता हूं
तू इन्हें अन देती है पालन करती है
प्रभु ने यह पवित्र बंधन
हमारे बीच बांधा है हमारी यह संतान हैं
यह हमे दूर क्षितिज में निहारते है
प्रसन्न होते है अलाहादित होते हैं
रात्रि चांद सितारों की गोद में सोती है
उन्हें प्रातः की नई ऊर्जा देती है
फलों में मिठास ,पुष्पों में सुगंध भर्ती है
यह पेड़ यह पौधे सर उठाए
हर समय प्रभु वंदन करते हैं
सभी मानव चराचर वंदन करते हैं
तू मुझ पर क्रोधित मत हो
सभी पक्षी मीठे गीत गाते हैं
यह तेरा मेरा प्रेम अजर है अमर है
यही प्रभु आज्ञा है
इसी से संपूर्ण ब्रह्मांड चलता है
इसी से प्रेम पलता है
जीवन चलता है तू धन्य होती है
तेरा मेरा प्रेम शाश्वत है।।

## मां दुर्गा के रुप अनेक

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

हिमगिरी के अंक से निकली माँ,
प्रथम शैलपुत्री कहलाईं ।
द्वितीय रुप माँ,ब्रह्मा स्वरूपिणी,तपस्चारिणी,
अक्षमालाधारिणी,अनंत फलदायिनी,
सुखदायिनी ब्रह्मचारिणी कहलाईं ।
तृतीय रुप में, माँ मस्तक पर अपने चंद्रसमान घंटा हैं धरती,
सिंहवाहिनी, शान्तिदायिनी,कष्टनिवारिणी,
मां चंद्रघंटा कहलाईं ।
केहरी वाहन,कानों में कुंडल, कमल पुष्प हाथों में,
अमृत घट ले कर-कमलों में,
अमिय सुधा बरसाती, भक्तों को अभय दिलातीं,
चौथे रुप में मां कुष्मांडा कहलाईं ।
पंचम रुप अति प्रिय माँ को,
यशस्वी स्कन्द कुमार की माता हैं कहलाईं ।
छठा रूप मां कात्यानी का मन वांछित फल दायिनी
सातवां रुप बड़ा है भारी,दुष्ट-दमनकारी,
महिषासुरमर्दिनी, मधुकैटभहन्त्री, चण्डमुंडविनाशिनी,
देवों के दुःख को तारती, भक्तों पर कृपा बरसातीं ,
वो मां काली कहलातीं हैं।
आठवां रुप सौम्य शिवप्रिया,
सुंदरी, गौरवर्णी महागौरी कहलातीं ।
नवां रूप सिद्धिदात्री का,
कल्याणकारी, मंगलकारी, यश दायिनी,
मां दुर्गा कहलातीं है।

## करो मेहनत

सफलता की कुंजी है मेहनत
आगे बढ़ने की ताकत है मेहनत
धन का मूल कारण है मेहनत
लक्ष्य की प्राप्ति है मेहनत
मजदूर करते हैं मेहनत
किसान करते हैं मेहनत
विद्यार्थी करते हैं मेहनत
नेता करते हैं मेहनत
जीवन की विजय है मेहनत
विजय को प्राप्त कराता है मेहनत
ऊंचे स्तर पर चढ़ाते हैं मेहनत
आशा के लिए पीछे है मेहनत

-सोपान काशीनाथ

## सत्य हमेशा सत्य होता है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

अपने पीछे इतिहास नहीं छोड़ता।
उसे किसी गवाह या किसी के समर्थन
की शायद जरूरत नहीं।
हां सत्य का भविष्य बड़ा उज्जवल है।
चमकते सूर्य की तरह।
सच अकेले चलता हुआ घबराता नहीं,
वह किसी साथी को तलाशता भी नहीं,
कोई कमी महसूस नहीं होती,
सूरज की किरणों के साथ चमकता हुआ,
गहन अंधकार में छुपता भी नहीं,
कनक की तरह सदैव कसौटी पर खरा उतरता है।
एक बार सत्य ने मुझसे कहा
मेरे संग संग चार कदम चल कर देखो,
तुम्हारी आत्मा परमात्मा में परिवर्तित हो जाएगी,
अद्भुत शक्ति, ऊर्जा और उत्साह, जीवन में
प्रवाहित हो जाएगा।
फिर किसी नाते, किसी रिश्ते, परिजनों की कहीं भी
किन्ही भी परिस्थितियों में आवश्यकता न होगी,
तुम किसी के संग नहीं पूरा समुदाय तुम्हारे संग चलेगा।
पूरा ब्रह्मांड प्रतीक्षा करता है,
कोई तो हो जो संपूर्ण सत्य को समाहित,
आत्मसात करें, अपने छोटे नश्वर जीवन में,
फिर कोई चिंता, बेचैनी, नुकसान का अंदेशा भी नहीं,
सत्य सदैव सास्वत है, निर्विकार,लोभ रहित,
ईश्वर का साक्षात पृथ्वी पर अदृश्य स्वरूप।

## सबसे बडा भारत का मान

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

आज 2 अक्टूबर,
आज का दिन बड़ा महान।
'गाँधी' 'लाल बहादुर'
सपूतो से बढ़ा भारत का मान।।
'गाँधी' 'बहादुर' ,
नहीं किसी परिचय के मोहताज,
विश्व की दो महान
हस्तियों का जन्म दिन आज,
गांधी ने सत्य - अहिंसा का पाठ पढ़ाया,
बहादुर ने जय जवान,जय किसान अपनाया,
'गाँधी' के भारत में हिन्दू,मुस्लिम,सिख ईसाई,
फिर क्यूँ भारत में, धर्म ने ही हाहाकार मचाई,
संत,फकीरो का देश है ये किसी धर्म का न हो अपमान।
आज 2 अक्टूबर,आज का दिन बड़ा महान।।
गाँधी जयंती पर बापू को करते नमन,श्रृद्धा सुमन अर्पण,
पर गांधी आदर्शों का नहीं दिखाई देता स्वच्छ दर्पण,
लाल बहादुर की धरती पर निर्दोष जवान हो रहे शहीद,
कृषक सबका पालनहार, वह ही निर्धनता के करीब,
भारत कोहिनूर पुत्रों वाला, गाँधी-लाल बहादुर का देश,
समझना होगा गाँधी आदर्श,बहादुर के त्याग का सन्देश,
बचाने होंगे जवान और किसान के अमूल्य प्राण।
आज 2 अक्टूबर,आज का दिन बड़ा महान।।
मानव धर्म सर्वोपरि ,ये ही हमारी सच्चाई,
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई,सब हैं भाई भाई,
एक दिन गाँधी जयंती मनाकर इतिश्री न समझ लो,
देश के लिये जीना सीखो, देश के लिये मर लो,
सबका साथ सबका विकास,हम सब हैं एक ,
सबका मालिक एक , हम सबका मालिक एक,
अपना देश अपना, हम सबका रक्त एक समान,
आज 2 अक्टूबर,आज का दिन बड़ा महान।

## बापू ! हम विकास कर रहे

डॉ टी महादेव राव

बापू! देखो हम कितना विकास कर रहे
तुम्हारे सारे आदर्श पूरा सत्यानाश कर रहे
हमें सिखाया बापू तुमने शांति और भाईचारा
प्रेम मूर्ति! हमारी मंद बुद्धि ने तुमको ही मारा
रक्तपात जारी है हुई अहिंसा आज अपरिचित
सत्य मार्ग के सच्चे संत! तुम्हें माने है जग सारा
क्षमा करें बापू तुम्हें हम कितना उदास कर रहे
झूठे फरेबी मक्कारों से सजा है देश हमारा
मुंह में राम छुरी बगल में है यही संदेश हमारा
सन्यासी मुनि बनकर शैतान पनप रहे चहुंओर
सज्जनता का खोल उस पर कपटी भेष हमारा
दिखा सभी को दिवास्वप्न छद्म उजास भर रहे
सचाई की खोज में तुम्हारा बीता सारा जीवन
चाहते थे भारत बने जग में सबसे सुंदर उपवन
हम अपने धर्मनिरपेक्षता पर झगड़ने सदा तत्पर
सादा जीवन उच्च विचार है हमारे लिए पुरातन
तोड़ मरोड़ चीर फाड़ से अपने इतिहास तर रहे
मृत नहीं आशा अब भी उम्मीद फिर भी बाकी है
कल के सुंदर शांत देश का स्वप्न अब भी बाकी है
टूटेंगे तिमिर के प्रकोप नया सूर्य होगा गगन में
नवोदय की बेला में हमारा नव निर्माण भी बाक़ी है
हम नव प्रयासों से पतझड़ को मधुमास कर रहे
अब न डरेंगे भीषण झंझावाती भयानक गर्जन से
बापू का आह्वान करेंगे हम अपने शांति के सर्जन से
कुटिल वैमनस्य संकीर्णता का दामन छोड़ेंगे हम सब
समभाव समरस समाज सृजेंगे अहंकार विसर्जन से
सड़ी गली भावनाएं हटा इस बगिया में सुवास भर रहे।।

## धूप में...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

ठंडी हवा भींगी ख्वाहिशें...
अच्छा लगता है
हमेशा बने रहे ये हालात...
अच्छा लगता है
शिकवा क्या करें,
हम बातों में बहलते रहे
धूप में चलते रहें, छाँव में गलते रहे
अपनी आंखों से उसकी.. मिलाता रह गया
दोस्त बन कर दिल को बहलाता रह गया
कैसे कैसे ..अजदहे आस्तीन में पलते रहे
धूप में चलते रहे, छाँव में पलते रहे
तू भूल सकती नहीं, मैं भूल सकता नहीं
जो मिला प्यार में, अब मिल सकता नहीं
ऐ जमाने क्यूँ बनाए सपनें,...मचलते रहे
धूप में चलते रहे, छाँव में गलते रहे
चुप रहे हैं अब तक,अब और रहा न जाए
छोड़ पुराना रूप प्रियवर नया भेष अपनाए
किसने देखी मेरी आग,तिलतिल मचलते रहे
धूप में चलते रहे, छाँव में गलते रहे ।।

## नवरात्रि

रेणुका अग्रवाल

माँ तू जगत की जननी है।
तू ही माँ सबकी धरनी है।
कष्टों से मुक्ति दिलाती हो,
अन्न शाक सब तेरी करनी है।
तू ही शिव की दूती है।
तू ही भय को हरती है।
तुम बिन न कोई सहारा है।
सबका पेट तू ही तो भरती है।
मस्तक पर अर्ध चन्द्र विराजे।
क्रोध में नयनों भृकुटि साजे।
सिद्धियाँ तुझसे जागृत होती,
टंकार से शत्रुओं को भगावे।
जो तेरी भक्ति करते हैं माँ।
भवसागर से तरते हैं माँ।
रोगों को तुम नष्ट करते हो,
तुम पर सब आस धरते हैं माँ।
नो दिन तेरी पूजा करते।
मन इच्छा फ़ल तुझसे मंगते।
सुहाग देती कन्याओं को तुम,
जिनसे हम सब दुःख हरते।
तेरी मेहर जिसपर हो जाती।
वो हर संकट से दूर हो जाती।
सारे सुख क़दमों में उसके,
वो सौभग्य वती कहलाती।

## कामयाबी

टी तारासिंह
हैदराबाद

आज रोयेगा तो कल जरूर हसेगा
तेरी ज़िंदगी है कभी खुशी कभी गम
भूख से तडपकर रोयेगा तो रोटी खायेगा
तू धुप में जलेगा तो तेरा खून पकेगी
मजदूर बनेगा तेरा जिस्म फौलाद बनेगा
तेरी मेहनत तुझे कामयाबी दिलायेगी
छुपा है जमी में कोयला सोना ओर चांदी
उसे निकालेगा एक एक खतरा खून पसीना बहायेगा
मिट्टी से बने हैं सपनो के ऊचे ऊचे महले
तेरा सपना है जमी से आसमां में उडने का
जमी है तेरी माँ काम है तेरा धर्म करम
जिसके पास है रूपया वही है बड़ा बादशाह
दिल का दर्द समेट लेगा साझ तक
मिल कर बाल बच्चों से छू होगा तेरा दर्द
फिर सवेरे वही कशमकश रोटी के लिए
वही दरद मगरीब तक जख्म सूखने तक ।।

**

## हम बड़भागी भारत के वासी

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

परम पुनीत कारज जनजाता,
तनय भये पितर मोक्षदाता ।
वेद पुराण उपनिषद के ज्ञाता,
नीति- रीति व्यवहार बतावा,
पितरपक्ष का महत समझावा,
दान-पुण्य कर पुण्य कमावा,
आश्विन कृष्ण पक्ष पित्रृपक्ष कहावा ।
हम बड़भागी भारत के वासी
समृद्ध संस्कृति धरोहर हमारी,
धर्म सम्मत कारज सब कीन्हीं,
अटल अटूट आस्था लीन्हीं।
परिजन पितृपक्ष पूर्वज बुलावा
अर्पण तर्पण कर सुख पावा,
पितरों से आशीष पावा पुण्यलोक
यह देश कहावा,
मृत्यु पर्यंत सम्मान है पावा
हम बड़भागी भारत के वासी
जहाँ की है यह रीति निराली ।

## हौसलों की उड़ान

चलो भरे हौसले की उड़ान,
पार करें हर इम्तिहान,खुद से वादा करके
करें स्वयं की बात का सम्मान।
हमारा है यह प्यारा सा जहान,
थम जाएगा यह भी एक तूफान,
कोशिश करके तो देखें,
हमारी जमी हमारा आसमान।
दो कदम में क्यों हुई हमें थकान,
जब छोड़ने हैं हमारे अनोखेपन के निशान,
अपने अंदर के वह हुनर को दिखाएं,
यह दुनिया भी देखकर हो जाए हैरान।
पूरे होंगे हमारे सारे अरमान,
भरेंगे हम स्वयं में
आत्मविश्वास और स्वाभिमान,
हर नेक चीज में बेहतरीन
बनने की कोशिश हो,
लेते जाए संपूर्ण शिष्टाचार
और ज्ञान।
चलो भरे हौसले की उड़ान,
पार करें हर इम्तिहान,
खुद से वादा करके

-डॉ. माधवी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

करें स्वयं की बात का सम्मान।

## तेरी शादी करनी हैं

डॉ. डी. डी.
देसाई

जितना लिखना -पढ़ना था, पढ़ लिया,
खेलना -कूदना था, खेल लिया,
तुमने हर बात हमसे मनवा ली
तुम मान जाना भी सीख ले जरा
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।
भोर में उठने की आदत डालना,
घर सवाँरना आँगन सजाना
रसोई का जिम्मा संभाल लेना,
बचकानी हरकतों को त्याग दे,
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।
किताबों को ताक पर रख देना,
चूल्हा चौका समझ लेना,
बर्तन, झाड़ू -पोछा में तेज बन,
बिखरी चीजोंको समेटना सीख ले,
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।
यूँ बुजुर्गों के सामने उछला न कर,
बड़ों का आदर सम्मान कर,
आईना.. श्रृंगार से मुंडी हटा
पूजा घर में थोड़ा हाथ बँटा,
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।
चिल्लम चिल्ली, उछलना कूदना
और बेतुकी बातों को त्याग दे।
सर झुका कर जीने का लहजा सीख,
तहजिब -तमीज़ को खुद में पनाह दे,
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।
पता हैं हमें.... ये मुश्किल होगा
अपनी माँ से सहन करना सीख ले,
पिता से जिम्मेदारी निभाना सीख ले,
भाई -बाहनों से रिश्ते निभाना सीख ले,
अब तेरी शादी करनी हैं हमें।

## मां दुर्गा

ओमकार सर्डिवाल

मां तेरा आना भक्तों के बीच,
लागे जगमगाती खुशियों के दीप।
अरे सुन लो रे सुन लो क्या कहे,
मां के पास बरा यह दीप,
भक्त जो खड़े हैं अंधकार में,
उनको दिशा दिखाएं प्रकाश में...
मां तेरा आना भक्तों के बीच,
लागे जगमगाती खुशियों के दीप।
अरे सुन लो रे सुन लो क्या कहें,
मां के सम्मुख बोएं जवारे,
भक्तों को उनका भविष्य बताएं,
आने वाले समय से अवगत कराएं...
मां तेरा आना भक्तों के बीच,
लागे जगमगाती खुशियों के दीप।
अरे सुन लो रे सुन लो क्या कहे,
मां के पास जो हुई घट स्थापना,
विघ्नों को हरण करें स्वयं विराजे,
शुभ मंगल फल देवें गजानंद आवे...
मां तेरा आना भक्तों के बीच,
लागे जगमगाती खुशियों के दीप।
अरे सुन लो रे सुन लो क्या कहे,
मां के पास चढ़ाया हुआ तांबूल,
मीठा मीठा पान खाए माता रानी,
हम पर अपनी कृपा बनाए माता रानी...
मां तेरा आना भक्तों के बीच,
लागे जगमगाती खुशियों के दीप।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम



# क्या राहुल गांधी के सपनों की नई कांग्रेस यही है ?

श्रवण गर्ग

असली कांग्रेस किसे माना जाना चाहिए ? क्या उसे जो इस समय राहुल गांधी के नेतृत्व में मल्लिकार्जुन खड़गे के राज्य कर्नाटक में लाखों लोगों के स्वागत के बीच सड़कों से गुज़र रही है या फिर उसे जो नए अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद नई दिल्ली में प्रकट होने वाली है ? या दोनों को ही ? कांग्रेस के असली चेहरे को लेकर देश की जनता को भ्रम में डाल दिया गया है। लोग इसी प्रतीक्षा में थे कि नई कांग्रेस का जन्म तो पाँच महीने की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद जनता के बीच से होने वाला है।

वर्ष 1998 में सीताराम केसरी की जगह सोनिया गांधी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था ।तभी से यह पद बिना किसी चुनाव के सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच बंटता रहा है। ख़ुशियाँ मनाई जा सकतीं हैं कि चौबीस सालों के बाद पहली बार कोई ग़ैर-गांधी अध्यक्ष चुनावों के ज़रिए पार्टी को प्राप्त होने जा रहा है।

गर्व के साथ प्रचार किया गया है कि 'गांधी परिवार' के किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप के बिना होने जा रहे चुनाव में खड़गे द्वारा नामांकन दाखिल करते समय पार्टी के सारे वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। इनमें मनीष तिवारी, पृथ्वीराज चव्हाण, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और आनंद शर्मा सहित गांधी परिवार को चुनौती देने वाले जी-23 के विद्रोही नेता भी शामिल थे। दावा किया जा रहा है कि 19 अक्टूबर को दिल्ली में एक नई और प्रजातांत्रिक कांग्रेस का जन्म हो रहा है। पहले एक ही कांग्रेस थी । चुनावों के बाद दो हो जाएँगी। एक राहुल की और दूसरी खड़गे के नेतृत्व में 'परिवार' के नियंत्रण की। बताया जा रहा है कि आंदोलन चलाने का काम राहुल करेंगे और गांधी परिवार और कार्यकर्ताओं के बीच सेतु की भूमिका खड़गे निभाएँगे।

अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी को लेकर मचे घमासान से बात साफ़ हो गई थी कि 'परिवार' पार्टी संगठन पर अपनी पकड़ को ढीली नहीं पड़ने देना चाहता है। अस्सी-वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे की एंट्री के बाद चीजों को लेकर ज़्यादा स्पष्टता आ गई है कि 17 अक्टूबर को मुक़ाबला परिवार के प्रति 'वफ़ादारी' और विद्रोहियों द्वारा की जा रही पार्टी के 'सामूहिक नेतृत्व' की माँग के बीच होना है। सभी मानकर चल रहे हैं कि जीत अंत में 'वफ़ादारों' की ही होती है।

कांग्रेस के ताज़ा घटनाक्रम के बाद भाजपा भी राहत की साँस ले सकती है कि नए कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर उसे ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। कांग्रेस में कुछ भी बदलने नहीं जा रहा है। चुनाव-प्रचार के लिए उसका यह आरोप क़ायम भी रह सकेगा कि 'नए' अध्यक्ष के बाद भी कांग्रेस पार्टी पर 'पुराने' परिवार का ही नियंत्रण क़ायम है।

दिग्विजय सिंह ने तैयार सक्रिप्ट के मुताबिक़, नामांकन पत्र तो प्राप्त कर लिए थे पर अपने आप को पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार नहीं घोषित किया। उन्हें जानकारी थी कि वे डमी केंडिडेट हैं, 'परिवार' की अंतिम पसंद नहीं । गांधी परिवार द्वारा खड़गे को अधिकृत

उम्मीदवार बनने के लिए तैयार किया जा रहा है। खड़गे के चुनावी मैदान में प्रवेश के साथ ही ज़ाहिर हो गया कि गहलोत के बाद 'परिवार' का सबसे ज़्यादा विश्वास किस उम्मीदवार को हासिल है।

दिग्विजय ही अगर अंतिम रूप से भी मैदान में बने रहते तो वे निश्चित ही डमी अध्यक्ष की तरह काम करने को तैयार नहीं होते। परिवार को इस बात का अंदेशा रहा होगा। इसलिए खड़गे को राज़ी किया जाना ज़रूरी था। एक मीडिया साक्षात्कार में दिग्विजय सिंह को कथित तौर पर यह कह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि किसी भी नेता को तानाशाह नहीं बल्कि बराबरी वालों के बीच पहला होना चाहिए (the first among equals)

अध्यक्ष पद के चुनावों को लेकर निकले लम्बे चल-समारोह में गहलोत ही सबसे ज़्यादा समझदार साबित हुए। गहलोत ने दिल्ली पहुँचकर गुलाबी नगरी में हुए कठपुतलियों के प्रदर्शन के लिए सोनिया गांधी से माफ़ी भी माँग ली और सचिन के भविष्य को आलाकमान की झोली में डालकर शांत भाव से जयपुर वापस लौट गए। सोनिया गांधी से मुलाक़ात के बाद गहलोत ने इस बात का कोई खुलासा नहीं किया कि क्या उन्होंने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की सिफ़ारिश की है और वे अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।( केरल के प्रसिद्ध अख़बार 'मलयाला मनोरमा' ने अपने कुशल फ़ोटोग्राफ़र द्वारा ली गई उस कथित नोट-शीट का चित्र उजागर किया है जिसे सोनिया गांधी से चर्चा के लिए गहलोत बिंदुवार तैयार करके दस जनपथ के अंदर ले गए थे। नोट शीट पर लिखे बिंदु गहलोत द्वारा सोनिया गांधी से हुई चर्चा के बाद पत्रकारों को दिए गए ब्यौरे से अलग कहानी कहते हैं।)

लोगों की रुचि अब इस बात को जानने में है कि क्या अध्यक्ष के चुनाव के बाद कांग्रेस में सब कुछ ठीक हो जाएगा या पार्टी के लिए अंदरूनी और बाहरी चुनौतियाँ बढ़ने वाली हैं ? क्या कांग्रेस एक सशक्त विपक्षी दल के तौर पर भाजपा का मुक़ाबला करने के लिए सक्षम हो सकेगी ? राहुल गांधी अगले महीने के अंत में इक्कीस दिनों के लिए राजस्थान में प्रवेश करने वाले हैं और इस दौरान उनका कोटा की सड़कों से गुजरना भी प्रस्तावित है जहां के एक विधायक गहलोत के कट्टर समर्थक और जयपुर एपिसोड के शिल्पकार शांतिलाल धारीवाल हैं।

खड़गे आलाकमान के पर्यवेक्षक के तौर पर अजय माकन के साथ जयपुर गए थे। उनकी उपस्थिति में ही विद्रोही विधायकों का सारा ड्रामा हुआ था। अब पार्टी के नए अध्यक्ष के रूप में खड़गे की आगामी भूमिका इस बात से तय होगी कि वे गहलोत के मुख्यमंत्री पद ,सचिन पायलट के भविष्य और विद्रोही विधायकों के बारे में क्या फ़ैसला लेते हैं। कहा यही गया था कि गहलोत को लेकर कोई निर्णय एक-दो दिन में हो जाएगा । राजस्थान-संकट को लेकर लिया जाने वाला कोई आक्रामक फ़ैसला ही अब तय करेगा कि कांग्रेस का संकट ख़त्म हो गया है या और बढ़ने वाला है। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि नई दिल्ली में लिए जा रहे फ़ैसलों से राहुल गांधी पूरी तरह से अवगत और सहमत हैं और अपनी यात्रा की समाप्ति पर पाँच महीनों के बाद जब वे दिल्ली लौटेंगे कांग्रेस उन्हें पूरी तरह बदली हुई मिलेगी।

# नया नहीं है कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बवाल

बात 1946 की है। देश आजाद होने वाला था और ये तय था कि कांग्रेस का अध्यक्ष ही देश का पहला प्रधानमंत्री बनेगा। कांग्रेस की 15 में से 12 प्रदेश समितियां सरदार पटेल को अध्यक्ष चुनने के पक्ष में थीं, लेकिन गांधी के कहने पर पटेल रेस से हट गए और अध्यक्ष बने जवाहरलाल नेहरू। ये किस्सा कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव से जुड़े सबसे विवादित और चर्चित किस्सों में से है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव हमेशा से ही राजनीति और विवादों का मंच बनता रहा है। 17 अक्टूबर को कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए चुनाव होना है। नामांकन दाखिल हो चुके हैं। अध्यक्ष बनने के लिए शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे आमने-सामने हैं।

**अब बात कांग्रेस के अध्यक्ष चुनावों से जुड़े 4 सबसे चर्चित और विवादित किस्सों की।**

1. सुभाष चंद्र बोस ने गांधी के उम्मीदवार को हराया, फिर दिया इस्तीफा, पार्टी भी छोड़ी। 1938 में हरिपुर में हुए अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस निर्विरोध कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए। आजादी के आंदोलन की दिशा को लेकर कई मुद्दों पर बोस और महात्मा गांधी के बीच वैचारिक मतभेद थे। 1939 में बोस ने दूसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की। उस समय अध्यक्ष पद के लिए महात्मा गांधी की पहली पसंद अबुल कलाम आजाद थे, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। गांधीजी ने जवाहर लाल नेहरू को अध्यक्ष बनने को कहा, लेकिन पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके नेहरू ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। आखिरकार गांधीजी ने आंध्र प्रदेश से आने वाले कांग्रेस नेता पट्टाभि सीतारमैया को चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया। 29 जनवरी 1939 को मध्य प्रदेश के त्रिपुरी में हुए कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में सुभाष को 1580 और सीतारमैया को 1377 वोट मिले। सुभाष की जीत के बाद गांधीजी ने कहा था, 'मैं उनकी (सुभाष) जीत से खुश हूं...और क्योंकि मेरी वजह से ही पट्टाभि ने अध्यक्ष पद से नाम वापस नहीं लिया था, इसलिए ये हार उनसे ज्यादा मेरी है...।' बोस की जीत के बाद गांधीजी ने कहा कि उन्हें अपनी वर्किंग कमेटी का गठन करना चाहिए। गांधी समर्थक कांग्रेस वर्किंग कमेटी और सुभाष के बीच स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा और कांग्रेस की कार्यशैली को लेकर पहले से जारी मतभेद और गहराते गए। 8 फरवरी 1939 को सरदार पटेल ने राजेंद्र प्रसाद को लिखे खत में कहा, 'उनके (सुभाष) साथ काम करना मुश्किल है, क्योंकि उन्हें काम करने में आजादी चाहिए।'

22 फरवरी 1939 को वर्धा में सीडब्ल्यूसी की बैठक में गांधी समर्थक मानी जाने वाली कांग्रेस वर्किंग कमेटी के 15 में से 13 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 10-12 मार्च के बीच त्रिपुरी में कांग्रेस के सेशन में सुभाष बीमार होने के बावजूद स्ट्रेचर पर पहुंचे, लेकिन गांधीजी ने इस बैठक में हिस्सा नहीं लिया। इस्तीफा देने वाले कांग्रेस वर्किंग कमेटी के बाकी सभी सदस्य बैठक में मौजूद थे। बैठक में एक प्रस्ताव पेश करते हुए गांधी की नीतियों के प्रति कांग्रेस की निष्ठा व्यक्त की गई और नए अध्यक्ष से गांधी की इच्छा के अनुसार काम करने और नई वर्किंग कमेटी गठित करने की अपील की गई। इस प्रस्ताव के बाद सुभाष के पास गांधी की इच्छाओं को मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था, वो भी तब जब गांधी ने सीतारमैया की हार को अपनी निजी हार के रूप में लिया था।

सुभाष अध्यक्ष तो बन गए थे, लेकिन उनके पास वर्किंग कमेटी नहीं थी। आखिरकार सुभाष चंद्र बोस ने वर्किंग कमेटी गठित न कर पाने का हवाला देते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस छोड़कर फॉरवर्ड ब्लॉक नाम से नई पार्टी बनाई। पट्टाभि सीतारमैया आजादी के बाद 1948 में नेहरू के समर्थन से कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।

**2. पटेल बनाम नेहरू की जंग में गांधीजी ने नेहरू का पक्ष लिया**

मौलाना अबुल कलाम आजाद को 1940 में रामगढ़ सेशन में कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। वे अप्रैल 1946 तक इस पद पर रहे। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद लगभग तय हो चुका था कि भारत की आजादी ज्यादा दूर नहीं है। उस समय ये भी तय था कि देश की सबसे बड़ी और प्रमुख पार्टी होने के नाते कांग्रेस अध्यक्ष ही आजाद भारत का पहला प्रधानमंत्री बनेगा। मौलाना आजाद की आत्मकथा 'इंडिया विंस फ्रीडम' के मुताबिक, 1946 में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मौलाना आजाद ने फिर से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन 20 अप्रैल 1946 को महात्मा गांधी ने अध्यक्ष पद को लेकर जवाहरलाल नेहरू के रूप में अपनी पसंद जाहिर कर दी। उधर गांधीजी के समर्थन के बावजूद कांग्रेस पार्टी सरदार वल्लभ भाई पटेल को अध्यक्ष और पहला प्रधानमंत्री बनाने के समर्थन में थी। उस समय तक कांग्रेस अध्यक्ष को केवल प्रदेश कांग्रेस समितियां ही नॉमिनेट और चुन सकती थीं। कांग्रेस की 15 में से 12 प्रदेश समितियों ने सरदार पटेल को नॉमिनेट किया। एक भी प्रदेश कांग्रेस समिति ने नेहरू को नामित नहीं किया था। हालांकि, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के कुछ सदस्यों ने नेहरू के नाम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं था। गांधीजी ने नेहरू से बात की, लेकिन जब उन्हें पता चला कि नेहरू दूसरे स्थान पर रहने को तैयार नहीं हैं, तो उन्होंने पटेल से अपना नाम वापस लेने को कहा। पटेल के हटने के बाद नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया। मई 1946 में नेहरू अध्यक्ष बन गए। इसके एक महीने बाद वायसराय ने नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री भी बने। ब्रेकर ने लिखा है, 'अगर गांधी ने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो पटेल 1946-47 में भारत के पहले प्रधानमंत्री होते ।

**3. सीताराम केसरी,** कांग्रेस का वो अध्यक्ष, जिसे कमरे में लॉक कर दिया गया था। 1996 में बिहार से आने वाले सीताराम केसरी कांग्रेस के अध्यक्ष बने और 1997 में सोनिया गांधी की पॉलिटिक्स में एंट्री हुई। केसरी आजादी के आंदोलन के समय से कांग्रेस से जुड़े थे और आजादी के लिए कई बार जेल भी गए। वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और नरसिम्हा राव कैबिनेट में मंत्री भी रहे थे।

1998 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए। कांग्रेस अध्यक्ष केसरी की जगह सोनिया गांधी पार्टी की मेन कैंपेनर बनीं। सोनिया की सभाओं में जमकर भीड़ जुटती थी, लेकिन कांग्रेस 141 सीटें जीत पाई और बहुमत और सत्ता दोनों से दूर रह गई। कांग्रेस की हार का ठीकरा फोड़ा गया पार्टी अध्यक्ष सीताराम केसरी पर। लोकसभा चुनावों में पार्टी की हार की समीक्षा के लिए 5 मार्च 1998 को शरद पवार, जितेंद्र प्रसाद, एके एंटनी और प्रणब मुखर्जी जैसे नेताओं ने बैठक की और इन नेताओं ने सोनिया से अध्यक्ष बनने की अपील की। 9 मार्च 1998 को सीताराम केसरी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन ये कहते हुए इस्तीफा वापस ले लिया कि वह अपना पद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान छोड़ेंगे। केसरी इसके बाद अध्यक्ष पद पर ज्यादा दिन टिक नहीं सके। 14 मार्च 1998 की सुबह केसरी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पार्टी के दिल्ली स्थित 24, अकबर रोड हेडक्वॉर्टर पहुंचे। इधर प्रणब मुखर्जी के घर पर हुई प्रमुख कांग्रेस नेताओं की बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए-पहला केसरी को अध्यक्ष पद से हटाना और दूसरा सोनिया को अध्यक्ष बनाना।

केसरी जब पार्टी हेडक्वॉर्टर पहुंचे, तो तारिक अनवर को छोड़कर कांग्रेस का कोई भी नेता केसरी के स्वागत में खड़ा नहीं हुआ। जब प्रणब मुखर्जी ने केसरी को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देते हुए सोनिया के अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव रखा, तो केसरी गुस्से में बैठक छोड़कर अपने ऑफिस से चले गए। मनमोहन सिंह समेत कुछ कांग्रेसी नेता केसरी को मनाने के लिए उनके पीछे गए, लेकिन उन्होंने वापस लौटने से इनकार कर दिया। केसरी को सोनिया के अध्यक्ष बनने तक अगले कुछ घंटों के लिए उनके कमरे में बंद कर दिया गया। उसी दिन बाद में जब केसरी घर जाने के लिए अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे, तो कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उनकी धोती तक खींचने की कोशिश की थी।

इस घटना के एक साल बाद 20 मई 1999 को कांग्रेस हेडक्वॉर्टर में सोनिया की लीडरशिप को चुनौती देने के लिए शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर को पार्टी से निकालने के लिए बैठक हुई थी। उस बैठक में पहुंचे केसरी के साथ धक्का-मुक्की हुई थी।

सोनिया के अध्यक्ष बनने के बाद सीताराम केसरी कांग्रेस में लो-प्रोफाइल नेता बनकर रह गए। अप्रैल 2000 में राज्यसभा कार्यकाल पूरा होने के बाद पार्टी ने उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा।

**4. जितेंद्र प्रसाद:** 1999 में कांग्रेस ने तीन सीनियर नेताओं शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर को सोनिया के खिलाफ बगावत के लिए पार्टी से निकाल दिया। इन तीनों नेताओं ने ये कहते हुए सोनिया का विरोध किया था कि इटली मूल की होने और अनुभवहीनता की वजह से वह भारत की प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं हैं। इन तीनों नेताओं को पार्टी से निकाले जाने के बाद भी सोनिया के नेतृत्व के खिलाफ विरोध थमा नहीं। अब विरोध की कमान राजेश पायलट और जितेंद्र प्रसाद जैसे वरिष्ठ नेताओं के हाथ में आ गई। जितेंद्र प्रसाद उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में उस ब्राह्मण जमींदार परिवार से आते थे, जिसके परिवारिक संबंध पश्चिम बंगाल में टैगोर और पंजाब के कपूरथला स्टेट से थे। 1985 में, राजीव गांधी ने उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का महासचिव और बाद में अपना राजनीतिक सचिव बनाया था। 1991 में जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने और फिर कांग्रेस अध्यक्ष बने तो उन्होंने भी जितेंद्र प्रसाद को अपना राजनीतिक सचिव बनाया।

जितेंद्र प्रसाद ने सोनिया के खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर कहा था, 'मेरा सोनिया से कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है, लेकिन मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से मान्यता चाहता हूं। मैं असहमति और आंतरिक लोकतंत्र के अधिकार को बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं।'

जितेंद्र प्रसाद ने सोनिया के खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर कहा था, 'मेरा सोनिया से कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है, लेकिन मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से मान्यता चाहता हूं। मैं असहमति और आंतरिक लोकतंत्र के अधिकार को बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं।'साल 2000 में सोनिया से पार्टी की कमान छीनने के लिए जितेंद्र प्रसाद और राजेश पायलट ने अभियान छेड़ते हुए कई रैलियां कीं, लेकिन तभी अचानक 11 जून को रोड एक्सीडेंट में 55 साल के राजेश पायलट की मौत हो गई। पायलट ने आधिकारिक तौर पर कभी सोनिया के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान नहीं किया था, लेकिन 62 साल के जितेंद्र प्रसाद ने सोनिया के खिलाफ अध्यक्ष पद के चुनाव में दावा पेश कर दिया। प्रसाद आजादी के बाद नेहरू-गांधी परिवार के सदस्य को अध्यक्ष पद के लिए चुनौती देने वाले पहले कांग्रेसी नेता थे। समर्थन जुटाने के लिए जितेंद्र प्रसाद ने देश भर का दौरा किया, लेकिन उन्हें कांग्रेस इकाइयों का ज्यादा समर्थन नहीं मिला। जब प्रसाद समर्थन जुटाने लखनऊ में कांग्रेस ऑफिस पहुंचे तो ये बंद था और वहां कोई नहीं था।

कांग्रेस का कोई भी नेता उनके साथ नजर नहीं आना चाहता था। 9 नवंबर 2000 को सोनिया गांधी और जितेंद्र प्रसाद के बीच हुए कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में जितेंद्र प्रसाद को करारी हार का सामना करना पड़ा। 7542 वोटों में से सोनिया को 7448 और प्रसाद को 94 वोट ही मिले।

प्रियंका सौरभ

# अनचाहे गर्भ से कानूनी छुटकारा क्या बदलेगी तस्वीर?

प्रजनन अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने विवाहित और एकल महिलाओं के लिए गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक सुरक्षित और कानूनी गर्भपात के अधिकार को बढ़ा दिया, यह कहते हुए कि ₹हर महिला का अधिकार है कि वह बिना किसी हस्तक्षेप के प्रजनन विकल्प चुन सके। अब, देश में सभी महिलाएं, वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना, गर्भावस्था में 24 सप्ताह तक गर्भपात करा सकती हैं। एकल, अविवाहित महिलाओं को भी सुरक्षित और कानूनी गर्भपात का अधिकार है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर विवाहित महिला का गर्भ उसकी इच्छा के विरुद्ध है तो इसे बलात्कार की तरह देखते हुए उसे गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। शादी के बाद यदि महिला की मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाया जाता है तो यह भी रेप की श्रेणी आएगा। यह अधिकार उन महिलाओं के लिए राहतकारी होगा, जो अनचाहे गर्भ को जारी रखने को विवश हैं।

क्या एक महिला को गर्भपात के अधिकार से महज इसलिए वंचित रखा जा सकता है क्योंकि वह अविवाहित है। देश की सर्वोच्च अदालत का मानना है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक विवाहिता को भी अपने शरीर और अपने गर्भ को लेकर फैसला लेने का उतना ही अधिकार है जितना कि एक विवाहित महिला को होता है। दरअसल इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले से बिल्कुल अलग दिखा है सुप्रीम कोर्ट का फैसला। इसी मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा था कि आप इस तरह बच्चे को क्यों मारना चाहती है? दुनिया में गोद लेने के लिए लोगों की लंबी कतार है फिर आखिर जरूरत क्या है ऐसा करने की।

हाईकोर्ट ने ये भी कहा था कि हम याचिकाकर्ता को बच्चा पालने के लिए मजबूर नहीं कर रहे। हम उसको वह सब सुविधाएं देंगे कि वह बच्चे को एक सुरक्षित तरीके से जन्म देने अस्पताल जाए और बिना अपनी पहचान बताएं अपने घर वापस आ जाये। आखिर कोर्ट ने ऐसी टिप्पणी क्यों की? दरअसल ये मामला दिल्ली हाईकोर्ट में 25 साल की एक लड़की का है। इसमें उसने याचिका की थी कि वह 23 सप्ताह और 5 दिन की प्रेगनेंसी को खत्म करना चाहती है।

लड़की ने कोर्ट में कहा कि वह आपसी सहमति से बने संबंधों के चलते प्रेग्नेंट हुई। लेकिन अब वह इस बच्चे को रखना नहीं चाहती क्योंकि उसके पार्टनर ने उससे शादी करने से मना कर दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि क्योंकि युवती के साथ धोखा हुआ है और युवती बच्चे के पालन पोषण के लिए आर्थिक सामाजिक रुप से ठीक नहीं है। ऐसे में युवती द्वारा बच्चों को पैदा करना उसके लिए एक मानसिक चोट जैसा होगा इसलिए युवती को मेडिकल प्रेगनेंसी एक्ट 2003 के तहत अबॉर्शन करवाने की अनुमति दी जाए। दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह कहते हुए इस अपील को दरकिनार कर दिया क्योंकि प्रेगनेंसी आपसी संबंधों के चलते हुई है और एबॉर्शन की मांग मेडिकल प्रेगनेंसी एक्ट 2003 के तहत नहीं आती। मगर साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि हम लड़की को बच्चे को पालने के लिए मजबूर नहीं कर रहे हैं। बच्चे को पालने के लिए आया खर्च भारत सरकार या दिल्ली सरकार वहन करेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जज अपनी जेब से खुद पैसे भरेंगे। युवती ने एक अपील भी की थी कि अविवाहित महिलाओं के लिए मेडिकल टर्मिनेशन एक्ट 2003 में संशोधन किया जाए। साल 2021 में मेडिकल टर्मिनेशन बुलेट में संशोधन किया गया था और विवाहित महिलाओं के लिए अबॉर्शन समय समय बढ़ाकर 24 हफ्ते का कर दिया गया था। लेकिन यह सभी महिलाओं के लिए नहीं किया गया था। कुछ स्पेशल मामलों में किया गया था और इन स्पेशल केस में सहमति से बने संबंधों के फलस्वरूप हुए गर्भ को हटाने का स्थान नहीं दिया गया था। देश में अबॉर्शन पर पहला कानून 1971 में बना था इसे एमटीपी एक्ट 1971 के नाम से जाना जाता है। इसके बाद साल 2021 में एमटीपी एक्ट 1971 में संशोधन किया गया। संशोधन के बाद कानून में यह जगह बनी कि प्रेगनेंसी के पहले 20 हफ्ते की जगह 24 हफ्ते का गर्भपात करवाया जा सकता है। यह 4 हफ्ते का पीरियड स्पेशल केस में ही दिया गया। स्पेशल केस में रेप के द्वारा हुई प्रेगनेंसी या माइनर प्रेगनेंसी या मैरिटल स्टेटस बदलने के बाद भी प्रेग्नेंसी जैसे विधवा या तलाक के मामले में रखा गया। लेकिन यह सब प्रावधान है एकल महिला के लिए नहीं किए गए और ना ही 26 हफ्ते की प्रेगनेंसी हटाने की बात कही गई। यहां तक की रेप पीड़िता को भी 26 हफ्ते का अबॉर्शन करवाने की अनुमति नहीं दी गई। हाल ही में 17 साल की एक लड़की द्वारा जो रेप पीड़ित थी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई कि उसे 26 हफ्ते की प्रेगनेंसी को हटवाने की अनुमति दी जाए। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि वह इस लड़की को ऐसे में बच्चा पैदा करने कि नहीं कह सकते और उसे अबोर्ट करवाने की अनुमति दी गई।

हमारे देश में महिलाओं के लिए देश के कानून है कि वह बच्चा रखना चाहती है या नहीं लेकिन स्थिति अब भी बेहद बदसूरत है। आप भी जानते हैं वजह वही पुरानी है। भारत में अबॉर्शन को सबसे बड़ा टैबू माना जाता है। परिवार हो या अस्पताल हर जगह महिलाओं की अबॉर्शन के मामले में मोरल पुलिसिंग की जाती है और यही वजह है कि असुरक्षित अबॉर्शन के कारण देश में आये दिन हजारों महिलाओं की जान चली जाती है। भारत में, एक महिला को अपने पति, साथी या परिवार के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है यदि वह ₹स्वस्थ दिमाग₹ की वयस्क है और गर्भपात करवाना चाहती है। इसके बावजूद महिलाओं को कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

एक ऐसे समाज में जो अत्यधिक पितृसत्तात्मक है, महिलाओं को गर्भपात तक पहुंचना मुश्किल लगता है। स्वास्थ्य सेवा के लिए अक्सर महिलाओं से अपने पति, या परिवार के सदस्यों की अनुमति लेने के लिए कहते हैं, भले ही यह कानून द्वारा आवश्यक न हो। अक्सर, महिला की गोपनीयता और गोपनीयता की रक्षा नहीं की जाती है। यौनकर्मी, एचआईवी पॉजिटिव महिलाएं, आदिवासी महिलाएं, एकल महिलाएं और युवाओं के लिए गर्भपात तक पहुंचना और भी मुश्किल हो जाता है। और पहुंच की कमी असुरक्षित गर्भपात की ओर ले जाती है। नए कानून से शायद अब ऐसा न हो।

# विजयवाडा के इंद्रकीलाद्री पर्वत पर है कनक दुर्गा मां का प्राचीन मंदिर

कनक दुर्गा मंदिर एक हिन्दू मंदिर है जो कि भारत के राज्य आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में स्थित है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर पूर्णतयः माता दूर्गा को समर्पित है। मंदिर कृष्णा नदी के किनारे, इंद्रकीलाद्री पहाड़ी पर स्थित है। देवी कनक दुर्गा के बारे में कालिका पुराण, दुर्गा सप्तशती और अन्य वैदिक साहित्य में उल्लेख किया गया है। कनक देवी को स्वायंभु बताया गया है।

कनक दुर्गा को 'देवी शाकम्भरी' का रूप भी माना जाता है यहाँ शाकम्भरी उत्सव मनाया जाता है देश मे माँ शाकम्भरी का मुख्य मंदिर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के निकट शिवालिक पर्वत श्रृंखला मे है शाकम्भरी देवी ही कनक दुर्गा के नाम से विजयवाड़ा मे विख्यात है। मंदिर में माता कनक दुर्गा की 4 फुट उंची और शानदार व खूबसूरत गहनों से सुसज्जित मूर्ति स्थापित है। जिसमें माता के आठ सशस्त्र रूप को दर्शाया गया है तथा महिषासुर वध को दर्शाया गया है।

**कनक माता की कथा**

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा है- जब जब पृथ्वी पर राक्षसों ने तबाही मचाई है। तब तब राक्षसों को मारने के लिए माता पार्वती जी ने अलग अलग रूप धारण कियें। उन्होंने शुंभ और निशुंभ को मारने के लिए कौशिकी, महिषासुर के वध के लिए महिषासुरमर्दिनी व दुर्गमसुर के लिए दुर्गा जैसे रूप धारण कियें थे। कनक दुर्गा ने अपने श्रद्धालु कीलाणु को पर्वत बनकर स्थापित होने का आदेश दिया, ताकि वह वहाँ वास कर सकें। महिषासुर का वध करते हुए इंद्रकिलाद्रि पर्वत पर माँ आठ हाथों में अस्त्रयुक्त हो शेर पर सवार हैं। पास की ही एक चट्टान पर ज्योतिर्लिंग के रूप में शिव भी स्थापित हैं। ब्रह्मा ने यहाँ शिव की मलेलु (बेला) के पुष्पों से आराधना की थी, इसलिए यहाँ स्थापित शिव का एक नाम मलेश्वर स्वामी पड़ गया। ऐसा माना जाता है कि यहाँ पर इंद्र देव भी भ्रमण करने आते हैं, इसलिए इस पर्वत का नाम इंद्रकिलाद्रि पड़ गया। सनातन धर्म में किसी भी देवी को देवता के बाई ओर स्थापित किया जाता है परन्तु यहां पर मलेश्वर देव की दाईं ओर माता स्थापित है।

एक और पौराणिक कथा यह है कि अर्जुन ने युद्ध में जीतने के लिए इंद्रकीला पहाड़ी की चोटी पर भगवान शिव से प्रार्थना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विजय के बाद शहर का नाम 'विजयवाड़ा' पड़ा।

वार्षिक त्योहार

दशहरा के दौरान विशेष पूजा की जाती है जिसे नवरात्रि भी कहा जाता है। सबसे महत्वपूर्ण सरस्वती पूजा और थेप्पोत्सवम हैं।

देवी 'दुर्गा' के लिए दशहरा का त्यौहार हर साल यहाँ मनाया जाता है। बड़ी संख्या में तीर्थयात्री रंगारंग समारोहों में भाग लेते हैं और कृष्णा नदी में एक पवित्र स्नान करते हैं।

**शाकंभरी त्योहार**

वार्षिक देवी शाकंभरी त्योहार आषाढ़ माह में विशेष पवित्रता और समारोहों के साथ मनाया जाता है। तीन दिन तक चलने वाली उत्सव देवी के दौरान, कनक दुर्गा बानाशंकरी अम्मा मंदिर के शाकंभरी या बाणासकरी अम्मा का रूप धारण करती हैं, जिसमें देवी से सभी सब्जियों, कृषि और भोजन को आशीर्वाद देने के लिए प्रार्थना की जाती है ताकि समाज के सभी वर्गों को भरपूर पोषण मिल सकें। यह हर साल आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी से पूर्णिमा तक मनाया जाता है। देवी शाकंभरी मंदिर, उत्तर प्रदेश में सहारनपुर उत्तर के पास शिवालिक पर्वत श्रृंखला में स्थित है।

# आंध्र प्रदेश में स्थित है माता रानी के दो शक्तिपीठ

नवरात्रि के पर्व के दौरान माता के नौ रूपों का पूजन किया जाता है। ऐसे में आज हम आपको माता के शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं। माता रानी के 52 शक्तिपीठ है और इन शक्तिपीठों में शामिल है सर्वशैल रामहेंद्री शक्तिपीठ। आप सभी को बता दें कि आंध्र प्रदेश में माता रानी के दो शक्तिपीठ है। जी हाँ और उन्ही में से एक शक्तिपीठ का नाम सर्वशैल रामहेंद्री शक्तिपीठ है। सर्वशैल रामहेंद्री शक्तिपीठ पर माता का कौन सा अंग गिरा था अगर इसकी बात करें तो यहाँ माता के गाल गिरे थे। जी हाँ और इस स्थान पर भक्त माता के राकिनी और विश्वेश्वरी स्वरूप की पूजा करते हैं।

इसके अलावा एक अन्य शक्तिपीठ जो आंध्र प्रदेश में स्थित है वहां का नाम श्रीशैलम शक्तिपीठ है। कहा जाता है यह दूसरी शक्तिपीठ कुर्नूर जिले में है। जी हाँ और ऐसी मान्यता है कि श्रीशैलम शक्तिपीठ में माता सती के दाएं पैर की पायल गिरी थी। इसी के साथ ऐसा कहा जाता है यहां माता श्री सुंदरी के नास में स्थापित हैं। नवरात्रि के दौरान माता रानी के इन शक्तिपीठ में भयंकर भीड़ नजर आती है। यहाँ भारी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुँचते हैं और माता रानी को अपनी श्रद्धा भक्ति के अनुसार भोग लगाते हैं।

इस समय शारदीय नवरात्रि का पर्व चल रहा है और यह पर्व 9 दिनों तक मनाया जाने वाला पर्व है। इस पर्व में माता रानी के नौ रूपों का पूजन किया जाता है। नवरात्रि पर्व के दौरान महिलाओं को सजने-संवरने के लिए कहा जाता है और इस दौरान किसी भी नारी का अपमान नहीं करना चाहिए।

# कर्नाटक में स्थित है माता रानी का कर्नाट शक्तिपीठ, यहाँ गिरा था माँ का कान

नवरात्रि का पर्व चल रहा है और इस पर्व में माता रानी के नौ रूपों का पूजन किया जाता है। माताराानी के नौ रूप है और 52 शक्तिपीठ। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं कर्नाट शक्तिपीठ के बारे में। कहा जाता है इस शक्तिपीठ के स्थान के बारे में कुछ भी ज्ञात नहीं है। हालाँकि फिर भी यह मना जाता है इस शक्तिपीठ के कर्नाटक राज्य में स्थित होने की संभावना है।

जी दरअसल कर्नाटक राज्य में वैसे तो माँ दुर्गा के कई मंदिर हैं जो सभी माता को समर्पित हैं लेकिन पुराणों में वर्णित शक्तिपीठ किस स्थान पर है ये अभी भी अज्ञात है। आपको बता दें कि शक्तिपीठ महात्म्य के अनुसार जब श्री विष्णु ने माता सती के शरीर का विच्छेदन किया था, तब जिस जगह माता के दोनों कान गिरे वो कर्नाट शक्तिपीठ के नाम से जाना गया (जगह अज्ञात)। जी हाँ और कर्नाट शक्तिपीठ की शक्ति देवी 'जयदुर्गा' एवं भैरव 'अभिरु' हैं। वहीं कुछ विद्वानों का कहना है कि सम्भवतः ये माता की ही इच्छा है, जिसके कारण अभी भी उनके स्थान के बारे में भक्तों को कुछ पता नहीं चला है। हालाँकि हम यह कह सकते हैं कि माता किसी अज्ञात स्थान में तपस्यारत हैं और अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए शीघ्र ही पिंडी या मूर्ति रूप में प्रकट होंगी। आपको बता दें कि इसके अलावा यह भी कहा जाता है माता के अनेको मंदिर हैं जहाँ दर्शन करने से सभी काम सिद्ध हो जाते हैं और कर्नाटक में जितने मंदिर है सभी की अपनी-अपनी महिमा है।

## सूर्य के नजदीक आया शुक्रः आज से 20 नवंबर तक अस्त रहेगा शुक्र

**शुक्र अस्त और उदय का समय**

2 अक्टूबर से 20 नवंबर तक सूर्य से शुक्र की दूरी 10 डिग्री से भी कम रहेगी। इसी स्थिति को शुक्र का अस्त होना कहा जाता है। अस्त होने पर इस ग्रह का असर कम हो जाएगा। इस साल ये 50 दिनों के लिए अस्त हो रहा है।

**शुक्र ग्रह अस्तः** 2 अक्टूबर, रविवार को सुबह 5.50 पर शुक्र ग्रह उदयः 20 नवम्बर, रविवार को शाम 5.50 तक

शुक्र के शुभ फल में आएगी कमी

2 अक्टूबर को कन्या राशि में शुक्र के अस्त होने से इसका प्रभाव कम हो जाएगा और शुभ फलों में भी कमी आने लगेगी। शुक्र विलासिता का कारक ग्रह है। इसलिए इसके प्रभाव से सभी राशि वालों को हर तरह के सुख में कमी आ सकती है। शुक्र के कारण कई लोगों के वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। मुहूर्त चिंतामणि ग्रंथ के अनुसार शुक्र अस्त होने के दौरान हर तरह के शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं। जैसे विवाह, गृह प्रवेश, मांगलिक कामों की खरीदारी और अन्य संस्कार पूरे नहीं किए जा सकेंगे। इसके बाद 20 नवंबर को शुक्र के उदय होने पर शुभ काम हो पाएंगे।

**नहीं हो सकेंगे विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ काम**

शुभ और मांगलिक मुहूर्त में गुरु और शुक्र का उदय रहना बहुत ही जरूरी होता है। इनके अस्त होने पर किसी भी प्रकार के शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जा सकते हैं।

2 अक्टूबर को पश्चिम दिशा में शुक के अस्त होने से विवाह, मुण्डन, सगाई, गृहारम्भ, गृह प्रवेश, सूरज पूजा, प्रॉपर्टी और अन्य मांगलिक कामों की खरीदारी नहीं की जा सकती है।

## कालरात्रि

### देवी का सातवां स्वरूप

**नवरात्रि के सातवें दिन माता कालरात्रि की पूजा करते हैं। देवी का ये स्वरूप भयानक काल की तरह है, इनका जन्म रात में हुआ था। इसकारण इन्हें कालरात्रि कहते हैं। देवी ने रक्तबीज असुर का वध किया था।**

***भोग*** *– देवी कालरात्रि को गुड़ का भोग लगाएं।*

***संदेश*** *– देवी का ये स्वरूप डरे बिना लगातार काम करते रहने का संदेश देता है, तभी कामयाबी मिलती है।*

# यहाँ कटकर गिरी थी माताराानी की ऊपरी दाढ़ तो यहाँ गिरी थी माँ की नाभि

नवरात्रि के पर्व के दौरान माता के नौ रूपों का पूजन किया जाता है। ऐसे में आज हम आपको माता के शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं। माता रानी के 52 शक्तिपीठ है और इन शक्तिपीठों में शामिल है शुची नारायणी शक्तिपीठ। जी हाँ, 51 शक्तिपीठों में से एक शुची- नारायणी शक्तिपीठ कन्याकुमारी-तिरुअनंतपुरम मार्ग पर स्थित है और इसे शुचीतीर्थम शिव मंदिर कहा जाता है। जी हाँ और इसी को शुची नारायणी शक्तिपीठ कहते हैं। आपको बता दें कि अगर आप रेल मार्ग से यात्रा करना चाहते हैं तो कन्याकुमारी -दिल्ली मुंबई, चेन्नई, मदुरै, जम्मू, तिरुअनंतपुरम व एर्नाकुलम से जुड़ा हुआ है। तिरुअनंतपुरम से कन्याकुमारी ढाई घंटे की दूरी पर है।

इसके अलावा अगर आप हवाई यात्रा करना चाहते हैं तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुअनंतपुरम में है। जहां से कन्याकुमारी 105 किलोमीटर की दूरी पर है। इसी के साथ अगर आप रोड मार्ग से जाना चाहते हैं तो नियमित बसें तिरुअनंतपुरम से कन्याकुमारी के लिए चलती हैं। आपको बता दें कि शुची नारायणी शक्तिपीठ के भैरव संकूर हैं और शक्ति नारायणी। कहा जाता है यहां माता की ऊपरी दाढ़ गिरी थी और यही माता को नारायणी नाम मिला है। यहाँ माता रानी सभी की इच्छा को पूरा करने वाली मानी जाती है। माता अपने वरदान से हर भक्त की मुराद को सफल बनाने में योगदान देती हैं।

वहीं इसके अलावा विमला देवी शक्तिपीठ है जो उड़ीसा के उत्कल में देवी की नाभि गिरी थी। कहा जाता है यहां माता विमला नाम से जानी जाती हैं। जी हाँ और यहाँ हर साल भक्तों का बड़ा जमावड़ा आता है और माता के दर्शन कर उनका पूजन करता है।

# ऋचा चड्ढा-अली फजल की कॉकटेल पार्टी का वीडियो आया सामने,दिखा रोमांटिक अंदाज

ऋचा चड्ढा और अली फजल फाइनली 2 साल के इंतजार के बाद अब शादी के बंधन में बंधने जा रहे है. कपल 6 अक्टूबर को दिल्ली में सात फेरे लेने वाले है. इससे पहले दोनों ने प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन एंजॉय किया. मेहंदी और संगीत समारोह के बाद लवबर्ड्स एक कॉकटेल पार्टी में शामिल हुए.

इसमें दोनों साथ में काफी अच्छे लग रहे थे.

**ऋचा चड्ढा और अली फजल की कॉकटेल पार्टी**

ऋचा चड्ढा और अली फजल ने शुक्रवार रात कॉकटेल पार्टी में जाने से पहले पैपराजी को साथ में पोज दिया. ऋचा साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही थी और मल्टीकलर शेरवानी में अली काफी जच रहे थे. दोनों के हाथ में लगी मेहंदी भी साफ दिख रही थी. विरल भयानी ने वीडियो और कुछ तसवीरें अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है.

**संगीत समारोह की तसवीरें**

ऋचा चड्ढा और अली फजल ने अपने संगीत समारोह से रोमांटिक तसवीरें फैंस के साथ शेयर की थी. पहली तसवीर में अली ने उन्हें पीछे से हग किया हुआ है. दूसरी फोटो में दोनों एक-दूसरे में खोए दिखे. फोटोज के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मोहब्बत मुबारक. हैशटैग इसपर कई सेलेब्स ने कमेंट कर उन्हें बधाई दी.

**6 अक्टूबर को कपल लेंगं सात फेरे**

ऋचा चड्ढा ने अपनी मेहंदी की तसवीर इंस्टा पर लगाई थी. एक्ट्रेस की मेहंदी में 'ए एंड आर' लिखा हुआ दिखा था. कपल 6 अक्टूबर को सात फेरे लेंगे. उसके बाद वो 7 अक्टूबर को मुंबई में एक रिसेप्शन देंगे. बता दें कि कपल 2 साल से अपनी शादी को कोरोना की वजह से टाल रहे थे. ऋचा और अली साल 2012 में फुकरे के सेट पर मिले थे और उसके बाद दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई. फाइनली कुछ ही दिनों बाद वो शादी के बंधन में बंध जाएंगे.

## डांस प्रैक्टिस करते-करते बुरी तरह गिरीं रुबीना दिलैक

टेलीविजन एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपने परफेक्शन के लिए मशहूर हैं. ये एक्ट्रेस इन दिनों टीवी रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में दिखाई दे रही हैं. इस शो में रुबीना एक से बढ़कर एक शानदार परफॉर्मेंस दे रही हैं. हालांकि इसके लिए वो बैकस्टेज काफी मेहनत कर रही हैं. अब रुबीना का रिहर्सल करते एक वीडियो सामने आया है जिसे देखने के बाद साफ है कि वो इस शो के लिए कितनी कड़ी मेहनत कर रही हैं. यहां तक की रुबीना ने अपना जान तक जोखिम में डाल दी.

**रुबीना का वायरल वीडियो**

सामने आए इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि दो ट्रेनर्स की मौजूदगी में रुबीना खतरनाक स्टंट करती दिखाई दे रही है. इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ जाता है और वो गिर जाती हैं लेकिन उनके ट्रेनर उन्हें संभाल लेते हैं. वीडियो को देखने के बाद साफ है कि जरा सी चूक इस दौरान रुबीना पर काफी भारी पड़ सकती थी और उनके साथ गंभीर हादसा होते-होते टल गया है.

## धर्मेंद्र के घर में और बेटियों की एंट्री पर है बैन

### लेकिन ईशा देओल ने ऐसे तोड़ी थी ये परंपरा!

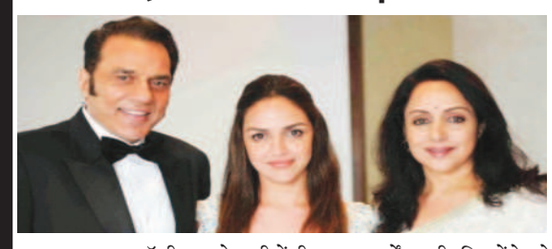

बात आज बॉलीवुड के लीजेंड्री स्टार धर्मेंद्र की जिन्होंने दो शादियां की हैं. धरम पाजी की पहली शादी प्रकाश कौर से हुई थी. यह शादी घरवालों की मर्जी से हुई थी और शादी के समय धर्मेंद्र की उम्र महज 19 साल थी. इस शादी से धर्मेंद्र के घर चार बच्चों सनी, बॉबी, विजेता और अजीता का जन्म हुआ था. वहीं, धरम पाजी ने 1980 में दूसरी शादी हेमा मालिनी से की थी और इस शादी से धर्मेंद्र के घर दो बेटियों ईशा और अहाना का जन्म हुआ था. आपको बता दें कि धर्मेंद्र की दोनों पत्नियां अपने-अपने बच्चों के साथ अलग घर में रहती हैं.

हेमा मालिनी की बायोग्राफी 'हेमा मालिनीः बियॉन्ड द ड्रीम गर्ल' में इस बात का उल्लेख है कि हेमा और उनके परिवार से किसी को भी धर्मेंद्र के घर जाने की इजाज़त नहीं थीं. इस बीच एक ऐसी घटना हुई जिसने इस परंपरा को तोड़ दिया था. असल में साल 2015 में धर्मेंद्र के भाई अजीत की तबियत बेहद खराब हो गई थी, वे ईशा और अहाना को बेहद चाहते थे और ईशा उनसे मिलना चाहती थीं. ऐसे में ईशा ने अपने सौतेले भाई सनी देओल को कॉल किया और अजीत देओल से मिलने की इच्छा जताई. कहते हैं सनी खुद ईशा को लेकर अपने घर गए और वहां उनकी मुलाकात अजीत देओल से करवाई . इस दौरान बताते हैं कि ईशा पहली बार प्रकाश कौर से भी मिली थीं और प्रकाश कौर ने उन्हें खूब आशीर्वाद भी दिया था. खुद हेमा एक इंटरव्यू में यह कह चुकी हैं कि उन्होंने धर्मेंद्र से शादी करने के साथ ही इस बात पर भी जोर दिया था कि एक्टर कभी भी अपने परिवार से दूर ना हों.

## मलाइका अरोड़ा ने रैम्प करते-करते लगाए ठुमके

### गोपी वैद्य के शो में हुईं स्पॉट, फैंस उनके इस डिजाइनर अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं

मलाइका अरोड़ा को हाल ही में फैशन डिजाइनर गोपी वैद्य के शो में स्पॉट किया गया। मलाइका इस शो की स्टॉपर थीं। शो में उन्होंने रैम्प कर खूब जलवा बिखेरा। अब शो से मलाइका का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो रैम्प के साथ-साथ डांस करते हुए भी नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शो में जैसे ही म्यूजिक बजता है। वैसे ही उनके साथ-साथ मॉडल्स भी थिरकने लगती हैं। वहीं मलाइका के इस अंदाज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। शो में मलाइका ने येलो कलर का वर्क वाला लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

मलाइका अरोड़ा

## जब कैटरीना कैफ की रणबीर कपूर के साथ बिकिनी फोटोज हुई थी लीक

### एक्ट्रेस ने कहा 'मुझे प्राइवेसी चाहिए'

एक समय था जब कैटरीना कैफ और रणबीर कपूर रिश्ते में थे और दोनों सालों तक एक दूसरे को डेट किया. कैट और रणबीर ने 6 सालों तक डेट किया और वो इस दौरान विल इन में भी रहे थे, हालांकि ये रिश्ता एक समय पर आकर टूट गया. रणबीर की पर्सनल लाइफ हमेशा सुर्ख़ियों में रही है. एक समय था जब रणबीर और कैटरीना कैफ का नाम इंडस्ट्री की चर्चित जोड़ियों में शुमार था. कैटरीना कैफ और रणबीर कपूर इंडस्ट्री की चर्चित जोड़ियों में शुमार था. दीपिका से हुए ब्रेकअप के बाद रणबीर की नजदीकियां कटरीना के साथ बढीं थीं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह दोनों एक समय बेहद सीरियस रिलेशन में थे और इनका अफेयर लगभग छह सालों तक चला भी था. हम सभी जानते हैं कि कैटरीना कैफ शुरू में सलमान खान के साथ रिश्ते में थी, बाद में उन दोनों का ब्रेकअप हो गया वहीं जब कैट और रणबीर ने रिश्ता शुरू किया तो कई सालों तक वो बचते रहे, लेकिन हर किसी को इसका सच पता था. वहीं रिलेशनशिप के दौरान कैटरीना और रणबीर वेकेशंस पर इबिजा गए थे. इस दौरान इनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गईं थीं, इस घटना ने तब खूब सुर्ख़ियां बटोरीं थी. यह 2013 की बात है जब कटरीना कैफ और रणबीर कपूर की कुछ लीक तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हुईं, जिसने सभी का ध्यान खींचा.

**मुझे थोड़ी प्राइवेसी चाहिए थी- कैटरीना**

वहीं जब ये तस्वीरें वायरल हुई थी इसकके बाद कैटरीना ने कहा था, 'मैं इस बात से अपसेट नहीं हूं, बस मुझे थोड़ी प्राइवेसी चाहिए थी, यदि अगली बार मेरे प्राइवेट वेकेशंस की तस्वीरें खींचने का प्लान बने तो मुझे थोड़ा पहले बता दीजियेगा ताकि मैं मैचिंग कपड़े पहनकर आऊं, मैं जानती हूं कि सफ़ेद और लाल रंग की बिकिनी बिलकुल भी मैच नहीं करती है, मैं अगली बार मैचिंग बिकिनी पहनूंगी'. आपको बता दें कि आज रणबीर और कैटरीना दोनों ही अपनी-अपनी लाइफ में सैटल हैं, कटरीना की शादी जहां विक्की कौशल से हुई है. वहीं, रणबीर की शादी आलिया भट्ट से हुई है और यह दोनों जल्द ही पेरेंट्स भी बनने वाले हैं.

## इन दो एक्ट्रेस के साथ जाना चाहती हैं रोड ट्रिप पर

### और भी बहुत कुछ करने की है ख्वाहिश

रश्मिका मंदाना

साउथ सेंसेशन रश्मिका मंदाना अपनी अपकमिंग फिल्म 'गुडबॉय' से बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करने को तैयार हैं. इसमें उन्हें अमिताभ बच्चन और नीना गुप्ता जैसे दिग्गज एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला है. उनके पास बॉलीवुड के कई और बड़े प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें उन्हें अलग-अलग एक्टर्स के साथ काम करना है, मगर हाल ही में रश्मिका ने बताया कि वह भविष्य में किन एक्ट्रेसेस के साथ फिल्म करना पसंद करेंगी.

**सामंथा-आलिया की हैं दीवानी**

एक इंटरव्यू में रश्मिका ने खुलासा किया कि वह सामंथा रुथ प्रभु के साथ काम करना पसंद करेंगी, क्योंकि वह उनसे बहुत ही कनेक्टेट महसूस करती हैं. बता दें कि सामंथा भी साउथ की एक टॉप एक्ट्रेस हैं और 'पुष्पा' के 'ओ अंटवा' सॉन्ग की बदौलत देश भर में पॉपुलैरिटी हासिल करने में कामयाब रही हैं. रश्मिका के मुताबिक, सामंथा के साथ उनकी बहुत अच्छी बॉन्डिंग है. उन्होंने कहा कि सामंथा हमेशा उनके साथ खड़ी रहती हैं और वह बिल्कुल एक डॉल हैं.

बॉलीवुड बबल से बातचीत में रश्मिका ने बॉलीवुड से आलिया भट्ट का नाम लिया और कहा कि उनकी परफॉर्मेंस से हर कोई इंप्रेस्ड है. रश्मिका ने इस मौके पर सामंथा और आलिया के साथ एक 'मैड कूल फिल्म' बनाने की भी ख्वाहिश जताई. इतना ही नहीं, यह भी कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह दोनों एक्ट्रेस के साथ एक रोड ट्रिप पर भी जाना चाहेंगी.

## बिग बॉस 16: शो का हिस्सा बनने पर बोलीं राखी सावंत

### 'ट्रॉफी नहीं चाहिए, मैं चाहती हूं सलमान सर..

राखी सावंत इन दिनों फिर से चर्चा में हैं. हर जगह राखी आजकल अपने प्यार आदिल दुर्रानी के साथ ही स्पॉट होती हैं. आदिल दुर्रानी संग वह कितने प्यार में हैं, इसे जाहिर करने का मौका वह हाथ से जाने नहीं देती हैं. अब उन्होंने अपनी शादी को लेकर कुछ ऐसी ख्वाहिश लोगों के सामने कह डाली है, जिसे जानकर सलमान खान जरूर हैरान होंगे.

दरअसल, ड्रामा क्वीन राखी सावंत इन दिनों बिग बॉस के नए सीजन का हिस्सा बनने को लेकर सुर्खियों में हैं. जैसा कि सभी जानते हैं, पिछले कुछ सीजन्स का वह लगातार हिस्सा रही हैं. ऐसे में इस बार भी उनसे जुड़ी ऐसी चर्चें लोगों के लिए आम हो गई हैं. हालांकि, इस बार राखी कुछ अलग ही मकसद के साथ बिग बॉस में एंट्री लेना चाहती हैं.

'मैं चाहती हूं सलमान खान मेरा हाथ आदिल के हाथ में दें'

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान राखी सावंत से जब उनके बिग बॉस 16 का हिस्सा बनने पर सवाल किया गया, तो राखी के जवाब ने हर किसी को हैरान कर दिया. उन्होंने कहा, 'मुझे अगर बुलाया गया तो जरूर जाऊंगी. मुझे शो की ट्रॉफी नहीं जीतनी है. मैं चाहती हूं सलमान सर खुद मेरा हाथ आदिल के हाथ में दें. मैं आदिल से शादी करना चाहती हूं'. वह कहती हैं कि अगर इस बार बिग बॉस का थीम सर्कस रहा तो वह क्लाउन बनकर पहुंचेंगी.

## शादी करने से पहले ही शादीशुदा थीं ऐश्वर्या राय बच्चन?

### जब खुला राज तो बोलीं - 'मीडिया के सामने होना पड़ा था शर्मिंदा'

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्च दोनों एक दूसरे से फिल्म 'गुरू' के सेट पर मिले थे, जिसके दौरान दोनों के बीच प्यार की शुरूआत हो गई थी और लंबे समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने साल 2007 में एक-दूसरे से शादी कर ली थी। दोनों की एक बेटी आर्ध्या बच्चन भी है, जिसके साथ एक्ट्रेस अक्सर ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो-वीडियो साझा करती रहती हैं। दोनों की शादी की खबर जब सामने आई थी, तब हर कोई चौंक गया था, क्योंकि दोनों की शादी की खबर ने हर किसी को चौंका दिया था। इतना ही नहीं इस दौरान दोनों को लेकर काफी अफवाहें भी उड़ी थीं, जिसमें तरह-तरह की बातें की जा रही थीं। दोनों की शादी मुंबई में अमिताभ बच्चन के घर पर ही हुई थी, जिसमें बेहद खास लोगों को बुलाया गया था। दोनों की शादी का इवेंट और फंक्शन को प्राइवेट रखा गया था, लेकिन कुछ समय बाद दोनों की शादी की फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी थीं। साथ ही ये अफवाहें भी सामने आई थीं कि ऐश्वर्या की अभिषेक से शादी होने से पहले एक शादी हो चुकी है।

जी हां, जिसको लेकर एक बार ऐश्वर्या राय ने कहा भी था कि 'कुछ की तो उम्मीद थी, लेकिन कुछ के बारे में तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। कुछ घटनाएं थीं, लेकिन उनके बारे में बात करके उन्हें ज्यादा अटेंशन क्यों देना'। दरअसल, दोनों की शादी के दौरान उठी अफवाहों में कहा गया था कि एक्ट्रेस पर मांगलिक दोष है।

इसको दूर करने के लिए उनको अभिषेक संग सात फेरे लेने से पहले एक पेड़ के साथ शादी करनी होगी। इन सभी अफवाहों को लेकर खुद एक्ट्रेस ने भी अपने इंरटव्यू में नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 'इस तरह की अफवाहों से उनको इंटरनेशनल मीडिया के सामने शर्मिंदा होना पड़ा था'। साथ ही एक्ट्रेस ने पेड से शादी को लेकर भी अपनी बात रखी थी।

उन्होंने कहा था कि 'हां! ऐसा हुआ था, लेकिन मुझे ये अफवाह इतनी बेकार लगी थी कि मैंने इसके बारे में जवाब देना जरूरी नहीं समझा, लेकिन कमाल की बात ये है कि हमारा परिवार इतना सॉलिड है कि हमने सारी चीजें परिवार के मुखिया के ऊपर छोड़ दी थी। पापा ने शादी के बाद सही समय देखकर मीडिया से मुलाकात की और फिर सभी सवालों के जवाब दिए थे'।

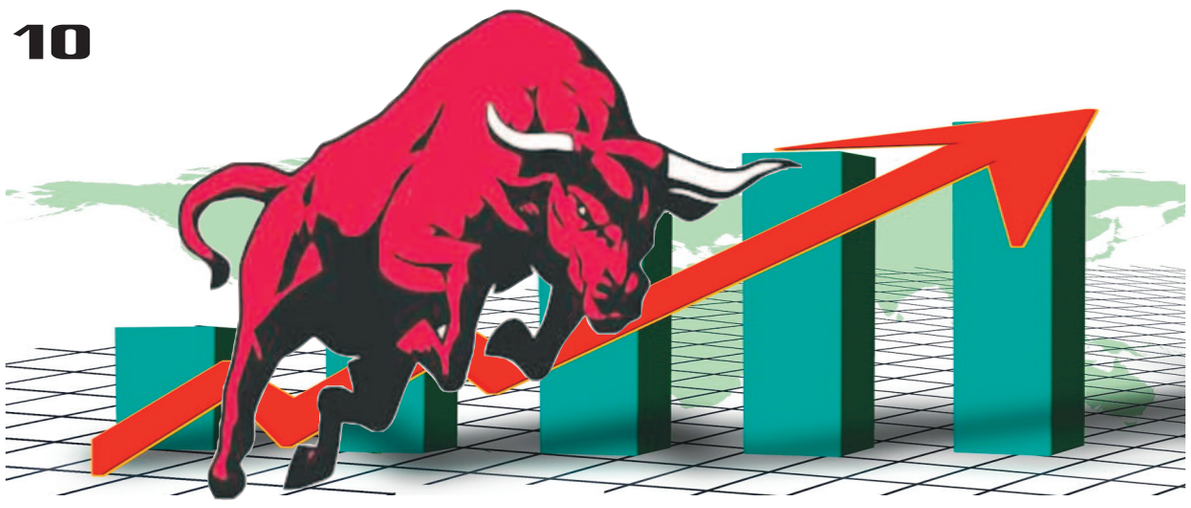

# डिजिटल कामधेनु है 5जी

## हरेक व्यक्ति की इनकम हो सकती है दस गुनाः मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने आज से देश में 5जी सर्विसेज की शुरुआत कर दी। कंपनी का कहना है कि दिसंबर 2023 तक देश के हर कोने तक इस सेवा को पहुंचा देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश में 5जी सर्विसेज की शुरुआत की। इस मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी ने कहा कि 5जी टेक्नीक भारत की इकॉनमी को 2047 तक 40-ट्रिलियन डॉलर और प्रति व्यक्ति आय को 20,000 डॉलर तक पहुंचाने में मददगार हो सकती है। अंबानी ने कहा कि 5जी अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी तकनीक से कहीं बढ़कर है। यह एक मूलभूत तकनीक है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, ब्लॉकचैन और मेटावर्स जैसी अन्य परिवर्तनकारी तकनीकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करती है। 5जी के 5 लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ ही यह हमारे राष्ट्र को बदल सकता है। जनसंख्या और डिजिटल टेक्नोलॉजी की संयुक्त शक्ति का उपयोग

करके, भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल सोसइटी बन सकती है। ग्रोथ और डेवलेपमेंट के दोहरे लक्ष्यों को एक साथ प्राप्त किया जा सकता है। भारत को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से 2047 तक 40-ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और प्रति व्यक्ति आय को 2,000 डॉलर से बढ़ाकर 20,000 डॉलर तक ले जाया जा सकता है। इसलिए यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि 5जी एक डिजिटल कामधेनु की तरह है, हमें जो कुछ भी चाहिए यह वह दे सकती है। इस मौके पर अंबानी ने 5जी के पांच फायदे गिनाए। उन्होंने कहा कि इससे सस्ती और हाई क्वालिटी एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट का रास्ता खुलेगा। साथ ही इससे हॉस्पिटल्स का कायापलट किया जा सकता है। इससे देश में हेल्थकेयर के सेक्टर में क्रांति आ जाएगी और लोगों को क्वालिटी हेल्थकेयर फैसिलिटी मिलेगी। यह कई क्षेत्रों में शहरी और ग्रामीण भारत के बीच अंतर को पाट सकता है। यह स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए हाई टेक टूल्स उपलब्ध कर सकता है। 5जी से भारत दुनिया के इंटेलीजेंस कैपिटल के रूप में उभर सकता है। रिलायंस के चेयरमैन ने कहा कि भारत में 5जी का रोलआउट भारत के दूरसंचार इतिहास में कोई सामान्य घटना नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों और उच्च आकांक्षाओं को अपने कंधे पर उठाए हुए है। 5जी के साथ, भारत सब का डिजिटल साथ और सब का डिजिटल विकास की दिशा में मजबूत कदम उठाएगा। भारत ने भले ही थोड़ी देर से शुरुआत की हो, लेकिन हम दुनिया की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाली और अधिक किफायती 5जी सेवाओं को शुरू करेंगे। हम दिसंबर 2023 तक देश के कोने-कोने तक 5जी पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प हैं।

# विदेशी मुद्रा भंडार ने बढ़ाई टेंशन, लगातार 8वें हफ्ते आई गिरावट

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का सिलसिला जारी है। बीते 23 सितंबर को समाप्त सप्ताह में यह 8.134 अरब डॉलर घटकर 537.518 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह 5.2 अरब डॉलर से अधिक घटकर 545.54 अरब डॉलर रह गया था। यह लगातार आठवां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। **वजह क्या है:** विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट के कारण 23 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई है। एफसीए समग्र भंडार का एक प्रमुख हिस्सा होता है। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान एफसीए 7.688 अरब डॉलर घटकर 477.212 अरब डॉलर रह गया। डॉलर के संदर्भ में एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में वृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, सोने के भंडार का मूल्य 30 करोड़ डॉलर घटकर 37.886 अरब डॉलर पर आ गया है। **विनिमय दर में बदलाव से गिरावटः** आपको बता दें कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से विदेशी मुद्रा भंडार में हुई कमी में विनिमय दर में हुए बदलाव का 67 प्रतिशत योगदान है। अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मजबूत होने तथा अमेरिकी बॉन्ड रिटर्न के बढ़ने से बदलाव देखने को मिला। गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में तेज गिरावट हुई है।

# फेसबुक वाले जकरबर्ग ने तो डरा दिया!

## बोले- मेटा में अब नई नौकरियां नहीं, जल्द ही छंटनी होगी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक में पहली बार छंटनी होने जा रही है। कंपनी के यूजर्स की ग्रोथ लगातार धीमी पड़ती जा रही है। इस वजह से कंपनी का रेवेन्यू भी प्रभावित हुआ है। इस साल फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में इस साल 59 फीसदी गिरावट आई है। यही वजह है कि कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों की छंटनी के संकेत दिए हैं। कंपनी ने मई में ही इंजीनियरों और डेटा साइंटिस्ट्स की हायरिंग बंद कर दी थी। जुलाई में जकरबर्ग ने कर्मचारियों से कहा था कि उनके लिए अगले 18 से 24 महीने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। तब उन्होंने मैनेजरों से कमजोर परफॉर्म करने वाले कर्मचारियों की पहचान करने को कहा था। अब जकरबर्ग ने कर्मचारियों की छंटनी के संकेत दिए हैं। उन्होंने इसी हफ्ते कहा कि कंपनी नई

भर्तियां नहीं करेगी और सभी टीमों के बजट में कटौती करेगी। इसके साथ ही कुछ कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी। फेसबुक में पहली बार छंटनी होने जा रही है। कई वर्षों तक इस कंपनी ने रेकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की और निवेशकों की जबरदस्त रिटर्न दिया। लेकिन इस साल कंपनी की तिमाही रिपोर्ट्स अच्छी नहीं रही हैं। जकरबर्ग के साथ मीटिंग में शामिल हुए कर्मचारियों के मुताबिक सभी मैनेजरों से बजट में कटौती करने को कहा गया है। उन्होंने नई भर्तियां नहीं करने या छंटनी करने को कहा गया है। फेसबुक ने मेटावर्स प्रॉडक्ट्स को आक्रामक तरीके से प्रमोट कर रहा है। यही कारण है कि कंपनी का फाइनेंस प्रभावित हुआ है। साथ ही फेसबुक को दूसरी कंपनियों से भी कड़ी टक्कर मिल रही है। इस कारण कंपनी की विज्ञापन से होने वाली कमाई प्रभावित हुई है। फेसबुक (अब मेटा प्लेटफॉर्म्स) को टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स से कड़ी टक्कर मिल रही है। करीब 18 साल पुरानी इस कंपनी से यूजर्स टिकटॉक और यूट्यूब की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इस कारण कंपनी का रेवेन्यू बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस साल कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण जकरबर्ग की नेटवर्थ भी प्रभावित हुई है। लंबे समय तक दुनिया के टॉप तीन अमीरों की लिस्ट में शामिल रहे जकरबर्ग अब 23वें नंबर पर खिसक गए हैं।

# 12 करोड़ किसानों के अकाउंट में कब आएंगे 2000 रुपये

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीते कुछ समय से ऐसी खबरें चल रही थीं कि केंद्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त 30 सितंबर तक ट्रांसफर कर देगी। हालांकि, किसानों को अब भी 12वीं किस्त के तहत मिलने वाले 2000 रुपये का इंतजार है। अब सवाल है कि आखिर कब तक किसानों के बैंक अकाउंट में 2000 रुपये आएंगे। आइए जान लेते हैं लेटेस्ट अपडेट। 2 अक्टूबर के दिन संभवः केंद्र सरकार कल यानी 2 अक्टूबर को पीएम किसान योजना की 12वीं किस्त ट्रांसफर कर सकती है। दरअसल, 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी की जयंती है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में कई बड़े फैसले लिए थे। उन्होंने ही जय जवान,

जय किसान का भी नारा दिया था। इसी तरह, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी किसानों के लिए संघर्ष किया था। जानकारों की मानें तो केंद्र सरकार के लिए किसानों को पैसे ट्रांसफर करने का ये सबसे सही दिन है। योजना की डिटेलः केंद्र सरकार ने साल 2019 में पीएम किसान योजना की शुरुआत की थी। योजना के तहत सरकार हर साल आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को 6000 रुपये देती है।

ये रकम तीन समान किस्तों में दी जाती है। हर किस्त में 2000 रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं। 12 करोड़ लोगों को फायदाः किसानों के खाते में अब तक कुल 11 किस्त के पैसे आ चुके जा चुके हैं। आखिरी किस्त 11,19,83,555 करोड़ किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। अब 12वीं किस्त के लिए 12 करोड़ से ज्यादा लोग दायरे में हैं। हालांकि, इसके लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है।

# त्योहारों में ग्राहकों को मिला तोहफा

## सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने त्योहारों के सीजन में उपभोक्ताओं को खुशखबरी देते हुए एलपीजी की कीमतों में कमी कर दी है। यह बदलाव कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में हुआ है। अब महानगरों में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलिंडर करीब 37 रुपये (36.50 रुपये) तक सस्ता हो गया है। नई कीमतें 1 अक्टूबर से प्रभावी हो गई हैं। बता दें कि घरेलू रसोई गैस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में कर्मशिलय एलपीजी सिलिंडर की कीमत 25.50 रुपये घटकर 1859 रुपये हो गई है। पहले इसकी कीमत 1885 रुपये थी। इसी तरह कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर 1995.50 रुपये घटकर

1959 रुपये का हो गया है। मुंबई में इसकी कीमत 1844 रुपये से गिरकर 1811.50 रुपये और चेन्नई में 2045 रुपये से घटकर 2009.50 रुपये पर पहुंच गई है। इससे पहले 1 सितंबर को भी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 100 रुपये तक की कटौती की थी। उससे पहले जुलाई में इनके दाम में 8.5 रुपये घटाए गए थे। हालांकि, उसी दिन घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत में 50 रुपये का इजाफा कर दिया गया था। अब तक 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 1053 रुपये का मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में 1079 रुपये, मुंबई में 1052.5 रुपये और चेन्नई में इसकी कीमत 1068.5 रुपये है। गौरतलब है कि सिलिंडर की कीमतें विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होती है। इसका कारण उस राज्य द्वारा लगाए जाने वाला वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) है। कर्मशिलयल एलपीजी की ऊंची और घरेलू गैस की कम कीमतों के कारण 14.2 किलोग्राम वाले सिलिंडर का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए होने लगा था। इसे देखते हुए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर की सीमा तय कर दी है। नए नियमों के मुताबिक, ग्राहक साल में 15 से अधिक सिलिंडर नहीं खरीद सकेंगे।

# मुफ्त लेने वालों के लिए आ गई बड़ी खुशखबरी!

## इस ऐलान से करोड़ों लोगों को होगा सीधा फायदा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार की ओर से गरीबों के हितों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं. साथ ही गरीबों को मुफ्त या कम कीमत पर राशन उपलब्ध करवाने के लिए भी सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. इस बीच मुफ्त राशन लेने वालों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है. केंद्र की सरकार का कहना है कि खाद्य सुरक्षा, मुफ्त राशन योजना पीएमजीकेएवाई और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में 4.4 करोड़ टन का पर्याप्त खाद्यान्न मौजूद है।

# सेबी कर रहा प्रॉपर्टी की नीलामी, 17 लाख लोगों के पैसे की होगी वसूली

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) शारदा समूह की 69 संपत्तियों की एक नवंबर को 30 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर नीलामी करेगा। समूह ने जनता से गैर-कानूनी योजनाओं के जरिये जो धन जुटाया था उसे वसूलने के लिए सेबी यह नीलामी करने जा रहा है। सेबी ने एक नोटिस में कहा कि नीलामी एक नवंबर, 2022 को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच होगी। जिन संपत्तियों को नीलामी में रखा जाएगा वे पश्चिम बंगाल में स्थित जमीन हैं। इनके लिए 30 करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य निर्धारित किया गया है। कोर्ट ने दिया था आदेशः दरअसल, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जून में दिए आदेश में कहा था कि

सेबी शारदा समूह की कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकता है। इस प्रक्रिया को तीन महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश था। आपको बता दें कि शारदा समूह 239 से अधिक निजी कंपनियों का संघ है। इसने पश्चिम बंगाल, असम और ओडिशा में कथित चिटफंड योजनाएं चलाकर 17 लाख जमाकर्ताओं से 4,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। 2013 में यह समूह बंद हो गया।

# दिल्ली में 25 अक्तूबर से बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट वाले वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बगैर प्रदूषण प्रमाण पत्र, पंपों पर वाहनों में पेट्रोल-डीजल नहीं भरवा सकेंगे। इससे पहले प्रमाण पत्र दिखाना होगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए आप सरकार ने फैसला किया है कि 25 अक्तूबर से राष्ट्रीय राजधानी के पेट्रोल पंपों पर पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण में) प्रमाण पत्र के बिना पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना भी जारी की जाएगी। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए वाहनों का उत्सर्जन प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है।

# लगातार सातवीं वार जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ के ऊपर

## जानें क्या कहते हैं आंकड़े?

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लगातार सातवीं बार देश का सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ को पार कर गया। सितंबर महीने में सरकार ने 1,47,686 करोड़ रुपये का सकल जीएसटी राजस्व का संग्रह किया है। सितंबर महीने में 1.1 करोड़ रुपये के ई-वे बिल और ई-इन्वॉइस जेनरेट करने की उपलब्धि भी हासिल की गई है। इनमें 72.94 लाख रुपये ई-इनवॉयस और 37.74 लाख ई-वे बिल जारी किए गए। 30 सितंबर 2022 को एनआईसी की ओर से संचालित जीएसटी पोर्टल पोर्टल पर बिना किसी गड़बड़ी के इन्हें जेनरेट किया गया। सितंबर 2022 में सकल जीएसटी का राजस्व कलेक्शन

1,47,686 करोड़ रुपये रहा। इसमें सीजीएसटी 25,271 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 31,813 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 80,464 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 41,215 करोड़ रुपये सहित) और अन्य उपकर जिनमें 10,137 करोड़ (माल के आयात पर एकत्र किए गए 856 करोड़ सहित) शामिल है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है।

# जुलाई-सितंबर तिमाही में सात शहरों में घरों की बिक्री 41% बढ़ी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के सात प्रमुख शहरों में इस साल जुलाई-सितंबर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 88,234 इकाई हो गई। संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सलाहकार कंपनी ने सात प्रमुख शहरों- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के लिए तिमाही बिक्री आंकड़े जारी किए है।

आंकड़ों के अनुसार, 2022 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में घरों की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 88,234 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 62,799 इकाई थी।

# 15अगस्त से बीएसएनएल की भी 5जी सेवा होगी उपलब्ध

## टेलीकॉम मंत्री ने किया दावा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5जी लॉन्चिंग होने के बाद दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल भी अगले साल 15 अगस्त से 5जी सेवाएं मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले 6 महीनों में, 200 से अधिक शहरों में 5जी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वहीं अगले 2 वर्षों में देश के 80-90% में 5जी सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसान शब्दों में समझें तो 5जी सबसे आधुनिक स्तर का नेटवर्क है, जिसके अंतर्गत इंटरनेट स्पीड सबसे तेज होगी। इसकी विश्वसनीयता ज्यादा होगी और इसमें पहले से ज्यादा नेटवर्क को संभालने की क्षमता होगी। इसके अलावा इसकी मौजूदगी का क्षेत्र ज्यादा होगा और एक्सपीरियंस भी यूजर फ्रेंडली होगा। 5जी की सबसे खास बात यह है कि यह निचली फ्रीक्वेंसी के बैंड से लेकर हाई बैंड तक की वेव्स में काम करेगा। यानी इसका नेटवर्क ज्यादा व्यापक और हाई-स्पीड होगा। 4जी के मुकाबले 5जी में यूजर को ज्यादा तकनीकी सहूलियतें मिलेंगी। 4जी में इंटरनेट की डाउनलोड स्पीड 150 मेगाबाइट्स प्रति सेकंड तक सीमित है। 5जी में यह 10 जीबी प्रति सेकंड तक जा सकती हैं। यूजर्स सिर्फ कुछ सेकंड्स में ही भारी से भारी फाइल डाउनलोड कर सकेंगे। 5जी में अपलोड स्पीड भी एक जीबी प्रति सेकंड तक होगी, जो कि 4जी नेटवर्क में सिर्फ 50 एमबीपीएस तक ही है।

# ओरेकल पर अमेरिका में लगा 1.8 अरब जुर्माना

## भारतीय अधिकारी को घूस देने का आरोप

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत, तुर्की और यूएई में अधिकारियों को घूस देने के मामले में आईटी कंपनी ओरेकल पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कंपनी पर करीब 23 मिलियन डॉलर (करीब 1.8 अरब रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी पर यह कार्रवाई यूएस सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेज एक्ट के उल्लंघन से जुड़े मामले में की है। अमेरिका की सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के मुताबिक ओरेकल के स्वामित्व वाली कंपनी ने बिजनेस हासिल करने के लिए विदेशी अधिकारियों को घूस दिया। इसके लिए उन्होंने स्लश फंड बनाया और उसका इस्तेमाल किया। बता दें कि स्लश फंड्स वह राशि होती है जिसका इस्तेमाल कंपनियां गलत कार्यों के लिए करती हैं और उसका पूरा लेखा-जोखा रखा जाता है। गलत आचरण के लिए ओरेकल पर कार्रवाई का यह दूसरा मामला है। एसईसी के मुताबिक वर्ष 2019 में ओरेकल इंडिया के एक सेल्स कर्मचारी ने एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के साथ लेनदेन के मामले में अत्याधिक डिस्काउंट स्कीम का इस्तेमाल किया। बताया जा रहा है कि ट्रांसपोर्ट कंपनी का अधिकांश स्वामित्व भारतीय रेल मंत्रालय के पास था। जनवरी 2019 में इस डील पर काम कर रहे कर्माचारी ने दावा किया कि सॉफ्टेवयर कंपोनेंट पर 70 फीसदी डिस्काउंट के बिना डील नहीं होगी। इसके लिए उसने ओईएम के बीच कड़े प्रतियोगिता का हवाला दिया। सेकंड ने इस मामले में कहा है कि सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय कंपनी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध प्रोक्योरमेंट (खरीद) विवरणों से पता चलता है कि इसे हासिल करने के लिए ओरेकल इंडिया को किसी भी कंपटीशन का सामना नहीं करना पड़ा क्योंकि उसने प्रोजेक्ट के लिए ओरेकल के प्रोडक्ट्स को अनिवार्य कर दिया था। सेकंड का आरोप है कि कंपनी के एक कर्मचारी की स्प्रेडशीट में 67,000 डॉलर (लगभग 54,80,100 रुपये) बफर के रूप में दर्शाया गया था। इसे संभावित रूप से एक भारतीय सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी के अधिकारी को भुगतान किया गया। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने कहा कि ओरेकल के भारतीय इकाई में कर्मचारियों ने रेल मंत्रालय के स्वामित्व वाली एक परिवहन कंपनी के साथ लेनदेन में अत्यधिक छूट हासिल करने के लिए फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेज एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने कंपनी पर कार्रवाई करते हुए 23 मिलियन डॉलन से अधिक का जुर्माना लगाया है। एसईसी के अनुसार ओरेकल ने 2016 और 2019 के बीच व्यापार के बदले भारत के अलावे अधिकारियों ने संयुक्त अरब अमीरात और तुर्की में भी अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए पैसों का गलत ढंग से इस्तेमाल किया।

# इस साल खरीफ सत्र में धान का रकबा 4.76 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में अनियमित मानसूनी बारिश के कारण खरीफ सत्र में धान बुआई का रकबा 4.76 प्रतिशत घटकर 402.88 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को 2022 के खरीफ सत्र के लिए बुवाई के रकबे का अंतिम आंकड़ा जारी किया।

पिछले साल खरीफ सत्र में धान का रकबा 423.04 लाख हेक्टेयर था। सभी खरीफ फसलों की बुवाई का कुल रकबा पिछले साल के 1,112.16 लाख हेक्टेयर से घटकर 1,102.79 लाख हेक्टेयर रह गया है। धान के मामले में, झारखंड (9.22 लाख हेक्टेयर), पश्चिम बंगाल (3.65 लाख हेक्टेयर), उत्तर प्रदेश (2.48 लाख हेक्टेयर), मध्य प्रदेश

(2.24 लाख हेक्टेयर), बिहार (1.97 लाख हेक्टेयर), आंध्र प्रदेश (एक लाख हेक्टेयर), असम (0.99 लाख हेक्टेयर) और छत्तीसगढ़ (0.74 लाख हेक्टेयर) से कम बुवाई रकबे की सूचना मिली है। दलहन खेती का रकबा भी वर्ष 2021 के खरीफ सत्र के 139.21 लाख हेक्टेयर से घटकर 133.68 लाख हेक्टेयर रह गया। हालांकि, मोटे अनाज का रकबा 175.15 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 183.89 लाख हेक्टेयर हो गया। गैर-खाद्यान्न श्रेणी में, तिलहन का रकबा 193.99 लाख हेक्टेयर से घटकर 192.14 लाख हेक्टेयर रह गया। इस साल के मॉनसून सत्र में देश में 7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, लेकिन चावल उगाने वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में कम बारिश हुई। हालांकि पूरे देश में अधिक वर्षा हुई है लेकिन इसका वितरण असमान रहा है। राजस्थान के रेगिस्तानी राज्य में सामान्य से 36 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, जहां प्रचुर वर्षा होती है, वहां कम वर्षा हुई। मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि धान के रकबे में गिरावट के कारण, फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के दौरान चावल का उत्पादन छह प्रतिशत घटकर 10 करोड़ 49.9 लाख टन रह सकता है। चावल के उत्पादन में संभावित गिरावट ने सरकार को 9 सितंबर से टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने और गैर-बासमती और बिना उबले चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के लिए प्रेरित किया है। वैश्विक चावल व्यापार में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले भारत ने पिछले वर्ष के एक करोड़ 77.8 लाख टन के मुकाबले वर्ष 2021-22 में दो करोड़ 12.3 लाख टन चावल का निर्यात किया था।

# उत्तर कोरिया ने एक सप्ताह में चौथी बार किया मिसाइल परीक्षण

## दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने की कड़ी निंदा

सियोल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने शनिवार को कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उसके पड़ोसी देशों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह यह चौथी बार है जब उत्तर कोरिया ने हथियारों का परीक्षण किया है, जिसकी उसके विरोधियों ने कड़ी निंदा की है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने उत्तर कोरिया के हथियार कार्यक्रम की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु हथियारों की ''सनक'' उसके अपने लोगों की पीड़ा को बढ़ा रही है तथा उन्होंने ऐसे हथियारों के इस्तेमाल पर दक्षिण कोरिया तथा अमेरिकी सेनाओं की ओर से ''अत्यधिक कड़ी प्रतिक्रिया'' मिलने को लेकर आगाह किया।

**'परमाणु हथियारों का विकास उत्तर कोरियाई लोगों को और पीड़ा में डाल देगा'**

यून ने सशस्त्र सेना दिवस समारोह में कहा, ''उत्तर कोरिया ने पिछले 30 वर्ष में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निरंतर आपत्ति के बावजूद परमाणु तथा मिसाइल हथियारों के लिए अपना फितूर नहीं छोड़ा है। परमाणु हथियारों का विकास उत्तर कोरियाई लोगों को और पीड़ा में डाल देगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसे दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन तथा हमारी सेना की कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।''

**उत्तर कोरियाई राष्ट्रपति को नाराज कर सकती हैं यून की टिप्पिणियां**

यून की टिप्पिणियां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को नाराज कर सकती हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि यून की सरकार का नेतृत्व ''सनकी और गुंडे'' करते हैं। किम ने परमाणु निरस्त्रीकरण के बदले में मदद की यून की पेशकश पहले ही ठुकरा दी है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दक्षिण कोरिया की यात्रा तथा अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच पांच साल में पहला पनडुब्बी रोधी प्रशिक्षण होने के बाद मिसाइल परीक्षण तेज कर दिए हैं।

**अहम ठिकानों को निशाना बनाने के लिए इस्कंदर जैसी मिसाइलें विकसित की**

दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिकी सेनाओं ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उत्तर कोरिया के दो मिसाइल परीक्षणों का पता लगाया है। दक्षिण कोरिया तथा जापान की सेनाओं के अनुसार, मिसाइलों ने कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले करीब 350-400 किलोमीटर की दूरी तय की। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका की मिसाइल रक्षा प्रणाली को मात देने तथा दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सैन्य अड्डों समेत अहम ठिकानों को निशाना बनाने के लिए इस्कंदर जैसी मिसाइलें विकसित की हैं।

# 7 फुट लंबे और 150 किलो के बॉक्सिंग चैंपियन निकोलाई रूस की तरफ से लड़ेंगे युद्ध, स्वीकारा पुतिन का न्योता

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन निकोलाई वैल्यूव ने खुलासा किया है कि उन्हें यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस की सेना के लिए लड़ने के लिए बुलाया गया है। निकोलाई दो बार चैंपियन रह चुके हैं। वह अब तक के सबसे लंबे और सबसे वजनी विश्व चैंपियन हैं। उनकी लंबाई सात फीट से अधिक है और अपने लड़ाई के दिनों में उनका वजन 23 पत्थरों के वजन से अधिक था। निकोलाई ने 2009 में डेविड हे से लड़ाई लड़ी, जो उस समय काफी प्रसिद्ध लड़ाई थी। यह उनकी अंतिम लड़ाई थी और फिर दो साल बाद वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यूनाइटेड रशिया पार्टी में संसद सदस्य बनने के लिए राजनीति में चले गए। उन्होंने अब स्पष्ट किया है कि उन्हें सेना में बुलाया गया है और वह अगले सप्ताह भर्ती होने की योजना बना रहे हैं। निकोलाई ने कहा, "मेरी राय में सभी को एक समन मिला है और मुझे भी एक समन मिला है। क्या मैं जाऊंगा? बेशक मैं अब नामांकन कार्यालय जाऊँगा।

मेरे सहयोगी (साथी सांसद) अच्छे हैं। वे राज्य ड्यूमा में सैन्य सेवा के लिए पंजीकृत हुए थे और उन्हें यहां समन प्राप्त हुआ था, लेकिन मुझे घर जाना है। मुझे डोनबास की यात्रा से ठीक पहले समन मिला और मैं घर पर नहीं था। अगले सप्ताह मैं निश्चित रूप से जाकर नामांकन कार्यालय को रिपोर्ट करूँगा।" निकोलाई का 2010 में 'गंभीर हड्डी और जोड़ों की समस्याओं' के लिए इलाज किया गया था और उनकी सर्जरी हुई थी इसके कारण उन्हें अपने बॉक्सिंग करियर को भी बंद करने की सलाह दी गई थी।

# मैक्सिको में सेना का डेटा हुआ हैक

## राष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां हुईं लीक

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैक्सिकन सरकार को बीते दिनों एक बड़े साइबर अटैक का सामना करना पड़ा। सरकार की ओर से दिए गए बयान में कहा गया है कि मैक्सिको के सशस्त्र बलों का डेटा हैक किया गया था। इसमें राष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी थी, जो लीक हो गई। दरअसल, स्थानीय मीडिया में मैक्सिको के सशस्त्र बलों के डेटा लीक की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा, यह सच है कि एक साइबर हैक था। उन्होंने कहा, हैकर्स ने सेना के आईटी सिस्टम में बदलाव का फायदा उठाया था। हालांकि, कोई संवेदनशील जानकारी चोरी नहीं हुई है।

**कई सुरक्षा संबंधी जानकारियां चोरी**

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सेना का करीब छह टेराबाइट डेटा चोरी किया गया, जिसमें राष्ट्रपति के स्वास्थ्य की स्थिति व कई सुरक्षा संबंधी जानकारियां शामिल थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2016 से इस साल सितंबर तक हजारों ईमेल और दस्तावेज हैक किए गए थे। चोरी किए गए डेटा में कथित तौर पर आपराधिक आंकड़ों का विवरण, संचार के टेप और मेक्सिको में अमेरिकी राजदूत केन सालाजार की निगरानी भी शामिल थी।

**राष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लीक**

हैकर ने राष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां भी लीक कर दी हैं। कहा गया है कि जनवरी की पहली छमाही में राष्ट्रपति का 10 बार इलाज किया गया था। वहीं राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर को 2013 में दिल का दौरा पड़ा था और उन्हें साल की शुरुआत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था क्योंकि उन्हें एक बार और हर्ट अटैक का खतरा था।

**हैकर कई देशों को बना चुका है निशाना**

कथित तौर पर हैकर को 'गुआकामाया' या 'मैकॉ' ग्रुप के रूप में पहचाना गया है। हैकर्स के इसी ग्रुप ने बीते दिनों लैटिन अमेरिकी देशों चिली, पेरू, कोलंबिया और अल सल्वाडोर की सेनाओं को निशाना बनाया था। इसके अलावा इस समूह ने खनन और तेल कंपनियों को भी निशाना बनाया है।

## शिमला में दर्दनाक हादसा, कार के ऊपर पलटा ट्रक, तीन की मौत

शिमला, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दर्दनाक हादसा हुआ है। सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक को मामूली चोट आई है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, ढली थाना इलाके के छाराबड़ा के पास ग्रीन वैली में सेब से लदा एक ट्रक बेकाबू होकर कार के ऊपर पलट गया। कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। ट्रक के चालक को मामूली चोटें आई हैं और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एसएचओ धर्म सेन नेगी ने हादसे की पुष्टि की है। कहा कि मृतकों के शव आईजीएमसी शिमला में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं। मृतकों की पहचान सूरत राम(45) पुत्र जगत राम गांव आरा टिकरी, प्रताप (71) गांव शीहरी, डाकघर करहाल और कृपाराम पुत्र मान दास।

# एच-1बी वीजा पर अमेरिका की मुहर लगाने की सिफारिश मंजूर

## अब राष्ट्रपति बाइडन की 'हां' का इंतजार

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति के एक आयोग ने अमेरिका में एच-1बी वीजा पर मुहर लगाने की सिफारिश सर्वसम्मति से पारित कर दी है। यह सिफारिशें एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप वासियों पर लागू होंगे। जो बाइडन की मंजूरी मिलते ही भारतीयों समेत हजारों पेशेवरों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। एच-1बी एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को खास विशेषज्ञता वाले पेशेवरों में विदेशी कामगारों की भर्ती करने की अनुमति मिलती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को भर्ती करने के लिए इस पर निर्भर रहती हैं। मौजूदा प्रक्रिया के तहत किसी भी शख्स को अमेरिकी कंपनी में नौकरी के लिए अपने देश में अमेरिकी वाणिज्यदूत या दूतावास में वीजा आवेदन की जरूरत होती है। मौजूदा फैसला हवाई मूल के लोगों तथा एशियाई-अमेरिकी व प्रशांत द्वीप वासियों को लेकर व्हाइट हाउस की बैठक में राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने लिया।

**दूर होगी अनिश्चितता**

एच-1बी वीजा पाने या उसके नवीनीकरण की प्रतीक्षा वाले बड़ी संख्या में लोग अनिश्चितता में घिरे हैं। दरअसल, भारत जैसे देशों में उनके वीजा की अर्जियां लंबित हैं और वहां मौजूदा समय में प्रतीक्षा का समय एक साल से अधिक है। ऐसे में नए फैसले के लागू होने पर भारतीयों को काफी लाभ मिलेगा। भारत में अभी वीजा मिलने की प्रतीक्षा अवधि 844 दिन की है। इसलिए उनके वीजा पर मुहर न लग पाने के कारण वे फंस जाते हैं।

**वीजाधारकों की मजबूरी बताई**

आयोग के सदस्य और भारतवंशी जैन भुटोरिया ने एच-1बी वीजा पर मुहर की सिफारिश की थी। उन्होंने बैठक में आयोग सदस्यों से कहा, हमारी आव्रजन प्रक्रिया के अनुसार एच-1बी वीजा धारकों को अमेरिका में रहने और हमारी अर्थव्यवस्था, नवोन्मेष तथा आर्थिक विकास में योगदान देने का मौका दिया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा, कई बार एच-1बी वीजा धारकों को अपने परिवारों से अलग होने के लिए विवश होना पड़ता है। वे उनके अभिभावकों के गंभीर हालत में होने पर भी स्वदेश नहीं जा पाते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं उनके देश में वीजा अर्जी अटकी न रह जाए।

## बाल्टिक सागर से हर घंटे 23 हजार किलो मीथेन हो रही लीक

**यूनाइटेड नेशन ने जताई चिंता**

कोपेनहेगन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाल्टिक सागर में पाइपलाइन के टूटने के बाद रिकॉर्ड स्तर पर मीथेन गैस लीक हो रही है। इससे न सिर्फ पर्यावरणविद चिंतित हैं, बल्कि यूनाइटेड नेशन ने भी चिंता जताई है। हर घंटे तकरीबन 23 हजार किलो मीथेन गैस का रिसाव हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ( यूएनईपी) ने कहा है कि बाल्टिक सागर के तल पर नॉर्ड स्ट्रीम नैचुरल गैस पाइपलाइन सिस्टम के टूटने से क्लाइमेट के लिए हानिकारक मीथेन लीक की सबसे बड़ी घटना होने की आशंका है। यूएनईपी के लिए आईएमईओ के प्रमुख मैनफ्रेडी कैल्टागिरोन ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया, यह वास्तव में खराब है. सबसे अधिक आशंका इस बात की है कि अब तक की सबसे बड़ी उत्सर्जन घटना का पता चला है।

# यूएनएससी में भारत ने फिर निभाई दोस्ती, निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग से रहा दूर; रूस ने किया वीटो का इस्तेमाल

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अमेरिका और अल्बानिया द्वारा एक प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें रूस के अवैध जनमत संग्रह यूक्रेन के इलाकों पर रूसी कब्जे की निंदा की गई। इस प्रस्ताव में मांग की गई थी कि रूस अपने सैनिकों को यूक्रेन से तुरंत वापस बुला ले। इसके लिए यूएनएससी में वोटिंग भी हुई, लेकिन भारत ने इससे दूरी बना ली। भारत के साथ-साथ चीन ने भी वोटिंग से दूरी बनाकर एक हद तक रूस का साथ दिया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों को इस प्रस्ताव पर मतदान करना था, लेकिन रूस ने इसके खिलाफ वीटो का इस्तेमाल कर दिया। इस कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। इस प्रस्ताव के समर्थन में 10 देशों ने मतदान किया और चार देश मतदान

में शामिल नहीं हुए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने गुरुवार को कहा कि धमकी या बल प्रयोग से किसी देश द्वारा किसी अन्य देश के क्षेत्र पर कब्जा करना संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन है। संयुक्त राज्य अमेरिका और अल्बानिया द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर यूएनएससी में भारत का पक्ष रखते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने शांति, कूटनीति और संवाद की बात कही। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम से भारत बहुत परेशान है। बाद में उन्होंने कहा कि स्थिति की समग्रता को देखते हुए भारत वोटिंग से दूर रहा। आपको बता दें कि दस देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। भारत के साथ, चीन, ब्राजील और गैबॉन ने वोटिंग में भाग नहीं लिया। रूस ने परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया। अमेरिका पहले कह चुका है कि वह इस मामले को महासभा में ले जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने औपचारिक रूप से यूक्रेन के चार क्षेत्रों को रूसी संघ में विलय की घोषणा की।

उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कीव के अधिकारी और पश्चिम में बैठे उनके असली मालिक मेरी बात सुनें। लुहांस्क, डोनेट्स्क, खेरसॉन और ज़ापोरिज्जिया में रहने वाले लोग हमेशा के लिए हमारे नागरिक बन रहे हैं। आपको बता दें कि भारत ने अभी तक यूक्रेन में संघर्ष को रूसी आक्रमण नहीं कहा है। काम्बोज ने कहा, "हमने हमेशा इस बात की वकालत की है कि मानव जीवन की कीमत पर कभी भी कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। हम आग्रह करते हैं कि हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के लिए संबंधित पक्षों द्वारा सभी प्रयास किए जाएं। संवाद ही मतभेदों और संवादों को सुलझाने का एकमात्र उत्तर है, चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो, जो इस समय प्रकट हो सकता है। उन्होंने कहा, "भारत के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से रूसी संघ और यूक्रेन के राष्ट्रपति सहित विश्व के नेताओं को यह अवगत कराया है।

हमारे विदेश मंत्री ने पिछले सप्ताह यूएनजीए में अपने हालिया कार्यक्रमों में भाग लिया। भारत के प्रधानमंत्री ने भी इस बात पर जोर दिया है कि यह युद्ध का युग नहीं हो सकता।" काम्बोज समरकंद में पुतिन के साथ मुलाकात में पीएम मोदी की टिप्पणी का हवाला दे रहीं थी। मोदी के बयान के लिए पश्चिमी देशों ने जमकर तारीफ की थी।

## वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के केंद्र के पास एक विशाल "महासागर" की खोज की

अंटार्कटिका, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के केंद्र के पास विशालकाय महासागर की खोज की है. अंतरराष्ट्रीय शोध में पता चला है कि वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सतह के नीचे के सभी महासागरों के आयतन के तीन गुना पानी के एक विकाश महासागर की खोज की है. पानी पृथ्वी के सबसे अतंरूनी हिस्से कोर और मेंटल के बीच के ट्रांजीशन जोन में पाया गया. शोध दल ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमेट्री सहित अन्य तकनीकों का उपयोग करके पृथ्वी की सतह से 660 मीटर नीचे बने इस महासागर का विश्लेषण किया है. ऐसा अनुमान है कि भूमिगत महाद्वीप हमारे ग्रह का पुराना रूप हो सकता है और इसकी सबसे अधिक संभावना है कि यह ग्रह-रॉकिं प्रभाव से बच गया हो, जिससे चंद्रमा का निर्माण हुआ है.वैज्ञानिकों ने नए भूगर्भीय नमूनों को हवाई, आइसलैंड और अंटार्कटिका के बेलेनी द्वीप के पुराने नमूनों के डेटा का उपयोग करके तैयार किया गया है.

# विधानसभा बैकडोर भर्ती कर्मचारियों से अब हाईकोर्ट नैनीताल में दो-दो हाथ, उत्तराखंड सरकार ने कर ली तैयारी

नैनीताल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा बैकडोर भर्ती से हटाए कर्मचारियों के हाईकोर्ट जाने की संभावना को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने पहले ही अपना अधिवक्ता हाईकोर्ट में खड़ा कर दिया है। विधानसभा सचिवालय ने इस मामले में पैरवी के लिए अधिवक्ता विजय भट्ट को अधिकृत किया है। सरकार की कोशिश है कि हटाए गए कर्मचारी इस मामले में स्थगनादेश न ले पाएं। इसके लिए सभी कानूनी रास्ते अपनाए जा रहे हैं। विस सचिवालय में पूर्व स्पीकर गोविंद सिंह कुंजवाल द्वारा की गई 150 और प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा की गई 78 तदर्थ नियुक्तियां, वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी की सिफारिश पर शासन ने रद्द कर दी हैं। इसके बाद इन कर्मियों को नौकरी से हटाया जा रहा है। विधानसभा से हटाए गए कर्मचारी अब हाईकोर्ट की शरण में जा रहे हैं। कर्मचारी अपने परिचित अधिवक्ताओं से कानूनी राय ले रहे हैं। कर्मचारी शासन द्वारा खत्म की गई अपनी सेवाओं को याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती देने की तैयारी है। सरकार भी इससे वाकिफ है। इसके चलते सरकार ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। विधानसभा अनुसचिव हरीश कुमार की ओर से हाईकोर्ट में पैरवी के लिए अधिवक्ता विजय भट्ट को अधिकृत किया गया है। कर्मचारियों की ओर से याचिका दायर होते ही सरकार की ओर से दस्तावेज कोर्ट के समक्ष रखे जाएंगे।

**मैंने कोई स्थायी और तदर्थ नियुक्तियां नहीं कीं : ऋतु**

'मैंने कोई स्थायी या तदर्थ नियुक्तियां नहीं की हैं। और पूरे देश में मुख्यमंत्रियों, विधानसभा अध्यक्षों और मंत्रियों को अपना निजी स्टाफ रखने का अधिकार है।' विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने शुक्रवार को यह बात कही। दरअसल विधानसभा की बैकडोर भर्तियां रद्द करने के बाद स्पीकर खंडूड़ी की खूब वाहवाही हो रही थी। इस बीच उनके निजी स्टाफ के कर्मचारियों की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो वे विपक्षी दलों के साथ ही लोगों के निशाने में आ गईं। भर्तियों को लेकर दो रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए लोग तरह-तरह की टिप्पणी करने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष खंडूड़ी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर नियुक्तियों पर तस्वीर साफ की। उन्होंने कहा कि उनके साथ सिर्फ निजी स्टाफ है। देशभर में सभी मुख्यमंत्रियों और विधानसभा अध्यक्षों को निजी स्टाफ रखने का अधिकार है। यह कोई नई चीज नहीं है। यह होता चला आ रहा है, यही मैंने भी किया। खंडूड़ी ने कहा कि ये नियुक्तियां नितांत कोटर्मिनस हैं, जिस दिन तक मैं चाहूंगी, ये स्टाफ रहेगा। जिस दिन मैं विधानसभा अध्यक्ष का पद छोडूंगी, उसी दिन ये पद खत्म हो जाएंगे। बकौल खंडूड़ी, उनका निजी स्टाफ न तो परमानेंट है और न तदर्थ। वे वेतन के अलावा विधानसभा से किसी तरह की सुविधा नहीं लेते हैं। यह कह देना कि मैंने अपने पर्सनल स्टाफ में कुछ बैकडोर भर्तियां की हैं, यह पूरी तरह गलत है।

# पुतिन ने पश्चिमी देशों पर साधा निशाना

## उनके बनाए नियमों को बताया 'अव्वल दर्जे का धोखा'

कीव, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुनिया को पश्चिम की औपनिवेशिक नीति, भारत और अफ्रीका में लूटपाट, दास व्यापार और अमेरिका द्वारा परमाणु एवं रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने इसके साथ ही पश्चिमी देशों की नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था पर जोर को 'अव्वल दर्जे का धोखा' करार दिया और उनके 'दोहरे मानक' की निंदा की है। पुतिन ने यह टिप्पणी क्रेमिलन के नजदीक सेंट जॉर्ज हॉल में शुक्रवार को दिए गए औपचारिक भाषण में की। उन्होंने यह भाषण यूक्रेन के बागी चार क्षेत्रों लुहांस्क, दोनेत्स्क, खोरसोन और जापोरिज्ज्या में कथित जनमत संग्रह के कई दिनों बाद दिया है जिसे यूक्रेन और पश्चिमी देश खारिज कर चुके हैं। पुतिन ने कहा, ''हम सब सुन रहे हैं कि पश्चिम नियम आधारित व्यवस्था पर जोर दे रहा है। हालांकि, यह कहां से आता है? किसी ने इन नियमों को कभी देखा है? किसने इनपर सहमति जताई है या मंजूरी दी है? सुनो, यह पूरी तरह से बकवास, धोखेबाजी और दोहरा मानक है, यहां तक कि तिहरा मानक है। वे समझते हैं कि हम बेवकूफ हैं।'' क्रेमलिन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध भाषण के अंग्रेजी संस्करण के मुताबिक पुतिन ने कहा रूस और उसकी सभ्यता हजार साल से महान शक्ति है और यह अस्थायी, झूठे नियमों से नहीं बदलेगी। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी कुलीन यहां तक सभी के प्रति अपने ऐतिहासिक अपराध के प्रति ग्लानि को लेकर रुख बदल रहे हैं और उन देशों और अन्य लोगों से मांग कर रहे हैं कि वे गलती स्वीकार करें जिससे उनका कोई लेना देना ही नहीं है, उदाहरण के लिए औपनिवेशिक काल में किए गए हमले। उन्होंने कहा, ''पश्चिम को याद दिलाना सार्थक है कि उसने मध्यकाल में औपनिवेशिक नीति की शुरुआत की, जिसके बाद दास कारोबार किया, अमेरिका के मूल निवासियों (रेड इंडियन) का जनसंहार किया, भारत और अफ्रीका में लूट-पाट की। यह मानवीय प्रकृति, सच्चाई, स्वतंत्रता और न्याय के विपरित है।''

# पाकिस्तान पर बड़ी 'डिजिटल स्ट्राइक'

## शहबाज सरकार का ट्विटर अकाउंट भारत में बैन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पाकिस्तान की शहबाज सरकार के खिलाफ बड़ी 'डिजिटल स्ट्राइक' हुई है। हाल ही में पीएफआई पर पांच साल के बैन के विरोध में पाकिस्तानी दूतावास की तरफ से ट्वीट किया गया था। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के कनाडा में स्थित दूतावास ने इस कार्रवाई पर भारत का विरोध किया और पीएफआई के समर्थन में बातें कही थी। माना जा रहा है कि इस वजह से भारत में पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट बैन किया गया है। हालांकि अभी ट्विटर के ऑफिशियल स्टेटमेंट का इंतजार है। दरअसल, सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के कनाडा में स्थित दूतावास के एक ट्वीट का स्क्रीनशॉट, जो पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के समर्थन में था, खूब वायरल हुआ था। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान महावाणिज्य दूतावास वैंकूवर के आधिकारिक हैंडल ने प्रतिबंधित पीएफआई के समर्थन में ट्वीट किया था। यही नहीं आपत्तिजनक ट्वीट के साथ इसमें पाकिस्तान विदेश मंत्रालय और पाक सरकार को टैग भी किया गया। सोशल मीडिया पर इस ट्वीट के खिलाफ लोगों ने काफी गुस्सा निकाला। यह पोस्ट काफी वायरल भी हुई। वायरल स्क्रीनशॉट में ट्वीट किया गया था, भाजपा शासित राज्यों में हिरासत के नाम पर बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हो रही हैं। यह और कुछ नहीं बल्कि पीएफआई को निशाना बनाने वाली केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है। इस निरंकुश व्यवस्था के तहत इस तरह की कार्रवाई अपेक्षित थी। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि जब पाकिस्तान पर भारत ने डिजिटल स्ट्राइक की हो। इससे पहले भी देश विरोधी कंटेट वाले 55 यूट्यूब चैनलों और दो वेबसाइट को मोदी सरकार ने बैन कर दिया था। भारत पाकिस्तान पर इस तरह की कार्रवाई जनवरी 2022 और दिसंबर 2021 में कर चुका है।

**कई बार लताड़ चुका है भारत**

हाल ही में बाइडेन प्रशासन ने एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर (45 करोड़ रुपये) के मेंटनेंस पैकेज को मंजूरी दी थी। इस पर भारत ने बड़ी आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पाकिस्तान को सहायता दिए जाने का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान इस तरह के मेंटेनेंस पैकेज का इस्तेमाल भारत में आतंकवाद में करता रहा है। जयशंकर ने कहा था कि पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कहां और किसके खिलाफ करता है।

पहले 3 सवालों के जवाब से समझिए...

## आपको 5G कब मिलेगा?

### अभी कितने शहरों में 5G मिलेगा?

**पहले चरण में 13 शहरों में 5G सर्विस की शुरुआत होगी। ये शहर हैं–**

दिल्ली • कोलकाता • मुंबई • चेन्नई • अहमदाबाद
बेंगलुरू • चंडीगढ़ • गांधीनगर • गुरुग्राम • हैदराबाद
• जामनगर • लखनऊ • पुणे

### मेरे शहर में 5G कब तक आएगा?

- फिलहाल देश में दो ऑपरेटर्स रिलायंस जियो और भारती एयरटेल ने 5G सर्विस शुरू की है। जियो ने अभी अपने 5G प्लान के दूसरे चरण की कोई डेडलाइन नहीं बताई है।
- एयरटेल ने कहा है कि वह 2023 तक सभी प्रमुख शहरों में 5G सेवाएं देना शुरू कर देगा।
- 1 अक्टूबर के लॉन्च में पहले चरण के सभी 13 शहरों में 5G सेवा शुरू नहीं हुई है। मगर कंपनियों का दावा है कि दीपावली तक सभी 13 शहरों में सर्विस शुरू हो जाएगी।

### क्या इतनी जल्दी 5G सर्विस मिलना संभव है?

**5G नेटवर्क दो तरह से चल सकता है**

**पहला तरीका स्टैंड अलोन नेटवर्क :** 5G के लिए डेडिकेटेड टावर और इंफ्रास्ट्रक्चर। इस मेथड में 5G नेटवर्क मौजूदा 4G नेटवर्क से बिल्कुल अलग उसके समानांतर चलता है। स्पीड बेहतर होती है, मगर इसके लिए कंपनियों को ज्यादा निवेश करना पड़ता है। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने में समय भी लगता है। जियो ने यह तरीका अपनाया है। यानी यह तय है कि जियो की 5G सर्विस नए शहरों तक पहुंचने में समय लगेगा।

**दूसरा तरीका नॉन-स्टैंड अलोन नेटवर्क:** इसमें मौजूदा 4G नेटवर्क के इंफ्रास्ट्रक्चर के सपोर्ट पर ही 5G नेटवर्क चलाया जाता है। अब तक दुनिया में जहां भी किसी भी ऑपरेटर ने इस मेथड पर 5G लॉन्च किया है, वह धीरे-धीरे स्टैंड अलोन नेटवर्क पर ही शिफ्ट हो गया है। हालांकि, इस तरीके में कंपनियों को शुरुआती निवेश ज्यादा नहीं करना पड़ता और सेवा का विस्तार भी जल्दी हो सकता है। एयरटेल ने यह तरीका अपनाया है। यानी एयरटेल की 5G सर्विस नए शहरों तक जल्दी पहुंच सकती है।

### दिल्ली-मुंबई समेत 8 शहरों में एयरटेल की सर्विस आज से

देश में आज यानी एक अक्टूबर से 5जी मोबाइल सर्विसेस की शुरुआत हो गई है। इंडियन मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5जी सर्विसेस लॉन्च कीं। 5जी के आने से इंटरनेट स्पीड 4जी की तुलना में करीब 10 गुना बढ़ जाएगी। दिल्ली के प्रगति मैदान में आज से टेलीकॉम इंडस्ट्री के बड़े इवेंट इंडियन मोबाइल कांग्रेस के छठे एडिशन की शुरूआत हुई है। ये इवेंट 4 दिन तक चलेगा।

# 5जी से आपकी दुनिया कैसे बदलेगी

## > घर बैठे ऐसे पढ़ाई... जैसे क्लासरूम में बैठे हों > 80 फीसदी काम आसान कर देगी ये टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुबह आपके उठने के समय पर बिना सेट किए ही अलार्म खुद बजता है। नहाने के समय पर गीजर खुद ऑन होता है और आपके मनमुताबिक पानी गर्म कर देता है। फ्रिज आपको बताता है कि दूध खत्म हो रहा है और कमरे में आते ही लाइट, पंखा-एसी खुद ऑन हो जाते हैं। ऑफिस या स्कूल जाने के बजाय घर पर ही आप मेटावर्स पर लॉग-इन करते हैं।

आपका मेटावर्स का वर्चुअल अवतार वर्चुअल दफ्तर या स्कूल में मीटिंग्स और क्लास अटेंड करता है। घर से बाहर निकलना भी हो तो गूगल मैप्स आपको रियल टाइम नेविगेशन बताता है। यानी आपके आगे कौन सी गाड़ी चल रही है... आपको अपनी कार या बाइक किधर मोड़नी चाहिए, ये भी बताता है। इस असंभव सी लगने वाली दुनिया को भी 5जी सच कर सकता है।

आज भारत में लॉन्च हुए 5जी नेटवर्क इंटरनेट की रफ्तार को इतने गुना बढ़ा सकता है कि आज हम रोजमर्रा की जिंदगी में जो भी काम करते हैं, उसमें 80% काम और आसान हो जाएंगे। वीडियो, मूवी और गेमिंग की स्पीड बढ़ाना, रोबोटिक सर्जरी को 100% एक्युरेट बनाना या एक्सपर्ट्स को वर्चुअली कनेक्ट करना तो 5जी के कुछ ही फायदे हैं। इंटरनेट की यह रफ्तार आपकी जिंदगी को बदल सकती है।

### अब समझिए, 5जी से आपकी जिंदगी पर क्या असर होगा

5जी से कॉलिंग की क्वालिटी में कोई अंतर नहीं आएगा। हां, यह जरूर है कि 5जी सर्विस का विस्तार करने के लिए कंपनियां इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाएंगी। इससे टावर कवरेज बेहतर हो सकता है। जिन इलाकों में आमतौर पर कॉल ड्रॉप जैसी समस्याएं आती हैं, वहां यह स्थिति सुधर सकती है।

### इंटरनेट का इस्तेमाल बेहतर हो जाएगा?

निश्चित रूप से। 5जी का का उद्देश्य ही इंटरनेट की स्पीड को बढ़ाना है। अभी करीब 70 देशों में पूरी तरह या आंशिक रूप से 5जी सर्विस मिल रही है। इसमें सबसे तेज स्पीड दक्षिण कोरिया में दर्ज की गई है जो करीब 1 जीबी प्रति सेकेंड की है। भारत में 4जी इंफ्रास्ट्रक्चर के सपोर्ट पर भी 5जी सर्विस मिले तो इंटरनेट स्पीड कई गुना बढ़ना तय है। अभी भारत में इंटरनेट की औसत स्पीड 14 एमबी प्रति सेकेंड है। इंटरनेट से जुड़ी हर वो चीज जो आप इस्तेमाल कर रहे हैं...बेहतर हो जाएगी।

### वीडियो कॉल : लेटेंसी कम होगी, स्पीड बढ़ेगी

यानी अभी वीडियो कॉल पर जिस तरह से बीच-बीच में वीडियो अटक जाता है या गायब हो जाता है, वह लेटेंसी कम होने की वजह से नहीं होगा। साथ ही वीडियो कॉल जल्दी कनेक्ट होगी। यदि फोन के कैमरा की क्वालिटी अच्छी है तो वीडियो कॉल भी एचडी मूवी जैसा दिखेगा।

### मूवी डाउनलोड या स्ट्रीमिंग : फास्ट डाउनलोड...बिना बफरिंग के स्ट्रीमिंग होगी

यदि दक्षिण कोरिया की 1 जीबीपीएस की टॉप स्पीड की आधी यानी 500 एमबीपीएस की स्पीड भी भारत में मिलती है तो 2 जीबी की एक मूवी 4 सेकेंड में डाउनलोड होगी। यही नहीं, यदि कोई मूवी ऑनलाइन स्ट्रीम करते हैं तो बिना बफरिंग के स्मूद स्ट्रीमिंग होगी।

### मोबाइल गेमिंग : गेमर्स के लिए 5जी वरदान जैसा...बिना अटके चलेंगे गेम

5जी में नेटवर्क लेटेंसी बहुत कम हो जाएगी। यानी इंटरनेट स्पीड आपको लगातार मिलेगी, कोई बाधा नहीं आएगी। मोबाइल गेमिंग की दुनिया में लेटेंसी ज्यादा होने का मतलब है फ्री-फायर जैसे एक्शन गेम्स का रुक-रुक कर चलना। 5जी के साथ यह बिल्कुल नहीं होगा।

### सोशल मीडिया : स्पीड बढ़ेगी...जल्दी अपलोड होंगे रील्स और वीडियो

5जी इंटरनेट की स्पीड बढ़ाएगा तो इसका सीधा असर सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर होगा। आपकी रील्स या वीडियो अपलोड होने में कम समय लगेगा। दुनिया में 5जी की अधिकतम अपलोड स्पीड भी 400 एमबीपीएस से ज्यादा दर्ज की गई है। यही नहीं, व्हाट्सऐप या टेलीग्राम पर कोई वीडियो या फोटो भेजना भी ज्यादा आसान होगा।

### ऑनलाइन शॉपिंग : तेज नेटवर्क फ्लैश सेल में पिछड़ने नहीं देगा

ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर हम स्पीड को उतना महत्व नहीं देते। मगर सोचिए किसी फ्लैश सेल के समय अगर ऑर्डर करते समय आपका इंटरनेट ही अटक जाए तो? 5जी के साथ यह नहीं होगा। बिना रुकावट के मिलने वाली इंटरनेट स्पीड ऑनलाइन शॉपिंग का एक्सपीरिएंस और अच्छा बनाएगी।

### पीएम ने दिल्ली से यूरोप की कार ड्राइव की, 5जी तकनीक से किया रिमोट टेस्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत में 5जी मोबाइल सर्विसेस की शुरुआत की। इस दौरान पीएम ने नई दिल्ली में बैठकर यूरोप में मौजूद एक कार का रिमोट टेस्ट किया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी अपने सामने लगे स्टीयरिंग से कार को कंट्रोल कर रहे हैं। सामने लगे स्क्रीन पर कार के व्हील्स का मूवमेंट दिखाई देता है।

# नोबेल विजेता घूस में सोना लेने के आरोप में बंद

## इमरजेंसी बाद इंदिरा गईं जेल, बांग्लादेश की महिला प्रधानमंत्रियों ने एक-दूसरे को किया कैद

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान-सू-की को 6 साल जेल की सजा सुनाई गई है। पिछले साल सैनिक विद्रोह के बाद आंग सान-सू-की को गिरफ्तार कर लिया लिया गया था। उन पर यांगून प्रांत के चीफ मिनिस्टर से 11 किलो सोना और कैश लेने के आरोप लगे हैं। हालांकि आंग के वकीलों ने भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल मिलिट्री प्रशासन ने आंग के किसी अज्ञात जगह पर नजरबंद कर रखा है।

इससे पहले भी कई ऐसे मौके आए हैं, जब किसी देश की महिला राष्ट्राध्यक्ष को पद से हटने के बाद जेल जाना पड़ा हो। अपने देश में भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इमरजेंसी के बाद जेल गई थीं। सैनिक विद्रोह के बाद आंग के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था। यहां की अदलतों पर भी सैन्य अफसरों का कब्जा हो गया। जिसके बाद से आंग के ऊपर दर्जन भर से भी ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें कोविड नियम तोड़ने से लेकर भ्रष्टाचार और देशद्रोह जैसे आरोप शामिल हैं। आंग को पहले भी कई मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। अगर उन्हें सभी मामलों में दोषी पाया जाता है तो उनकी कुल सजा 100 साल के भी ज्यादा हो सकती है।

### एक दूसरे को जेल भेजती रही हैं बांग्लादेशी महिला पीएम

पड़ोसी देश बांग्लादेश में लंबे समय से महिलाओं का राज है। मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना और विपक्षी नेता खालिदा जिया बारी-बारी से पीएम बनती रही हैं। खास बात यह है कि एक के सत्ता में आने पर दूसरे को जेल जाना पड़ता है। फिलहाल खालिदा जिया जेल में हैं। उन पर पीएम शेख हसीना की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। इससे पहले जब 2001 से 2008 तक खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में थी, तो शेख हसीना को कई बार जेल में डाला गया।

### इमरजेंसी के बाद इंदिरा भी गई थीं जेल, सोनिया खाना पहुंचाती थीं

इमरजेंसी के बाद जनता पार्टी के नेताओं में इंदिरा गांधी के खिलाफ गुस्सा था। नई सरकार के मुखिया मोरारजी देसाई पर इंदिरा गांधी को सबक सिखाने का दबाव बनाया जाने लगा। जिसके बाद संसद में प्रस्ताव पारित कर उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। इंदिरा गांधी पर भ्रष्टाचार और पीएम रहते हुए पद के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए। इंदिरा को सीबीआई की टीम ने संसद भवन से गिरफ्तार किया था। तिहाड़ जेल में रहने के दौरान खुद सोनिया गांधी अपनी सास के लिए खाना लेकर जाती थीं। एक सप्ताह बाद इंदिरा गांधी जेल से छूट गईं।

साउथ कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति पार्क ग्युन हे 5 साल जेल में रहीं। पार्क ग्युन हे 2013 में साउथ कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई थीं। वो पूरे कोरियन प्रायद्वीप में हेड ऑफ स्टेट बनने वाली पहली महिला थीं।

# परमाणु हमले से बेअसर करेगा आयोडीन

## इसके दो रूप : एक रेडिएशन में रक्षक-दूसरा भक्षक, यूरोप में दोगुने दाम में बिक रहीं इसकी टैबलेट

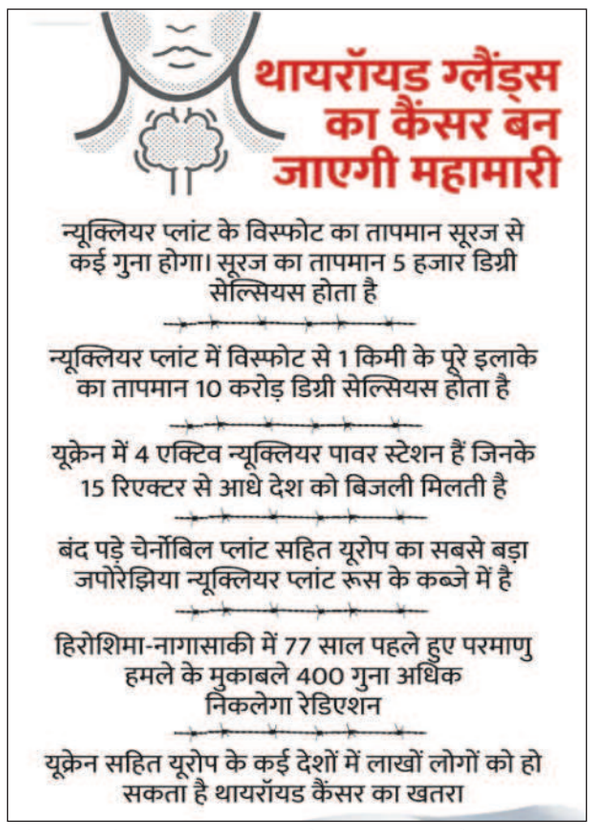


नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेन पर परमाणु बम से हमला होने की आशंका बढ़ते ही यूरोपीय देशों में आयोडीन की मांग बढ़ गई है। कई देशों में दोगुनी कीमत पर पोटैशियम आयोडाइड की टैबलेट बेची जा रही है। दवा दुकानों में इसकी किल्लत हो गई है।

लोग ऑनलाइन भी इसे खरीद रहे हैं। पोलैंड से लेकर बुल्गारिया तक पोटैशियम आयोडाइड की डिमांड है। वैसे तो 24 फरवरी 2022 को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तब से ही यूरोपीय देश परमाणु हमले की आशंका जताते रहे हैं।

### रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 सितंबर 2022 को क्या कहा, पहले यह जान लेते हैं

'जो लोग हमें परमाणु बम को लेकर ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहे हैं वो जान लें कि हवा उल्टी दिशा में भी बह सकती है। यह कोई गीदड़ भभकी नहीं है।' पुतिन के इस बयान के बाद केवल यूक्रेन और यूरोप के दूसरे देश ही नहीं, रूस में भी बेचैनी बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि परमाणु बम से हमला होने पर रूस और उसके पड़ोसी देश बेलारूस में भी बड़े स्तर पर रेडिएशन हो सकता है। इसे देखते हुए ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रूस में जहां न्यूक्लियर पावर प्लांट हैं वहां के आसपास रहने वाली आबादी को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है। नागरिकों को पोटैशियम आयोडाइड की टैबलेट बांटी जा रही हैं। आयोडीन की कमी से दुनियाभर में थायरॉयड की बीमारियों से लोग जूझ रहे हैं। यूक्रेन पर परमाणु बम से हमला होने पर कैसे यह महामारी बन जाएगी, इसे समझते हैं। वैसे हम सभी आयोडीन नमक के बारे में जानते हैं और यह हमने सरकारी विज्ञापनों में भी देखा है कि आयोडीन युक्त नमक खाने से घेंघा रोग नहीं होता है। लेकिन कैसे परमाणु बम फटने पर रेडियोएक्टिव आयोडीन खामोशी से शरीर में पहुंचकर नुकसान पहुंचाता है।

### मेंटल डिसऑर्डर से भी पीड़ित हो सकते हैं लोग

अगर किसी न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला होता है तो विस्फोट से सबसे पहले हवा में रेडियोएक्टिव आयोडीन तैरने लगते हैं। इसका रासायनिक नाम I-131 है। रेडियोएक्टिव आयोडीन सांस के जरिए या स्किन के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। यह गले में मौजूद थायरॉयड ग्लैंड के टिश्यूज को नष्ट करता है जिसके कारण कैंसर होता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई व्यक्ति कब रेडिएशन के संपर्क में आता है, इसका पता नहीं चलता।

रेडियोएक्टिव आयोडीन को न तो देख सकते हैं, न सूंघ सकते हैं और न ही इसके स्वाद का पता चलता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि रेडिएशन के कारण केवल थायरॉयड कैंसर ही नहीं, ट्यूमर भी बनने लगते हैं। ल्यूकेमिया, आंखों की बीमारी और कई तरह के मेंटल डिसऑर्डर से भी लोग पीड़ित होते हैं।

जब कोई अधिक रेडिएशन के संपर्क में आता है तो महज कुछ घंटों में मौत हो जाती है। जैसा कि 1945 में परमाणु हमले के बाद जापान के शहरों हिरोशिमा और नागासाकी में देखने को मिला था। अब सवाल है कि क्या आयोडीन टैबलेट लेने से सचमुच रेडिएशन से बचा जा सकता है। इसका जवाब जानने से पहले थायरॉयड ग्लैंड के बारे में समझ लेते हैं।

हमारे शरीर में मौजूद थायरॉयड ग्लैंड खुद से आयोडीन नहीं बनातीं। आयोडीन खाने-पीने की चीजों से हमें मिलता है। यह टैबलेट के रूप में भी मौजूद है। जब हम इसे खाते हैं तो थायरॉयड ग्लैंड में आयोडीन जमा हो जाता है जो थायरॉक्सिन (T4) और ट्रायडोथायरोनीन (T3) हॉर्मोंस बनाने का काम करता है। इन हॉर्मोंस की वजह से शरीर के कई अंग काम करते हैं। यह ब्रेन के विकास के लिए भी जरूरी है।

थ्योरी यह है कि जब थायरॉयड में पर्याप्त अच्छे आयोडीन जमा हो जाते हैं तो रेडियोएक्टिव आयोडीन शरीर में दाखिल होकर भी कुछ नहीं कर पाता। यह बिना किसी दूसरे अंग को प्रभावित किए किडनी से होते हुए बाहर निकल जाता है।

अब जानते हैं कि नेचुरल आयोडीन और रेडियोएक्टिव आयोडीन में क्या फर्क होता है

आयोडीन 37 तरीके के होते हैं। इनमें से केवल एक ही 'आयोडीन-127' हमारे वातावरण में पाया जाता है, जो हमें नुकसान नहीं पहुंचाता। इसमें रेडियोएक्टिव मेटेरियल नहीं होता। ये नेचुरल रूप से मिलने वाला आयोडीन बैंगनी रंग का होता है। लेकिन 'आयोडीन-131' रेडियोएक्टिव है। आयोडीन-131 जब थायरॉयड ग्लैंड्स में प्रवेश करता है तो थायरॉयड ग्लैंड कन्फ्यूज हो जाती है कि यह नेचुरल आयोडीन है या रेडियोएक्टिव आयोडीन। शरीर में प्रवेश करने पर रेडियोएक्टिव आयोडीन आसपास के टिश्यूज को नष्ट करने लगता है।

# सबसे रईस गायिका थीं गौहर जान

## जब सोना 20 रु. तोला था तब एक गाने के 3000 लेती थीं, सरकार को भी खटकती थी ये फीस

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गौहर जान...ये नाम है उस महिला का है जिसे भारतीय संगीत का नक्शा बदलने के लिए जाना जाता है। ये पेशे से एक तवायफ थीं, लेकिन कमाल की गायिका थीं। इनकी गायकी की ऊंचाई का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि देश में जब सोना 20 रुपए तोला बिकता था, तब ये एक गाना गाने की फीस 3000 रुपए लेती थीं। उस दौर में ये इतनी बड़ी रकम थी कि ब्रिटिश हुकूमत ने इन्हें फीस कम करने की चेतावनी तक दे डाली, फिर भी ये अपनी शर्तों पर कायम रहीं।

तवायफ थीं, लेकिन रुतबा गजब का था। ऐसा कि महात्मा गांधी ने भी स्वतंत्रता आंदोलन में इनसे आर्थिक मदद मांगी थी। ये अपने जमाने की सबसे रईस तवायफ थीं। 1910 में करीब एक करोड़ की नेटवर्थ वाली गौहर जान को महफिलों में गाने के लिए प्राइवेट ट्रेन भी मुहैया कराई जाती थी। देश में जब दो-चार हजार रुपए में एक मिडिल क्लास परिवार में शादियां हो जाती थीं, उस जमाने में इन्होंने अपनी बिल्ली की शादी में 12 हजार खर्च किए और उसके बच्चों के लिए 20 हजार की शाही बग्घी खरीदी थी।

गौहर जान ने 20 भाषाओं में कोई 600 गाने रिकॉर्ड किए थे। हर गाने की रिकॉर्डिंग के समय इनके कपड़े और ज्वेलरी सब नए होते थे। एक बार पहने गहनों को दोबारा कभी नहीं पहना। सोने की 101 गिन्नियां लिए बिना गाना शुरू नहीं करती थीं।

### हर नामी गायक से ली ट्रेनिंग

गौहर जान का जन्म 26 जून 1873 को आजमगढ़ में हुआ। बर्फ की फैक्ट्री में काम करने वाले आर्मेनियन मूल के पिता विलियम रॉबर्ट और इंडियन मूल की मां विक्टोरिया हेमिंग ने इनका नाम एलीन एंजलीना रखा। महज 6 साल की एलीन के सामने मां-बाप के झगड़े बढ़े और दोनों ने तलाक ले लिया। इसके बाद मां विक्टोरिया ने मुस्लिम खुर्शीद से शादी कर इस्लाम कबूल कर लिया। विक्टोरिया शादी

के बाद 1883 में कोलकाता आ गईं, जहां उन्हें बड़ी मलका जान नाम से पहचान मिली। वहीं बेटी एलीन का नाम गौहर जान हो गया। मलका जान और उनकी बेटी गौहर ने गायकी और शास्त्रीय नृत्य की ट्रेनिंग ली। पटियाला के काले खां, अली बक्श, रामपुर के उस्ताद वजीर खान, कोलकाता के प्यारे साहिब और लखनऊ के ग्रेट महाराज बिंदादिन इनके गुरु रहे। 3 साल में ही मलका जान ने 24 चितपोर रोड (रबिंद्र सरणि) में 40 हजार रुपए में एक बिल्डिंग खरीद ली, जहां वो अपनी महफिल सजाया करती थीं।

### पहली परफॉर्मेंस से जीत लिया था दरभंगा के राजा का दिल

14 साल की उम्र में गौहर जान का रंग प्रवेशम (पहली परफॉर्मेंस) हुआ। गाने के साथ डांस करते हुए गौहर जान कोलकाता की पहली डांसिंग गर्ल बनीं। अपनी परफॉर्मेंस से दरभंगा के महाराजा को इम्प्रेस कर ये उनकी सभा की गायिका बन गईं। ये खयाल, ध्रुपद और ठुमरी में ऐसी माहिर थीं कि इन्हें उस जमाने की सबसे महान खयाल सिंगर कहा जाने लगा था।

### इन पर सोना-चांदी लुटाते थे राजा-महाराजा

महफिल में इनके गाने सुनने वाले राजा-महाराजा अपने कीमती जेवर नजराने में दे दिया करते थे। ये इतनी स्वाभिमानी थीं कि उस जमाने में कभी इन्होंने 1 हजार से कम नजराना नहीं लिया। नतीजन ये अपने जमाने की सबसे मशहूर और रईस गायिका थीं।

### आम जनता नहीं सुन सकती थी इनके गाने

गौहर जान का रुतबा ऐसा था कि वो सिर्फ राजाओं की महफिल में गाया करती थीं, जहां राजघराने के लोग ही शामिल हुआ करते थे। आम जनता के लिए उनका गाना सुनना एक सपना था, क्योंकि न उन्हें राजाओं की महफिल में शामिल होने की इजाजत थी, न ही उनकी गौहर को हजार रुपए नजराना देने की हैसियत।

### 2 कमरों के अस्थायी स्टूडियो में हुई थी रिकॉर्डिंग

ग्रामोफोन कंपनी उस समय भारत में बिजनेस बढ़ाना चाहती थी। कंपनी ने पाया कि गौहर जान के गाने सुनने के लिए भीड़ उमड़ती है, लेकिन वो आम जनता के लिए नहीं थे। इसे ग्रामोफोन कंपनी ने अवसर में बदला और गौहर जान से गाने रिकॉर्ड करने की रिक्वेस्ट की। गौहर जान ने एक गाने के लिए 3 हजार रुपए फीस की डिमांड की।

### कैसी थी भारत में हुई पहली रिकॉर्डिंग

ग्रामोफन कंपनी ने कोलकाता के एक होटल में 2 कमरों में एक अस्थाई रिकॉर्डिंग स्टूडियो तैयार किया, जहां गौहर जान अपने साथी गायकों के साथ पहुंचीं। गौहर बेशकीमती सोने के जेवरों से लदी हुई पहुंचीं।

# सीएम गहलोत का बड़ा बयान

## पांच साल पूरे करेगी हमारी सरकार यहां से मैं कहीं नहीं जाने वाला

बीकानेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सियासी संकट के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को बीकानेर संभाग के दौरे पर रहे। इस दौरान सीएम गहलोत ने बड़ा बयान दिया है। सीएम गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूरे पांच साल चलेगी। वहीं उन्होंने फिर से दोहराया कि सरकार का आखरी बजट युवाओं को पूरी तरह समर्पित रहेगा। दूसरी ओर खबर है कि अशोक गहलोत के सीएम बने रहने के एलान तक गहलोत गुट के विधायकों ने इस्तीफा वापस लेने से इंकार कर दिया है। बीकानेर दौरे पर अशोक गहलोत में आत्मविश्वास झलक रहा था। अशोक गहलोत ने फिर से दोहराया कि वो राजस्थान से कहीं दूर नहीं हैं। वे राजस्थान के मारवाड़ से रहने वाले हैं और यहां से वह कहीं नहीं जाने वाले। बीकानेर दौरे पर उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। गहलोत ने कहा कि उनके रहते हुए भाजपा के मंसूबे कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे। केंद्र की मोदी सरकार ने देश में लोगों को आपस में बांटने का काम किया है लेकिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देश को एकता के सूत्र में पिरोया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा को मिल रहे जनसमर्थन से भाजपा में हताशा है। राजनाथ सिंह, अमित शाह और नड्डा भाजपा अध्यक्ष कब बने, किसी को नहीं पता। कांग्रेस में चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हो रहा है। इस चुनाव ने देश के लोगों को संदेश दिया है कि कांग्रेस अभी भी मजबूत विपक्ष है।

सीएम बीकानेर हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में ग्रामीण ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं। बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद कांग्रेस नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने सीएम का स्वागत किया। इस दौरान सीएम के साथ मंत्री बीडी कल्ला भंवर सिंह भाटी लालचंद कटारिया और गोविंद राम मेघवाल भी मौजूद रहे।

# खनन माफियाओं पर ऐक्शन में गहलोत सरकार

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में खान विभाग ने खनन माफियाओं के खिलाफ पिछले दो माह में साढ़े ग्यारह करोड़ का जुर्माना वसूलने के साथ ही 746 एफआईआर दर्ज की हैं। इसके साथ ही इस दौरान 456 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अग्रवाल ने शुक्रवार को किशनगढ़ में अजमेर वृत के खान एवं भू-विज्ञान विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में दी। अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान बड़ी मशीनों की जब्ती के साथ ही 2136 वाहन जब्त किए गए हैं। उन्होंने खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। पिछले दो माह से समूचे प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध माइंस एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अजमेर वृत की उपलब्धियों को भी रेखांकित करते हुए अधिकारियों से इसी तरह से परस्पर समन्वय एवं सहयोग से कार्य करने का आग्रह किया।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि खनिज प्लॉटों की नीलामी के लिए नए खनिज प्लाटों के डेलिनियेशन का काम तेजी से किया जाए। उन्होंने बताया कि अजमेर वृत में लाईम स्टोन, सेंड स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, जप्सिम, बजरी, ग्रेवल, कंकर, मुर्रम, बॉलक्ले, फायर क्ले, चाइना क्ले, रेड व येलो ओकर, सिलिका सेंड, सेंड स्टोन, पट्टी कातला, खंडा, गारनेट सहित खनिजों के विपुल भण्डार है। क्षेत्र में बड़ी सीमेंट कंपनियां कार्य कर रही है।

# अशोक गहलोत फिर दिखाएंगे जादू या सचिन पायलट बनेंगे मुख्यमंत्री

## क्या होगा सोनिया गांधी का फैसला?

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में अभी भी सियासी संकट बरकरार है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की लड़ाई पर पार्टी के आलाकमान को फैसला करना है। पार्टी का कहना है कि सोनिया गांधी राजस्थान के मुख्यमंत्री के बारे में एक-दो दिन में फैसला ले लेंगी। इसके बाद सभी की निगाहें राजस्थान पर टिकी हैं। अशोक गहलोत ने भले ही यह कहा है कि उनके लिए पद कोई मायने नहीं रखता और वह पार्टी को मजबूत बनाना चाहते हैं, लेकिन उनके विधायकों ने अभी भी अपना इस्तीफा वापस नहीं लिया है। उनका साफ कहना है कि दिल्ली के फैसले के बाद ही वह अपने स्टैंड पर विचार करेंगे।

इससे पहले अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना समर्थन दिया और इसके तुरंत बाद अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। गहलोत ने खड़गे का प्रस्तावक बनने के बाद कहा था, मेरे लिए, कोई पद महत्वपूर्ण नहीं है। देश में कांग्रेस को मजबूत बनाने की जरूरत है और हर भारतीय ऐसा कह रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने सोनिया गांधी से भेंट के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की पेशकश की, गहलोत ने इसका कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, "मैं गांधी परिवार के आशीर्वाद से पिछले 50 वर्ष से कई पदों पर रहा हूं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया। मेरे लिए पद मायने नहीं रखता बल्कि यह मायने रखता है कि पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए। मैं इसके लिए हरसंभव कोशिश करूंगा।" उन्होंने आगे कहा, अगर मैं अभी कोई पद छोड़ता हूं, तो कहा जाएगा कि जब कांग्रेस संकट से गुजर रही है तो अशोक गहलोत भाग रहे हैं मैं वही करूंगा जो आलाकमान कहेगा।

अशोक गहलोत ने जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं हो पाने और संबंधित घटनाक्रम के लिए गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात कर माफी मांगी थी और कहा कि वह अब अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे।

# सीएम गहलोत की पत्नी बनीं सिंगर

## विलुप्त लोक गीतों को मुख्यधारा में लाने की कवायद

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत ने गायन के क्षेत्र में कदम रखा है। उनके यूट्यूब चैनल का नाम 'सिंगर सुनीता गहलोत' है। राजस्थान के लोक गीतों को पहचान दिलाने एवं मुख्य धारा में लाने की मंशा से गहलोत की पत्नी ने गायन के क्षेत्र में कदम रखा है। आमतौर पर सीएम गहलोत की पत्नी लाइम लाइट में नहीं रहती है,लेकिन इस बार उन्होंने राजस्थानी लोक गीतों को मुख्यधारा में लाने की कवायद शुरू कर दी है। सुनीता गहलोत का यह अंदाज देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

**गीतों का संकलन करने में जुटीं**

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की पत्नी ब्याह-शादी में गाए जाने वाले गीतों का संकलन करने में जुटी हैं। सुनीता गहलोत यूट्यूब पर चैनल बनाकर है इन गीतों को अपनी आवाज़ में जारी कर रही हैं। आपकों बता दें सीएम गहलोत की पत्नी सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर शामिल होती रहीं है। इस बार सीएम की पत्नी ने विलुप्त होते लोक गीतों को फिर से जीवित करने का बीड़ा उठाया है।

**यूट्यूब चैनल का नाम 'सिंगर सुनीता गहलोत'**

सुनीता गहलोत के यूट्यूब चैनल का नाम 'सिंगर सुनीता गहलोत' है। उन्होंने पहला जो गाना गाया है, उसके बोल 'ये शुभ घड़ियां' है। इस गाने में उन्होंने बन्ना-बन्नी की प्यारी सी झलक को पेश किया है। राजस्थानी लोक गीतों को मुख्यधारा में लाने की पहल की जमकर सराहना हो रही है। आपकों बता दें इस समय राजस्थान का सियासी संकट की हर ओर चर्चा हो रही है, लेकिन सीएम गहलोत की पत्नी ने इन बातों से बेखबर होकर गायन के क्षेत्र में कदम रखा है।

# हाईकमान से आर-पार की लड़ाई के मूड में बागी विधायक

## अशोक गहलोत पर फैसला होने तक वापस नहीं लेंगे इस्तीफा

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में जारी उथल-पुथल कम होने का नाम नहीं ले रही है। सचिन पायलट को सूबे की कमान सौंपने की संभावना के चलते 80 से ज्यादा विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाईकमान से माफी मांगी और कांग्रेस अध्यक्ष की रेस से खुद को अलग कर लिया। अब बागी विधायक हाईकमान से आर-पार के मूड में दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि वे अशोक गहलोत पर फैसला होने तक अपना इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। दरअसल, ऐसी अटकले हैं कि गहलोत की जगह किसी और को राजस्थान की कमान सौंपी जा सकती है।

**सचिन पायलट के विरोध में दिया इस्तीफा**

सचिन पायलट को राजस्थान की कमान सौंपने की संभावना के चलते विधायकों ने 25 सितंबर को स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंप दिया। 90 से अधिक विधायकों ने गहलोत का उत्तराधिकारी निर्धारित करने के लिए बुलाई गई विधायक दल की बैठक में हिस्सा नहीं लिया। इसे पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन ने अनुशासनहीनता करार दिया था। उन्हें हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। जिसके बाद तीन विधायकों को नोटिस जारी किया गया था। विधायक 2020 में सरकार के साथ खड़े रहे 102 विधायकों में से किसी को सीएम चुनने की मांग कर रहे हैं।

**गहलोत ही संभालेंगे राजस्थान की कमान**

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के बहाने अशोक गहलोत ने आलाकमान के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। यह दांव उनपर उल्टा पड़ गया और उन्हें पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की रेस से बाहर होना पड़ा। इतना ही नहीं उन्होंने सोनिया गांधी से माफी भी मांगी। अब सभी की नजरें राजस्थान में होने वाले सियासी घटनाक्रम पर हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि गहलोत सीएम की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे या पायलट को कमान सौंपी जाएगी। इसका पता आने वाले समय में चल जाएगा।

# विधायक बोलीं- धारीवाल और नेताओं के कहने पर इस्तीफा दिया

## कहा- सीएम का दोष नहीं, कुछ लोगों ने अंधेरे में रखकर बैठक बुलाई

उदयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायकों द्वारा बीते दिनों स्पीकर को सौंपे गए इस्तीफे की सियासत के बीच वल्लभनगर विधायक एक बड़ा बयान दिया है। प्रीति शक्तावत ने कहा- कुछ लोगों ने अंधेरे में रखकर बैठक बुलाई थी। इस्तीफे के विषय की ज्यादा जानकारी को उन्हें नहीं दी गई थी। सीएम की जानकारी के बिना बुलाई बैठक गलत है। उन्हें भी शांति धारीवाल के घर बुलाई गई बैठक के कारणों का पता नहीं था। इस संकट के लिए उन्होंने मंत्री शांति धारीवाल समेत कुछ नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। स्पीकर से वापस इस्तीफा वापस ले लेंगे।

शक्तावत ने कहा कि रविवार को विधायक दल की बैठक के लिए हमें जयपुर बुलाया गया था। कुछ नेताओं द्वारा बार-बार फोन आया कि आप शांति धारीवाल के घर आइए, ऐसे में हम सभी लोग शांति धारीवाल के घर गए। कुछ घंटों के बाद पता चला कि बैठक का आयोजन ही गलत था। कुछ नेताओं की गलती के कारण सीएम को आलाकमान से माफी मांगनी पड़ी हैं। जबकि उनका कोई दोष नहीं है।

शक्तावत ने कहा- वे पुनः अपना इस्तीफा वापस लेगी और आलाकमान का निर्णय को मानेगी। कुछ नेताओं द्वारा मानेसर गए विधायकों को गद्दार कहने पर उन्होंने कहा कि बार-बार गद्दार कहना मुझे बहुत ज्यादा हट कर रहा है। मुझे वो टिप्पणी सुनकर रोना भी आया था। हो सकता है कि पार्टी में अपनी मांगे रखने के लिए कई बार ऐसा करना जरूरी हो गया हो। शक्तावत ने कहा कि उन्हें बिना बताए इस तरह की बैठक करना और हम जैसे नए विधायकों को अंधेरे में रखकर बैठक में बुलाना गलत है। सोनिया गांधी और आलाकमान का जो भी आदेश होगा, उसे हम सभी मानेंगे। शक्तावत ने कहा कि अशोक गहलोत का राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ने से मुझे बहुत खेद है। यदि गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते कांग्रेस पार्टी में पूरा देश का नेतृत्व करते, ऐसा नहीं हो पाया।

# 'हिंदी भाषा का हो अधिकाधिक प्रयोग ताकि लोगों को मिले बेहतरीन सुविधा'

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंदी दिवस के साथ ही शुरू हुए हिंदी पखवाड़े का अब समापन हो चुका है। इन 15 दिनों में हिंदी के विकास एवं विस्तार को लेकर सभी सरकारी विभागों में विभिन्न आयोजन हुए। इसी कड़ी में केनरा बैंक की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा में अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक पुरशोत्तम चंद ने कहा कि राजभाषा के कार्यान्वयन में सभी को अपना श्रेष्ठ योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ पत्र व्यवहार एवं संवाद हिंदी में करना चाहिए, ताकि ग्राहकों को हिंदी भाषा में बेहतरीन ग्राहक सेवा मिल सके। पखवाड़े के समापन समारोह के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा की और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

इस दौरान कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के प्रख्यात हास्य कवि पी के मस्त, किशोर पारीक, केसर देव मारवाड़ी, सिद्धार्थ, संतोष एवं के एल सैनी ने अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक अरुण कुमार आर्या, यूनियन बैंक के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख विपन सिंह, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर—प्रथम प्रमुख दीपक शुक्ल, सहायक महाप्रबंधक सजल समीर, सहायक महाप्रबंधक हरकेश्वर प्रसाद एवं अंचल कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर प्रथम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# अजमेर दरगाह पहुंचे अजय देवगन

## आने वाली फिल्मों को लेकर दुआ मांगी फोटो खिंचवाने के लिए लोगों की लगी भीड़

अजमेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शनिवार को बॉलीवुड स्टार अजय देवगन जियारत करने पहुंचे। अजय देवगन को कड़ी सुरक्षा के बीच खादिम द्वारा जियारत करवाई गई। जियारत के बाद वह वापस कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना हो गए। इस दौरान अजय देवगन ने देश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे और अपने आने वाली फिल्मों के लिए मनोकामना की। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन शनिवार सुबह चार्टर प्लेन के जरिए किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उनका स्वागत हुआ। स्वागत के बाद गांधीनगर थाना प्रभारी शंभू सिंह शेखावत ने उन्हें रिसीव किया और सड़क मार्ग होते हुए विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पहुंचे। वह मुख्य दरवाजे से ना होते हुए दरगाह के गेट नंबर 10 से होते हुए दरगाह के अंदर पहुंचे और उन्हें खादिम कुतुबुद्दीन सखी द्वारा जियारत करवाई गई। खादिम कुतुबुद्दीन सखी द्वारा उनकी उनकी दस्तारबंदी की गई। इसके साथ ही उन्हें तबरुक भी भेट किया गया। अजय देवगन ने दरगाह में देश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे और उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर मनोकामना की। देवगन के जियारत के दौरान उनके चाहने वालों का ताता देखने को मिला।

# गहलोत के एमएलए ने किया मृत्युभोज पर पाबंदी के आदेश का उल्लंघन

## मंत्री सुभाष गर्ग समेत 4 एमएलए हुए शामिल

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की गहलोत सरकार ने प्रदेश में मृत्युभोज पर पांबदी लगा रखी है। इसके बावजूद मृत्युभोज का धड़ल्ले से आयोजन हुआ। कांग्रेस विधायक लाखन मीना ने अपनी माताजी के निधन पर तेरहवीं पर मृत्युभोज का आयोजन किया। इस आयोजन में मंत्री सुभाष गर्ग, विधायक जोगिंदर सिंह अवाना, वाजिब अली और संदीप यादव शामिल हुए। विधायक संदीप यादव ने खुद ट्वीट कर मृत्युभोज में शामिल होने की जानकारी दी है। संदीप यादव ने ट्वीट कर लिखा- 30 सितंबर को करौली विधायक भाई लाखन मीना की माता जी की रस्म पगड़ी में मंत्री सुभाष गर्ग, साथी विधायक वाजिब अली और जोगिंदर सिंह अवाना से साथ भाग लिया। एक तरफ तो सरकार ने पाबंद लगा रखी है। दूसरी तरफ सरकार के मंत्री और विधायक ही पाबंदियों की पालना नहीं कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2019 को राज्य सरकार ने मृत्यु भोज पर पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए थे। कार्यालय महानिदेशक पुलिस अपराध शाखा राजस्थान द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजस्थान मृत्युभोज निवारण अधिनियम 1960 के अनुसार मृत्युभोज करना दंडनीय अपराध है। प्रावधान के अनुसार मृत्युभोज होने की सूचना कोर्ट को दिए जाने का दायित्व पंच, पटवारी, सरपंच को दिया गया है। इस अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दंड का प्रावधान भी किया गया है। इस संबंध में अधिनियम तो पहले से ही बना हुआ है लेकिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यह एक कुप्रथा के तौर पर जारी है। इस कुप्रथा के चलते असक्षम तबका भी समाज में अपनी इज्जत बनाए रखने के लिए कर्ज लेकर मृत्युभोज का आयोजन करता है। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों को इस अधिनियम को पालन कराने के आदेश दे दिए हैं।

# रिश्वत के आरोपी एएसआई को भेजा जेल

टोंक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलात्कार के मामले में कार्रवाई और आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए एएसआई को एसीबी ने शुक्रवार को अजमेर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि एएसआई सुरेश ङ्कषसह चौधरी को गिरफ्तार किया था। एक परिवादी ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके भाई के खिलाफ बनेठा थाने में बलात्कार का मामला दर्ज है। इसमें आरोपी एएसआई कार्रवाई नहीं करने और आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था।

# दिव्या मदेरणा का बड़ा तंज

## बोलीं- मुट्ठीभर बाजरे के लिए दिल्ली की बादशाहत गंवाई, गहलोत के 3 वफादारों की गलती पड़ी भारी

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में चल रहा सियासी बवाल शांत नहीं हो रहा है। सीएम अशोक गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बन पाने पर विधायक दिव्या मदेरणा ने कहा- मुट्ठीभर बाजरे के लिए दिल्ली की बादशाहत खो दी। गहलोत मुख्यमंत्री रह भी जाते हैं तो कोई बात नहीं होगी। क्योंकि वे तीन बार इस पद पर रह चुके हैं। अपने तीन वफादार लोगों की नादानी की वजह से कांग्रेस अध्यक्ष का पद खो दिया।

दिव्या ने कहा- गहलोत ने खुद कहा था कि हर गलती कीमत मांगती है। उनके तीन वफादार लोगों की नादानी की कीमत पूरा राजस्थान और जोधपुर चुकाएगा। उनके तीन बहुत खास मानें जाने वाले लोगों की गलतियों की कीमत अध्यक्ष पद खोकर चुकाई। इसका मुझे दुख है। क्योंकि एक साधारण परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष बनता तो हमें गर्व होता। दिव्या मदेरणा ने बाद में ट्वीट करके धारीवाल, जोशी और राठौड़ को निशाने पर लिया। दिव्या ने लिखा- क्योंकि सिर्फ तीन लोगों की गलती से आज जोधपुर और राजस्थान गर्व होने वाले उस पल से दूर रह गया। जोधपुर से निकल कर एक व्यक्ति कांग्रेस पार्टी के सबसे बड़े पद पर बैठता तो हमारे लिए गर्व की बात होती। बता दें कि दिल्ली के बादशाह शेरशाह सूरी ने 1544 में मारवाड़ पर चढ़ाई की थी।

# मालकिन पर नौकर ने किया हमला

## तकिए से मुंह दबाकर मारना चाहा, बचने की कोशिश में दोनों हाथों में आई चोट

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में घरेलू नौकर ने बुजुर्ग मालकिन की हत्या का प्रयास किया। तकिए से मुंह दबाकर मालकिन को मारने की कोशिश की। देखभाल के लिए रखी नर्स और रसोईए के नौकर की करतूत देखकर उसके पकड़ लिया। जान बचाने के लिए पलंग पर लेटी बुजुर्ग मालकिन के संघर्ष करने से दोनों हाथों में चोट आई। चित्रकूट थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी घरेलू नौकर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश कर आरोपी को जेसी भेज दिया। एसआई हेमलता शर्मा ने बताया कि चित्रकूट नगर मंदिर मार्ग पर बिजनेसमैन अमित सेठी रहते है। अमित सेठी का गारमेंट्स एक्सपर्ट का बिजनेस है। 87 साल चंचल की बीमार बुजुर्ग मां की देखरेख के लिए दो घरेलू नौकर और एक नर्स रख रखी है। पिछले डेढ़ साल से बिहार निवासी अशोक राय उर्फ मनोज राय (37) घर का काम करता है। घटनाक्रम के मुताबिक, विदेश से परिचित के आने पर अमित उससे मिलने बाहर गए थे। रात करीब 10 बजे शराब के नशे में नौकर अशोक बुजुर्ग मालकिन के कमरे में आया। पलंग पर लेटी मालकिन चंचल के पास रखे तकिए से उसका मुंह दबाकर मारने की कोशिश की।

बचने के लिए कोशिश करने पर चंचल के दोनों हाथों में चोट आई। नौकर अशोक की करतूत देखकर कमरे में आई नर्स मीना चिल्लाई। चिल्लाने की आवाज सुनकर दूसरा नौकर नंतुन भी आ गया। जिन्हें देखकर नौकर अशोक ने मालकिन के मुंह से तकिया हटा लिया। दोनों ने नौकर अशोक को पकड़कर सर्वेंट क्वार्टर में बंद कर दिया।

बिजनेसमैन अमित सेठी को कॉल कर घटना के बारे में बताया। बिजनेसमैन अमित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने बुजुर्ग मालकिन की हत्या के प्रयास में आरोपी नौकर अशोक राय उर्फ मनोज राय को गिरफ्तार किया।

# खेल भावना पर खरा उतरें और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें युवा : अजहरुद्दीन

## हैदराबाद पब्लिक स्कूल में आईपीएससी क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पब्लिक स्कूल, रामंतापुर में प्रतिष्ठित आईपीएससी क्रिकेट टूर्नामेंट-2022 के समापन समारोह के साथ एक रोमांचक सप्ताह का अंत हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित अजहरुद्दीन, अध्यक्ष एचसीए और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान का स्वागत प्राचार्य डॉ. एस नरसिम्हा रेड्डी ने किया। समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में सुभाष रेड्डी विधायक, उप्पल निर्वाचन क्षेत्र और सदस्य एचपीएस सोसाइटी, गुस्ती जे नोरिया, द हैदराबाद पब्लिक स्कूल सोसाइटी के अध्यक्ष, फैज़ खान, उपाध्यक्ष द हैदराबाद पब्लिक स्कूल सोसाइटी, रघुराम रेड्डी, वाइस चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, जी. उपेंद्र बाबू सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, वेणु विनोद, सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष, अश्वनी कांत राव सदस्य प्रबंध समिति एचपीएसएस और सचिव एलुमनी एसोसिएशन, मसीउद्दीन अहमद सदस्य एचपीएस सोसाइटी और डॉ. माधव देव सारस्वत प्रिंसिपल, द हैदराबाद पब्लिक स्कूल ने भाग लिया।

समापन समारोह में स्कूल की टीम, टीचिंग स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. रेड्डी ने भाग लेने वाली टीमों की प्रशंसा की और विजेताओं को बधाई दी। हम आशा और प्रार्थना करते हैं कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचें। इस टूर्नामेंट में 17 टीमें ट्राफी के लिए आपस में भिड़ीं। अंडर-17 (लड़कों) वर्ग के लिए चैंपियनशिप कप जीतने वाला स्कूल मॉडर्न स्कूल, नई दिल्ली रहा और उपविजेता एचपीएस बेगमपेट रहा।

इशांक झांजी को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वरुण शर्मा को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया। दोनों मॉडर्न स्कूल, नई दिल्ली से हैं। एचपीएस बेगमपेट के वैभव पवन को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। मुख्य अतिथि अजहरुद्दीन ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को खेल भावना पर खरा उतरने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विजेताओं और उपविजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने इन्हीं मैदानों में अपने अभ्यास की यादगार यादों को संजोया और युवाओं को विनम्र रहने की सलाह दी क्योंकि शिक्षा सांस लेती है। उन्होंने कौशल विकसित करने और बड़ों और शिक्षकों के प्रति सम्मान दिखाने पर भी जोर दिया।

## त्योहारों के मौसम में हैदराबाद हवाई अड्डे ने यात्रा परामर्श जारी किया

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारी सीजन के बीच, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) ने एक यात्रा सलाह जारी की है। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में भारी उछाल आने की संभावना है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे हवाई अड्डे के लिए अपने आवागमन की योजना पहले से ही बना लें।

हवाई अड्डे से शहर तक परिवहन सुविधाओं के लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा समय की उम्मीद है।

यात्री हवाई अड्डे पर उपलब्ध परिवहन के कई साधनों का लाभ उठा सकते हैं। हाल ही में, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने हाईटेक सिटी में शिल्पाराम से हैदराबाद हवाई अड्डे के लिए एक बस सेवा शुरू की। बस हर 30 मिनट में सुबह 4:30 बजे से रात 10:30 बजे के बीच शिल्पाराम से रवाना होगी। रोजाना यात्रा करने वालों को 10 फीसदी की छूट मिलेगी।

# स्वामीनारायण गुरुकुल द्वारा 51 कुंडीय श्री महाविष्णु यज्ञ

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोइनाबाद मंडल स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल के तत्वावधान में चल रहा रजत जयंती महोत्सव के निमित्त 51 कुंडीय श्री महा विष्णु यज्ञ के द्वितीय दिवस में प्रत्येक 51 कुंड पर स्वामीनारायण गुरुकुल के एक एक संत ने बैठकर आहुति दी और अब तक इस यज्ञ में 1800000 आहुति दी गई है और 2500000 आहुति का लक्ष्य है। कल 2 अक्टूबर रविवार के दिन मुख्य उत्सव का आयोजन है और सायं 4,30 के समय यज्ञ की पूर्णाहुति है एवं 5 बजे मुख्य कार्यक्रम रखा गया है।

प्रातः काल में लोटस टेंपल का पुनः उद्घाटन दर्शन पूजा एवं ध्वजा रोहण कार्यक्रम रखा गया है और गौ पूजा का लाभ पूरे दिन जो चाहे वह सभी भक्तों को मिलेगा। मुख्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्ना जीयर स्वामी जी और भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस एनवी रमणा और भारत बायोटेक के चेयरमैन कृष्णा एल्ला है।

स्वामीनारायण गुरुकुल के प्रमुख गुरुवर्य देव कृष्ण दास जी स्वामी जूनागढ़ से ज्ञानस्वरूप स्वामी सूरत से पूज्य धर्मावल्लभस्वामी, सरधार से नित्य स्वरूप स्वामी आदि 70 से अधिक संतो की उपस्थिति में यह उत्सव मनाया जाएगा।

वरंगल शहर के भद्रकाली के दर्शन करने पहुंचे सरकार के मुख्य सचेतक दशम विनय भास्कर और नन्नपुनेनी के विधायक नरेंद्र वाणी।

राजस्थानी प्रगति समाज और प्रदर्शनी सोसायटी द्वारा अयोजित 50वां रामायण मेले के अंतर्गत डांडिया खेलते हुए राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल व मेले के प्रधान संयोजक गोविंद राठी। इक्नोमिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रभाशंकर, सचिव प्रदर्शनी सोसायटी अश्विन मार्गम, बी.एन. राजेश्वर, थानेदार बेगम बाजार पुलिस स्टेशन शंकर का सम्मान करते हुवे गोविंद राठी, गिरीधारीलाल डागा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी। उपस्थित हैं बी. सुरेंद्र रेड्डी, विनयकुमार व अन्य।

# प्रांतीय कार्यकारिणी में पर्ल शाखा को मिला सर्वश्रेष्ठ सम्मान

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल शाखा ने प्रान्त द्वारा आयोजित प्रांतीय कार्यकारिणी में भाग लिया जिसमें शाखा को मिला सर्वश्रेष्ठ शाखा एवं सर्वश्रेष्ठ मंत्री एवं कई अन्य पुरस्कार शामिल रहे। शाखामंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांतिय मारवाडी युवा मंच की प्रांतीय कार्यकारिणी की द्वितीय सभा प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन की अध्यक्षता में मेडचल शाखा के आतिथ्य में होटल मान सिंह, हैदराबाद मे सम्पन हुई जिसमें शाखा के पदाधिकारीयों ने भाग लिया एवं शाखा द्वारा वर्ष 2021-22 में किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिल लखोटिया एवं विशेष अतिथि ज़ोन पाँच के उपाध्यक्ष ललित जैन एवं प्रांत के सभी पूर्व अध्यक्षगणों ने शाखा के कार्यों की बहुत बहुत प्रशंसा की।

# बिहार एसोसिएशन ने मंत्री को दिया छठ पूजा का आमंत्रण

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद का एक शिष्टमंडल श्रम एवं रोजगार मंत्री मल्ला रेड्डी, एमएलए मल्काजगीरी हनुमंत राव एवं एमएलसी एस. राजू से शिष्टाचार भेंट कर छठ पूजा में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया। मंत्री ने शिष्टमंडल को संबोधित करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा छठ पूजा के इस पवित्र घड़ी में हम सम्मिलित होकर अवश्य पुण्य का भागी बनेंगे। आमंत्रण के लिए शिष्टमंडल सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह के नेतृत्व में यह शिष्टमंडल माननीय मंत्री को आमंत्रण पत्र भेंट की।

# आयुर्वेदिक पुस्तकालय का शुभारंभ

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में संस्थान के डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. रबी नारायण आचार्य के हाथों से प्राचीन आयुर्वेदिक रस औषधी को संस्थान के पुस्तकालय और संग्रहालय में संरक्षण के लिए दिया गया है। ये बहुमूल्य पुस्तकें आयुर्वेदिक और अन्य मेडिकल छात्रों, शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। सामान्य जनता भी इनका लाभ उठा सकते हैं। ये किताबें ज्यादातर तेलुगु में प्रकाशित होने के कारण ये आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी हैं। डॉ. अचंता लक्ष्मीपति आयुर्वेद मैनेजिंग ट्रस्टी उत्तम वैद्य पम्मी सत्यनारायण शास्त्री अचंटा लक्ष्मीपति के पोते डॉ. रवि ने संस्थान को ऐसी मूल्यवान पुस्तकें और जर्नलों को भेंट स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में वैद्य पम्मी सत्यनारायण शास्त्री और डॉ.रवि को सीसीआरएस के महानिदेशक रबी नारायण आचार्य द्वारा सम्मानित किया गया।

बोइनपल्ली, बापूजी नगर की भावना कॉलोनी में स्थापित दुर्गा माता की पूजा-अर्चना करते हुए ए. गौतम जैन, जी. विनय सिंह, जय माता दी महिला मंडल की अध्यक्ष राखी लोढा, सन्नी, बंतु व अन्य।

प्राचीन संकट हनुमान मंदिर, मूसापेट में रामवास गौसदन के निर्माण कार्य पूरा होने पर गौशाला में गौपूजा करते हुए समाजसेवी प्रकाशचंद्र गर्ग व अन्य गौभक्त।

# प्रो. देवव्रत दास एसवीसी अय्या मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में आयोजित इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई) के 65वें वार्षिक आमसभा समारोह में प्रतिष्ठित प्रो. एसवीसी अय्या मेमोरियल अवार्ड 2022 से आईआईआईटी बैंगलोर के निदेश प्रो. देबब्रत दास का सम्मान किया गया। प्रोफेसर दास को दूरसंचार के क्षेत्र में उनके शोध मार्गदर्शन और महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार, जिसमें एक नकद पुरस्कार के साथ एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है, जिसमें प्रो. दास के व्यापक कार्य को शामिल किया गया है। प्रो. एसवीसी अय्या मेमोरियल अवार्ड 2022, प्रदर्शन को बढ़ावा देने और हरित संचार में प्रवेश करने के लिए ब्रॉडबैंड वायरलेस नेटवर्क के मीडियम एक्सेस कंट्रोल (मैक) प्रोटोकॉल के क्षेत्र में प्रोफेसर दास द्वारा किए गए अभूतपूर्व शोध को सम्मानित करने के लिए है। यह पुरस्कार प्रो. दास के विशाल कार्य और दूरसंचार के क्षेत्र में ज्ञान के प्रसार में छात्रों और अनुसंधान संकाय को अभिनव विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करता है जो ऐतिहासिक सफलताओं में परिणत होंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. दास ने कहा कि इस सम्मान से अभिभूत हूं और इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने के लिए विनम्र हूं। मुझे यह सम्मान देने के लिए मैं आईईटीई का धन्यवाद करता हूं।

अतापुर स्थित इश्टा सिटी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित माता की चौकी भजन संध्या में अरुण डाकोतिया का सम्मान करते हुए गोपाल अग्रवाल, भोला त्रिपाठी एवं अन्य।

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से विधायक राजा सिंह का निलंबन वापस लेने का आग्रह

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग संभाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय के साथ सिंह को भाजपा द्वारा किये गये निलंबर के आदेश को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय समिति से बातचीत करने के लिए भी आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने गोशामहल विधायक राजा सिंह को जल्द जेल से रिहा करने के लिए प्रयास करने की अपील की। साथ ही आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव में राजा सिंह का समर्थन जारी रखने का भी अनुरोध किया। करीमनगर में माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को गोशामहल के विधायक टी. राजा

बतुकम्मा कुंटा में श्रीराम युवसेना के नेतृत्व में आयोजित नवरात्रि उत्सव में माता की पूजा-अर्चना करते हुए शेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद व अन्य।

# अम्मावरी मंदिर में देवी ललिता की विशेष पूजा की गई

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरा शरणाव रात्रि समारोह के हिस्से के रूप में भक्तों ने आज न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर में श्री देवी नला पोचम्मा अम्मावरी मंदिर में देवी ललिता की उनके विशेष अलंकरण में पूजा की गयी। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष तथा बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप उपस्थित थे और भक्तों के साथ पूजा में शामिल हुए। बाद में अन्नदान कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में नरसिम्हा, प्रेम कुमार मुदिराज, अजित, कोमारैया, नरेंद्र, शेखर, महेश भारद्वाज और अन्य ने भाग लिया।

मेडचल रोड स्थित कालाकल या देवी श्री आइजी एसवीएसटी गौशाला में नवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित गरबा डांडिया कार्यक्रम में आनंद लेते हुए गौशाला के संस्थापक तारा राम पंवार, चुन्नीलाल, अमराराम, कालूराम एवं अन्य।

# भारत ने श्रीलंका को 41 रन से हराया

## महिला एशिया कप में पहली जीत, हेमलता ने झटके 3 विकेट; जेमिमा ने बनाए 76 रन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2022 में भारतीय टीम ने जीत के साथ आगाज किया है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहले मुकाबले में 41 रन की जीत दर्ज की है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने श्रीलंका को 151 रन का टारगेट दिया था।

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा का बल्ला कुछ कमाल नहीं कर पाया था। मंधाना 7 बॉल पर 6 रन बनाकर आउट हो गईं थी। वहीं, शेफाली वर्मा के बल्ले से 11 बॉल में 10 रन निकले थे। चोट के बाद वापसी करने वाली जेमिमा रोड्रिगेज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 53 बॉल पर 76 रन बना दिए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और 1 छक्का निकला। उनका स्ट्राइक रेट 143.39 का रहा। इनके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर के बल्ले से 30 गेंद में 33 रन निकले। उन्होंने 2 चौका और 1 छक्का लगाया। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 18.2 ओवर में 109 रन पर ऑल-आउट हो गई। टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा विकेट दयालन हेमलता ने लिए। उन्होंने 3 विकेट झटके। वहीं, पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। राधा यादव को भी एक सफलता मिली। श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा 3 विकेट ओशादी राणासिंघे ने झटके। वहीं, सुर्गधिका कुमारी और चमारी अटापट्टू के खाते में 1-1 विकेट आएं।

**भारत :** शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दयालन हेमलता, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, राधा यादव, रेणुका सिंह।

**श्रीलंका :** हसीनी परेरा, चमारी अट्टापट्टू (कप्तान), हर्षिता मडवी, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), निलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, मालशा शेहानी, ओशादी रणसिंघे, सुगंधिका कुमारी, इनोका रणवीरा, अचिनी कुलसुरिया।

## सरफराज खान की टीम इंडिया में जगह पक्की!

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरफराज खान का मौजूदा घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन जारी है. ईरानी ट्रॉफी के एक मुकाबले में शनिवार को उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ शतक जड़ा. उनकी बेहतरीन पारी के दम पर रेस्ट ऑफ इंडिया ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली है. सौराष्ट्र ने पहली पारी में 98 रन बनाए. जवाब में पहले दिन का खेल खत्म होने पर रेस्ट ऑफ इंडिया ने 3 विकेट पर 205 रन बना लिए हैं. सरफराज 125 रन बनाकर नाबाद हैं. टीम को 107 रन की बढ़त मिल चुकी है. सरफराज खान का मौजूदा घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन जारी है. ईरानी ट्रॉफी के एक मुकाबले में शनिवार को उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ शतक जड़ा. उनकी बेहतरीन पारी के दम पर रेस्ट ऑफ इंडिया ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली है. सौराष्ट्र ने पहली पारी में 98 रन बनाए. जवाब में पहले दिन का खेल खत्म होने पर रेस्ट ऑफ इंडिया ने 3 विकेट पर 205 रन बना लिए हैं. सरफराज 125 रन बनाकर नाबाद हैं.

# डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश ने की जीत के साथ शुरुआत दर्ज की टूर्नामेंट की सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश ने विमेंस एशिया कप टी20 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। थाईलैंड विमेंस को 82 रन पर आउट करने के बाद मेजबान टीम ने 12वें ओवर में ही 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। शमीमा सुल्ताना शानदार फिफ्टी जड़ने से से चूक गईं। वह 49 रन पर आउट हो गईं। इस जीत के साथ बांग्लादेश की महिला टीम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की।

**बांग्लादेश ने दूसरी बार 9 विकेट से जीत दर्ज की**

बांग्लादेश की टीम ने महिला एशिया कप टी20 फॉर्मेट में विकेट के हिसाब से संयुक्त रूप से चौथी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। दूसरी बार उसने 9 विकेट से जीत हासिल की। बांग्लादेश के अलावा पाकिस्तान और थाईलैंड ने 1-1 बार 9 विकेट से जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने इससे पहले भी थाईलैंड को ही जून 2018 में हराया था। वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को नवंबर 2016 में हराया था। थाईलैंड ने मलेशिया को जून 2018 में हराया था।

**थाईलैंड के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए**

थाईलैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। फन्निता माया ने 26 और नत्थाकन चैंथम ने 20 रनों की पारी खेली। इसके अलावा रोसेनन कनोह ने 11 और सोर्ननारिन टिप्पोच ने 10 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से रुमाना अहमद ने 3 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट झटके। इसके अलावा नाहिदा अक्तर, शांजिदा अक्तर और शोहले अख्तर ने 2-2 विकेट झटके। सलमा खातून को 1 विकेट मिला।

**निगार सुल्ताना ने छक्का जड़कर दिलाई जीत**

83 रनों के टारगेट के जवाब में बांग्लादेश की टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज शमीमा सुल्ताना ने और फरगना हक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 49 गेंदों पर 69 रनों की साझेदारी की।

सुल्ताना ने 30 गेंदों पर 10 चौके की मदद से 49 रनों से पारी खेली। थिपाचा पुथावोंग ने उनका विकेट झटका। फरगना 26 और कप्तान निगार सुल्ताना ने 10 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 12वें ओवर की चौथी गेंद पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई।

# आईसीसी ने सूर्यकुमार यादव सहित पांच खिलाड़ियों को विश्व कप में चमकने के लिए चुना

दुबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के करिश्माई मध्य क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सहित पांच खिलाड़ियों को चुना है जिनके लिए उसे उम्मीद है कि वे ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से होने वाले टी20 विश्व कप में चमकेंगे।

सूर्यकुमार इस वर्ष भारत के लिए टी 20 में सनसनीखेज प्रदर्शन कर रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप में रोहित शर्मा की भारतीय टीम की सबसे बड़ी उम्मीद होंगे। सूर्य के लिए यूएई में पिछले वर्ष हुआ टी20 विश्व कप भूलने वाला विश्व कप रहा था। वह सिर्फ चार मैचों में खेले थे और तीन पारियों में 42 रन ही बना पाए थे लेकिन इस साल उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया है और आईसीसी टी20 रैंकिंग में विश्व के नंबर दो बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने इस साल 40.66 के औसत और 180.29 के स्ट्राइक रेट से 732 रन बनाये हैं और शिखर धवन से आगे निकलकर एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। शिखर ने 2018 में 689 रन बनाये थे। आईसीसी ने सूर्यकुमार के अलावा ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वार्नर, श्रीलंका के आलराउंडर वनिंदू हसारंगा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और पाकिस्तान के ओपनर मोहम्मद रिजवान को चुना है जिनके लिए उसे उम्मीद है कि वे विश्व कप में अपनी छाप छोड़ेंगे।

## जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत के लिए अन्य विकल्पों पर एक नजर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की उपस्थिति को लेकर काफी अनिश्चितता और भ्रम का माहौल है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बुमराह की पीठ में गंभीर चोट लगने के कारण चार से छह महीने तक मैदान से दूर रहेंगे। दूसरी ओर, कुछ अटकलें लगाई जा रही है कि तेज गेंदबाज विश्व कप में जगह बना सकते हैं यदि उनकी पीठ की चोट की ठीक हो जाती है, तो उन्हें चार से छह सप्ताह के उपचार के समय की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंजूरी के अधीन टीमों में 15 अक्टूबर तक बदलाव हो सकता है। भारत के पास अभी भी उनके तेज गेंदबाजी विभाग में कुछ अच्छे बॉलर हैं और यह देखने के लिए समय है कि बुमराह की संभावित अनुपस्थिति के कारण उनकी जगह किन विकल्पों को आजमाया जा सकता है।

# पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक मैच में खेल सकते हैं बटलर : मोईन

लाहौर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान मोईन अली को उम्मीद है कि नियमित कप्तान जोस बटलर पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं और वह रविवार को होने वाले सीरीज के सातवें और निर्णायक मैच में खेल सकते हैं। बटलर सीरीज के कराची और लाहौर चरण में अब तक खेले गए छह मैचों में से किसी में भी नहीं खेले हैं और टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर उन्हें उतारने की कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता है।

इंग्लैंड ने छठे मैच में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 3-3 से बराबरी कर ली है। मोईन ने मैच के बाद कहा कि टीम प्रबंधन इस बात का फैसला करेगा कि बटलर रविवार को होने वाले सातवें और अंतिम मैच में खेलेंगे या नहीं।

मोईन ने कहा, बटलर पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं और उन्होंने ट्रेनिंग भी ज्यादा की है। हम उन्हें एक मैच में खेलने का जोखिम उठा सकते हैं या नहीं, यह हमें देखना होगा।

मोईन ने साथ ही कहा कि उनकी टीम यदि अपने आधार पर टिकी रहती है तो वह सीरीज जीत सकती है। अपनी नाबाद 88 रन की पारी से प्लेयर ऑफ द मैच बने साल्ट ने कहा कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ टी20 पारी है। इस पारी से उन्हें इसलिए भी संतोष मिला है क्योंकि उन्होंने आखिर एक अच्छा स्कोर बना लिया।

## 'हमलावर तेवरों के सामने बचाव करना मुश्किल'

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच 2 अक्टूबर का खेला जाएगा. इस मैच से पहले साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर वेन पार्नेल ने बड़ा बयान दिया है. वेन पार्नेल ने दूसरे टी20 मैच से पहले एक ऐसे भारतीय बल्लेबाज का नाम बताया है जिसके हमलावर तेवरों के सामने बचाव करना साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के लिए मुश्किल हो गया है.

टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की अविश्वसनीय रूप से आक्रामक बल्लेबाजी ने उन्हें इस समय टी20 का सबसे खतरनाक बल्लेबाज बना दिया है और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वेन पार्नेल का मानना है कि इस भारतीय का सामना करने के लिए गेंदबाजों को भी मजबूत बनना होगा. सूर्यकुमार यादव ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में 33 गेंदों में ही 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और तीन लंबे छक्के शामिल थे. पार्नेल ने दूसरे मैच से पहले कहा, 'निजी तौर पर पिछले दो महीनों में मैंने जो देखा उससे मुझे लगता है कि अभी वह टी20 में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है. वह मैदान के हर क्षेत्र में शॉट खेलता है जिससे गेंदबाजों के लिए बचाव करना मुश्किल हो जाता है.'

# ईरानी कप 2022 : इंग्लैंड में शतकों की झड़ी लगाने वाले चेतेश्वर पुजारा घर में हुए फेल

## उमरान, कुलदीप और मुकेश की तिकड़ी ने सौराष्ट्र को 98 पर किया ढेर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सौराष्ट्र की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ ईरानी कप 2022 के मैच की पहली पारी में 24.5 ओवर में 98 रन पर आउट हो गई। काउंटी क्रिकेट में धमाल मचाने वाले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का बल्ला भी नहीं चला और वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से मुकेश यादव, कुलदीप सेन और उमरान मलिक की फास्ट बॉलिंग तिकड़ी ने शानदार गेंदबाजी की।

मुकेश ने 4 विकेट तो कुलदीप और उमरान ने 3-3 विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र पर ईरानी कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का खतरा था। जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर 9 विकेट खो चुकी थी। हालांकि, धर्मेंद्रसिंह जडेजा और चेतन सकारिया के बीच 10वें विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी ने सौराष्ट्र को 100 रन के करीब पहुंचा दिया।

**कुलदीप को मिला चेतेश्वर पुजारा का विकेट**

मुकेश कुमार ने हार्विक देसाई और चिराग जानी को आउट करने के बाद रेस्ट ऑफ इंडिया को शुरुआती सफलता दिलाई।

देसाई और जानी खाता नहीं खोल पाए। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग 2022 (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले कुलदीप सेन थोड़े महंगे साबित हुए। उन्होंने सात ओवरों में 41 रन दिए, लेकिन उन्हें चेतेश्वर पुजारा का सबसे महत्वपूर्ण विकेट मिला।

**काउंटी में किया था शानदार प्रदर्शन**

गौरतलब है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे पुजारा को इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने काउंटी में शानदार बल्लेबाजी की। फिर उन्हें कोरोना के कारण साल 2021 में स्थगित हुए भारत और इंग्लैंड के बीच 5वें टेस्ट के लिए टीम में चुना गया। जुलाई 2022 में इस मैच की दूसरी पारी में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था। इसके बाद काउंटी क्रिकेट में वनडे फॉर्मेट में भी अच्छी बल्लेबाजी की थी।

**सकारिया ने नाबाद 23 रन बनाए**

सौराष्ट्र के बल्लेबाजों में अर्पित वासवदा ने 19 गेंदों में चार चौकों की मदद से 22 रन की तेज पारी खेली, लेकिन 10वें ओवर में उमरान ने अपनी पारी का अंत कर दिया। सौराष्ट्र के लिए जडेजा शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने छह चौकों की मदद से 36 गेंदों में 28 रन बनाए। सकारिया 23 रन पर दो चौकों की मदद से 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

**फीफा विश्व कप**

## फीफा में भाग लेने वाली टीम की प्राइज मनी टी20 चैंपियन के बराबर

### इनाम पर 3585 करोड़ का खर्च

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 विश्व कप की शुरुआत 16 अक्टूबर से हो रही है। यह टूर्नामेंट 13 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद फीफा विश्व कप का भी आयोजन होना है। फीफा विश्व कप 20 नवंबर से 18 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

दोनों टूर्नामेंट की प्राइज मनी का एलान हो चुका है और इसमें जमीन आसमान का अंतर है। फीफा भाग लेने वाली हर टीम को जितने पैसे मिलेंगे, लगभग उतनी ही राशि टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को मिलेगी। टी20 विश्व कप की ईनामी राशि आईपीएल चैंपियन को मिलने वाली इनामी राशि से भी सात करोड़ रुपये कम है।

टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 13.05 करोड़ रुपये) मिलेंगे। वहीं, फाइनल हारने वाली टीम को 800,000 डॉलर (करीब 6.52 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे। टी20 वर्ल्ड कप के लिए कुल प्राइज मनी की बात करें तो वह 5.6 मिलियन डॉलर (करीब 45.68 करोड़ रुपये) है।

**फीफा में क्या है इनामी राशि?**

फीफा विश्व कप की इनामी राशि कुल 440 मिलियन डॉलर (करीब 3585 करोड़ रुपये) है। वर्ल्ड कप विजेता टीम को 42 मिलियन डॉलर (करीब 342 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह पिछले वर्ल्ड कप से चार मिलियन डॉलर ज्यादा है। वहीं, उपविजेता टीम को 244 करोड़ रुपये मिलेंगे।

**फीफा चैंपियन को 26 गुना ज्यादा प्राइज मनी**

फीफा विश्व कप जीतने वाली टीम और टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम की प्राइज मनी में 26 गुना का अंतर है। दोनों टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि में 3539.32 करोड़ रुपये का अंतर है। फीफा विश्न कप में भाग लेने वाली हर टीम को 1.5 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। वहीं, टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को 1.6 करोड़ रुपये मिलेंगे।

# दीप्ति शर्मा रनआउट मामला : हर्षा भोगले के ट्वीट पर भड़के बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम के बीच हाल ही में हुई वनडे सीरीज़ काफी सुर्खियों में रही थी. भारत ने यहां 3 मैच की सीरीज में क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था. लेकिन लॉर्ड्स में खेला गया आखिरी वनडे मैच एक रनआउट की वजह से विवादों में रहा. दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की चार्ली डीन को 'मांकड़िंग' रनआउट किया था। भारत के दिग्गज कमेंटेटर हर्षा भोगले ने इस मसले पर एक लंबा कमेंट लिखा था, जो काफी वायरल हुआ था. हर्षा भोगले ने अपने इस कमेंट में इंग्लैंड के खिलाड़ियों की सोच और परवरिश को शामिल कर लिया था. अब हर्षा भोगले के इस ट्वीट पर इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने जवाब दिया है।

इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ने लिखा कि हर्षा, मांकड़ के विषय पर लोगों के दिए ओपिनियन पर आप कल्चर को लेकर आ रहे हैं? बेन स्टोक्स ने एक और ट्वीट में लिखा कि 2019 वर्ल्डकप के फाइनल को 2

साल से अधिक हो गया है, आजतक मैं उस फाइनल को लेकर कई तरह के मैसेज रिसीव करता हूं जिसमें से भारतीय फैन्स के मैसेज भी हैं. क्या इससे आपको दिक्कत होती है? एक अन्य ट्वीट में बेन स्टोक्स ने लिखा कि क्या ये कल्चर से जुड़ी चीज़ है? बिल्कुल नहीं, दुनियाभर से मुझे ओवरथ्रो के लिए मैसेज आते हैं, इसी तरह लोग मांकड़िंग को लेकर दुनियाभर से अलग-अलग बात को लेकर मैसेज भेज रहे हैं, सिर्फ इंग्लिश लोग ही ऐसा नहीं कर रहे हैं।

**हर्षा भोगले ने लिखा था क्या मैसेज?**

आपको बता दें कि दीप्ति शर्मा के उस रनआउट पर काफी बवाल हुआ था, लंबे वक्त तक अलग-अलग कमेंट आए. और अब बीते दिन हर्षा भोगले ने अपने ट्विटर अकाउंट पर 8 ट्वीट किए थे, जिसमें उन्होंने विस्तार से इंग्लैंड द्वारा की गई आलोचना की निंदा की थी. साथ ही कहा था कि इंग्लैंड की सोच में है कि वो चाहते हैं दुनिया उनके हिसाब से ही सोचे।

हर्षा भोगले ने अपने ट्वीट में कहा था, 'मुझे ये बात बहुत ही परेशान कर रही है कि इंग्लैंड की मीडिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा एक ऐसी लड़की पर सवाल उठा रहा है जिसने खेल के नियमों के दायरे में रहकर खेला और कोई भी उस खिलाड़ी पर सवाल नहीं उठा रहा है जो ग़ैर-कानूनी तरीक़े से फ़ायदा उठाने की कोशिश कर रही थी और ऐसा वो कई बार कर चुकी थी।

# सभी के सहयोग से आज राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान कर रहा है तेलंगाना : केसीआर

## वरंगल में मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चद्रशेखर राव ने शनिवार सुबह वरंगल जिला केंद्र के पास मुलुगु क्रॉस रोड पर "प्रतिमा आयुर्विज्ञान संस्थान" के नाम से स्थापित मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। पूजा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री ने अस्पताल का दौरा किया। प्रतिमा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर सीएम केसीआर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वरंगल के रहने वाले प्रबंधन द्वारा स्थापित प्रतिमा कॉलेज एवं अस्पताल का उद्घाटन करते हुए हर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज, विश्व स्तर पर सूचना क्रांति फैल रही है और सूचना तक सभी की पहुंच है। कोई ज्ञान बैंक नहीं है। हम एक ऐसी स्थिति में हैं जहां हर कोई इस पर शोध करने पर ज्ञान प्राप्त कर लेता है। तेलंगाना आंदोलन लोगों के समर्थन से जारी रहा और शानदार तेलंगाना राज्य हासिल किया। अब, तेलंगाना कई क्षेत्रों में भारत में नंबर एक है। इसमें तो कोई शक ही नहीं है। केंद्रीय मंत्री राजनीति के लिए तेलंगाना आ रहे हैं और सीएम केसीआर की आलोचना कर रहे हैं। दिल्ली में वे तेलंगाना को अवॉर्ड दे रहे हैं। तेलंगाना आंदोलन के दौरान, मैंने बार-बार लोगों को बताया है और यह आज एक सौ प्रतिशत साकार हुआ है। भविष्यवाणी की गई थी कि तेलंगाना देश का सबसे आश्चर्यजनक रूप से महान और सबसे अमीर राज्य होगा। यह घटित हो रहा है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि तेलंगाना प्रति व्यक्ति आय महाराष्ट्र की तुलना में अधिक है, जिसकी राजधानी मुंबई है, जो भारत की वित्तीय राजधानी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना की जीएसडीपी वृद्धि और प्रति व्यक्ति बिजली उपयोग अधिक है। यह गर्व का क्षण है कि तेलंगाना हर मामले में सबसे आगे है और आज राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान कर रहा है। तेलंगाना समाज प्रबुद्ध है। ये सारे नतीजे सरकार ने हासिल किए हैं जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ अच्छे तालमेल से आगे बढ़ रही है। ये सभी लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप काम कर रहे हैं। तेलंगाना ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में चमत्कार हासिल किया है और इसे और हासिल करने की जरूरत है। अतीत में तेलंगाना क्षेत्र की उपेक्षा की गई थी। सरकारी क्षेत्र में एमबीबीएस सीटों के लिए केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे। आज 12 और कॉलेज जुड़ गए हैं। मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या 17 है। हालांकि केंद्र सरकार ने तेलंगाना के साथ भेदभाव किया और एक भी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी नहीं दी, तेलंगाना तेलंगाना ने बहुत कुछ खोया है जब नेतृत्व ने गलती की है। तेलंगाना राज्य के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया और लाखों लोग जेल गए। कार्यक्रम में मंत्री टी हरीश राव, ई. दयाकर राव, सत्यवती राठौर, गंगुला कमलाकर, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी विनोद कुमार, सांसद जोगीनापल्ली संतोष कुमार, डी दामोदर राव, वी रविचंद्र, पसुनुरी दयाकर, प्रतिमा समूह के अध्यक्ष बोनीपल्ली श्रीनिवास राव, एमएलसी कडियम श्रीहरि मधुसूदनचारी, बसवाराजू सरैया, डॉ. बंदा प्रकाश, पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी, नवीन कुमार, पी कौशिक रेड्डी, सरकार के मुख्य सचेतक दसयम विनयभास्कर, विधायक चल्ला धर्म रेड्डी, ए रमेश, वी सतीश कुमार, नन्नपुनेनी नरेंद्र, पेड्डी सुदर्शन रेड्डी, शंकर नाइक, डॉ. टी. राजैया, मुथिरेड्डी यादगिरि रेड्डी, ग्रेटर वारंगल के मेयर गुंडू सुधारानी, निगम अध्यक्ष मेडू श्रीनिवास, के. वासुदेवरेड्डी, बोल्लम संपत कुमार, वाई. सतीश रेड्डी, बांदा श्रीनिवास, पूर्व सांसद सीताराम नाइक, पूर्व एमएलसी बालासानी लक्ष्मीनारायण, जिला कलेक्टर गोपी, सी.पी. तरुण जोशी, वारंगल नगर निगम आयुक्त प्रवीण्या, प्रतिमा अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रतीक, डॉ. हरिनी, डॉ. रमेश, डॉ. अविनाश, डॉ. राहुल, कई जन प्रतिनिधियों और नेताओं ने भाग लिया।

# केटीआर ने तेलंगाना के प्रति केंद्र के भेदभाव की आलोचना की

## पीएम मोदी से मांगा तेलंगाना के वादों से मुकरने पर आधिकारिक बयान

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रति केंद्र सरकार के भेदभाव की निंदा करते हुए, उद्योग मंत्री और टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से एक आधिकारिक बयान देने की मांग की है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों से अपने वादों से क्यों मुकर रही है। केटी रामा राव ने शनिवार को ट्वीट किया कि यह शर्म की बात है कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में किया गया एक भी वादा तेलंगाना या राज्य आंध्र प्रदेश के लिए नहीं रखा गया है। मंत्री ने अपने झूठे दावों से राज्य में लोगों को गुमराह करने के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी की खिंचाई की। केटीआश्र ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि आपने घोषणा की थी कि भारत सरकार ने तेलंगाना को नौ मेडिकल कॉलेज मंजूर किए हैं, जो पूरी तरह से झूठ है। आपके पास माफी मांगने की भी हिम्मत नहीं है। केंद्रीय मंत्री के पिछले ट्वीट्स की तस्वीरें साझा करते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार ने तेलंगाना को नौ मेडिकल कॉलेज मंजूर किए हैं। केंद्रीय मंत्री पर तीखा हमला जारी रखते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि भाजपा नेता गुजरात में अपने 'आलाकमान' को खुश करने के लिए खुलेआम झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया कि बाद में आपने घोषणा की कि केंद्र सरकार हैदराबाद में पारंपरिक चिकित्सा के लिए ग्लोबल सेंटर स्थापित करने का इरादा रखती है। बेशक हमेशा की तरह आपके गुजराती आकाओं ने इसे अपने राज्य में स्थानांतरित कर दिया है। फिर से, आपने हैदराबाद के लोगों को गुमराह किया है फिर भी आप अपने झूठे दावे को सही नहीं करते हैं। उद्योग मंत्री ने आगे ट्वीट किया, अपने आधे-अधूरे झूठे प्रचार को जारी रखते हुए, आपने अब दावा करना शुरू कर दिया है कि बयाराम में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र व्यवहार्य नहीं है जैसा कि एपी पुनर्गठन अधिनियम में वादा किया गया था। आप स्पष्ट रूप से ऐसे व्यक्ति हैं जो गुजरात में अपने आकाओं को खुश करने के लिए आधा सच और झूठी खबरें फैलाते हैं।

### ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से कोयला श्रमिक की मौत

मंचेरियल, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीरामपुर में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की एक ओपन कास्ट खनन परियोजना में काम के दौरान एक 44 वर्षीय कोयला खनिक की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। श्रीरामपुर शहर के राज्य के स्वामित्व वाली कोयला कंपनी का एक सामान्य मजदूर कंदुगुला अंकुलु कार्यस्थल पर गिर गया और अस्पताल ले जाने के दौरान उसने अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। एससीसीएल के एक अन्य कोयला खनिक की एक सप्ताह पहले श्रीरामपुर में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। इस बीच, तेलंगाना बोग्गू गनी कर्मिका संघम (टीबीजीकेएस) श्रीरामपुर क्षेत्र के उपाध्यक्ष के सुरेंद्र रेड्डी, केंद्रीय विंग के उपाध्यक्ष मंडा मल्लारेड्डी, परामर्श प्रतिनिधि पेटीएम लक्ष्मण, वेंगाला कुमारा स्वामी ने अस्पताल का दौरा किया और अस्पताल में खनिक के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि वे अंकुलु के परिवार के सदस्यों में से एक को रोजगार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

# बाल अधिकार संरक्षण में तेलंगाना को रोल मॉडल बनाएं : जगदीश रेड्डी

नलगोंडा, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि तेलंगाना देश में कल्याण और विकास के उपायों में शीर्ष पर है, ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने शनिवार को अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि राज्य बाल अधिकारों के संरक्षण में भी एक आदर्श बन जाए।

बाल संरक्षण में गांव और मंडल स्तर की बाल संरक्षण समितियों की भूमिका पर जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा की पहली जिम्मेदारी माता-पिता की है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए तस्करी और बच्चों का दुरुपयोग बड़ी चुनौतियां हैं, उन्होंने संगठित भीख मांगने वाले गिरोहों की जांच करने की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो बच्चों का उपयोग करके पैसा कमा रहे हैं।

यह कहते हुए कि कल्याण लक्ष्मी सहित राज्य सरकार की पहल ने राज्य में बाल विवाह को कम किया है, मंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं होना चाहिए और बताया कि राज्य सरकार द्वारा 2,000 से अधिक आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए थे ताकि गरीब छात्रों को शैक्षिक सुविधाएं प्रदान की जा सकें। शिक्षा की गुणवत्ता और सुविधाओं के मामले में सरकारी स्कूलों को भी कॉरपोरेट स्कूलों के समान विकसित किया गया। उन्होंने कहा कि अगर एक पीढ़ी को शिक्षित किया जाए तो पूरा समाज बदल जाएगा, उन्होंने कहा कि यहां ईंट भट्टों में काम करने वाले दूसरे राज्यों के प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को भी बचाया गया है। इस अवसर पर नलगोंडा विधायक कंचेरला भूपाल रेड्डी, जिला परिषद अध्यक्ष बांदा नरेंद्र रेड्डी और जिला कलेक्टर टी. विनय कृष्ण रेड्डी उपस्थित थे।

# बुजुर्गों के जीवन में खुशहाली रहना चाहिए : कोप्पुला

## बुजुर्ग हेल्पलाइन नंबर 14567 का पोस्टर का अनावरण

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि सीएम केसीआर ने सभी समुदायों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू और लागू की हैं। उन्होंने कहा कि आसरा योजना इस अच्छे विचार के साथ शुरू की गई थी कि खासकर बुजुर्गों और विकलांगों को परेशानी न हो। 31वें अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर उन्होंने रवीन्द्र भारती में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों को संबोधित किया। इससे पहले गृह मंत्री मों महमूद अली के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंत्रियों ने 100 वर्ष की आयु तक पहुंचने वाले कई वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। मंत्री कोप्पुला ने सुझाव दिया कि बुजुर्गों को जीवन में खुशहाली रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिला केंद्रों में वृद्धाश्रम स्थापित किए जा रहे हैं ताकि वृद्धावस्था में जरूरतमंदों की मदद की जा सके। 33 जिलों में सुखद माहौल में इनकी स्थापना की जा रही है। इसके लिए राशि भी स्वीकृत की गई है। अकेलापन भयानक है। जो परिवार अपने बड़ों का सम्मान करते हैं वे उच्च स्तर पर होते हैं। परिवार के सदस्यों को यह समझना चाहिए कि बुजुर्गों के लिए विशेष कानून है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले शैक्षणिक वर्ष से बुजुर्गों के कल्याण से संबंधित कानूनों को पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। माता-पिता को छात्र स्तर से ही बच्चों को माता-पिता की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने सुझाव दिया कि जिस तरह हमने एससी और एसटी अत्याचारों के बारे में जागरूकता पैदा की है, उसी तरह हमें सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक रूप से बुजुर्ग अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। कानूनों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ दंड संहिता लागू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस मामले पर संसद सदस्यों के साथ चर्चा करने की पूरी कोशिश करेंगे। माता-पिता की संपत्ति बच्चे के नाम पर देने वाली वसीयत को वापस लेने के लिए संशोधन लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित करने के बारे में सीएम केसीआर और स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव के ध्यान में लाएंगे ताकि विशेष रूप से अपने बुढ़ापे में चिकित्सा के लिए अस्पतालों में आने वाले बुजुर्गों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

# तेजी से लुप्त हो रहे हैं संयुक्त परिवार : प्रतीक जैन

## विश्व वृद्धजन दिवस पर बड़ों का किया गया सम्मान

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अपर कलेक्टर प्रतीक जैन ने कहा कि बड़ों के बलिदान को कभी नहीं भुलाना चाहिए। हमारी प्रगति में बड़ों का कड़ा परिश्रम और त्याग होता है। श्री जैन विश्व वृद्धजन दिवस पर शनिवार को एकीकृत समाहरणालय सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्रतीक जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ने कहा कि माता-पिता, शिक्षक, बुजुर्ग भगवान के समान हैं और उनकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। संयुक्त परिवारों के कारण बच्चें से देश, परिवार की संस्कृति और परंपराओं को जानते हैं और अनुशासन के साथ रहते हैं।

आज की व्यवस्था में संयुक्त परिवार लुप्त हो गए हैं और प्रेम, स्नेह कम हुआ है। हमारे जीवन में हमारे माता-पिता और बुजुर्ग बहुत सी चीजें हैं। हमें उनके बलिदानों के हमेशा ऋणी रहना चाहिए। इस अवसर पर जिल अपर कलेक्टर ने वरिष्ठ नागरिक लक्ष्मैया, सैलू, भिक्षापति, यदैह, मल्लैया और नारायण को शॉल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए प्रभाकर, संबंधित अधिकारी, बुजुर्गो अन्य ने भाग लिया।

# नगरद्वय में दुर्गा पूजा उत्सव की धूम, भाग ले रहे हैं भारी संख्या में श्रद्वालु

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय में भारी संख्या में मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना की गई है। विजयादशमी के दिन नवरात्रि उत्सव के रूप में, दुर्गा पूजा पंडालों में उत्सव चरम पर शुरू हो गया है। सिकंदराबाद और हैदराबाद में सैकड़ों की संख्या में दुर्गा माता पंडाल की स्थापना की गई है। सिकंदराबाद के बोवनपल्ली, मुशीराबाद, कारखाना, विनायक नगर, ईसीआईएल हैदराबाद के इसामिया गच्चीबोवली और कुक्टपल्ली से नल्लाकुंटा तक भक्तों द्वारा दुर्गा की मूर्तियों के साथ कई पंडाल स्थापित किए गए है। ओल्ड वोवनपल्ली के मल्लिकार्जुन कॉलोनी में वैष्णवी माता यूथ एसोसिशन ने माता की प्रतिमा को स्थापित कर रखा है। सुबह और शाम को धार्मिक उत्साह के साथ आयोजन स्थल गुलजार होते हैं। बंगाली में ही नहीं हैदराबाद में मूर्तियों की स्थापना, विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा वर्षों से लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। तेलंगाना कला भारती में हैदराबाद बंगाली समिति, दोमलगुडा में एनटीआर स्टेडियम में समारोह 5 अक्टूबर तक चलता है। साइबराबाद बंगाली एसोसिएशन मियापुर में साइबराबाद बंगाली एसोसिएशन 5 अक्टूबर तक दुर्गा पूजा की मेजबानी कर रहा है। प्रभाषी सामाजिक सांस्कृतिक संघ समारोह 1 अक्टूबर से शुरू होता है और 5 अक्टूबर तक चलेगा। यहां की आरती यहां भव्य रूप से की जाती है। उत्सव सांस्कृतिक संघ भी संगीत कार्यक्रम, अष्टमी अंजलि, संधि पूजा, सिंदूर केहल आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन करती है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.